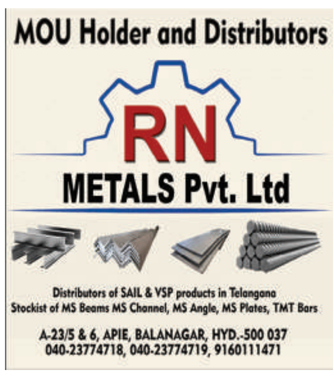

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 08 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य–8 रु.। वर्ष–8 । अंक–08

आबो-हवा हुई खराब

6 में से 4 जल स्रोत दूषित

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंदौर में दूषित पानी से हुई 15 मौतों के बाद अब हैदराबाद की जल आपूर्ति पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। हालिया शोध पत्रों और अध्ययनों से पता चला है कि हैदराबाद को 80% पेयजल आपूर्ति करने वाले 6 में से 4 प्रमुख स्रोत उस्मानसागर, हिमायतसागर, गोदावरी और कृष्णा अत्यधिक प्रदूषित हैं। इन स्रोतों में सीवेज, मल अपशिष्ट और औद्योगिक कचरे की भारी मात्रा पाई गई है।

उस्मानसागर सबसे खराब स्थिति में

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (एमएएनयूयू) के सितंबर 2025 के एक अध्ययन के अनुसार, उस्मानसागर का जल गुणवत्ता सूचकांक (डब्ल्यूक्यूआई) 'बेहद खराब' श्रेणी में है। आसपास के आवासीय क्षेत्रों से बिना उपचार के बहने वाला सीवेज और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला कचरा इसकी मुख्य वजह है। इसके पानी में भारी धातुओं और सूक्ष्मजीवों का उच्च स्तर पाया गया है, जो सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है।

कृष्णा और गोदावरी नदियाँ

एनआईटी वरंगल और नीरी–आईआईटी हैदराबाद की रिपोर्टों ने नदियों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताई है।

1.**कृष्णा नदी:** फार्मास्युटिकल इकाइयों और सिंथेटिक रासायनिक उद्योगों से निकलने वाला कचरा नागार्जुनसागर तक पहुँच रहा है, जहाँ से हैदराबाद के लिए पानी पंप किया जाता है।

2. **गोदावरी नदी:** रामागुंडम और मंचेरियल क्षेत्रों से सीधे नदी में गिरने वाला अनुपचारित अपशिष्ट जल 'श्रीपाद येल्लमपल्ली परियोजना' के पानी को दूषित कर रहा है। यहाँ नगर निगम का लैंडफिल (कचरा डंपयार्ड) भी नदी के बेहद करीब स्थित है।

विशेषज्ञों का कहना है कि केवल स्रोत ही नहीं, बल्कि शहर का वितरण नेटवर्क भी जोखिम भरा है।

समानांतर लाइनें: पीने के पानी की पाइपलाइनें और सीवर लाइनें अक्सर एक–दूसरे के समानांतर या एक–दूसरे को काटते हुए गुजरती हैं।

रिसाव का खतरा: पाइपलाइनों के पुराने होने और उनमें जंग लगने के कारण, सीवेज का पानी पीने के पानी में मिलने का वास्तविक खतरा बना रहता है।

जल बोर्ड का आश्वासन

हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के तकनीकी निदेशक डी. सुदर्शन ने इन चिंताओं को कम करते हुए कहा, ''कच्चे पानी की गुणवत्ता की समस्याओं को उपचार के स्तर पर ही हल कर लिया जाता है। हम जलाशयों पर प्रदूषक स्तर को नियंत्रित करते हैं और क्लोरीनीकरण की प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करते हैं। गुणवत्ता जांच के लिए हम प्रतिदिन लगभग 5,000 पानी के नमूने एकत्र करते हैं।''

शहर का एक्यूआई 170 पार

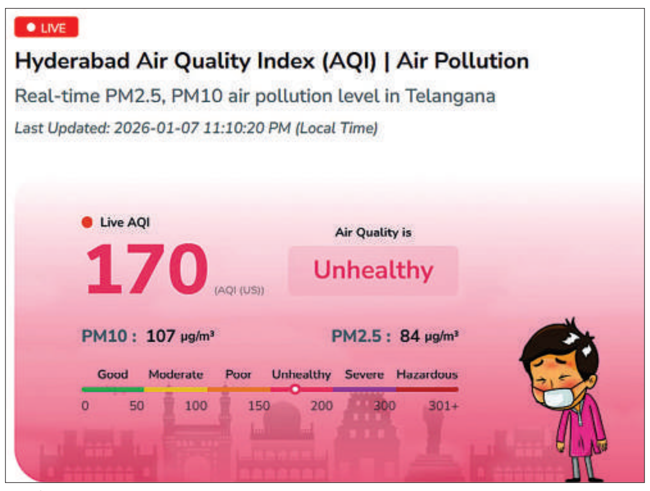

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद इन दिनों भीषण शीतलहर से तो जूझ ही रहा है, प्रदूषित हवा ने भी हैदराबादियों की नाक में दम कर रखा है। शहर की हवा जहरीली होती जा रही है, लेकिन प्रशासन मौन है। बुधवार की रात 11.10 बजे हैदराबाद का एक्यूआई 170 दर्ज किया गया जो सेहत के लिए काफी खतरनाक है। हैदराबाद के लिए बनाए गए 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' (जीआरएपी) के अनुसार, जब हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर 61 से 120 माइक्रोग्राम के बीच होता है, तो इसे 'मध्यम से खराब' श्रेणी में माना जाता है। तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) के अपने आंकड़े बताते हैं कि पिछले कई महीनों से हैदराबाद में प्रदूषण का स्तर लगातार इन मानकों से ऊपर बना हुआ है। इसके बावजूद, सरकार, जीएचएमसी और ट्रैफिक पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

शरीर कँपा देने वाली ठंड के मौसम में कोहरे की चादर लपेटे आ रही सर्द हवाओं ने पूरे शहर की आबो हवा खराब कर दी हैं। हालांकि हैदराबाद की हवा वास्तव में कितनी प्रदूषित है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप डेटा कहाँ देख रहे हैं? केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पोर्टल 'प्राणा' की वेबसाइट हैदराबाद का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 93 दिखाती है, जिसे 'संतोषजनक' श्रेणी में रखा गया है। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मानकों के अनुसार, 51–100 के बीच का एक्यूआई 'संतोषजनक' माना जाता है। खास बात यह है कि इसी 'प्राणा' वेबसाइट पर 'लाइव एक्यूआई ' का एक अन्य लिंक भी है, जो उपयोगकर्ता को एक ऐसी साइट पर ले जाता है, जहाँ उसी समय (मंगलवार को) हैदराबाद का एक्यूआई 157 दिखाई देता है। ▶10पर

औवेसी ने उठाया था मुद्दा

हाल ही में विधानसभा में एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद की गिरती वायु गुणवत्ता का मुद्दा उठाया। इसके जवाब में सरकार ने भी स्वीकार किया कि स्थिति चिंताजनक है। ओवैसी ने कहा, बदलती वास्तविकताओं को देखते हुए एक्यूआई मानकों को संशोधित करने की तत्काल आवश्यकता है। आज शहर में लोग, वाहन और निर्माण कार्य पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं। सीपीसीबी द्वारा 2014 में निर्धारित किए गए मानकों को वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार बदलने की जरूरत है।

वर्तमान में अधिकारी यह दावा कर रहे हैं कि तेलंगाना सीपीसीबी द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ये भारतीय मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सख्त मानकों की तुलना में बहुत ढीले हैं।

विजयवाड़ा हाईवे क्लीन

हरकत में आया प्रशासन, संक्रांति यात्रा आसान

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी संक्रांति त्यौहार के अवसर पर हैदराबाद से अपने पैतृक गांवों की ओर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। भारी भीड़ को देखते हुए नलगोंडा जिला प्रशासन ने विजयवाड़ा हाईवे (एनएच–65) पर सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्य योजना तैयार की है। अधिकारियों ने सड़क के गड्ढों की मरम्मत शुरू कर दी है ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

सुचारू यातायात के लिए व्यापक डायवर्जन प्लान

चूंकि संक्रांति के दौरान प्रतिदिन एक लाख से अधिक वाहनों के आवागमन की संभावना है और कुछ स्थानों पर ब्लैक स्पॉट का काम अभी भी जारी है, इसलिए अधिकारियों ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ने का निर्णय लिया है–

हैदराबाद से गुंटूर: इन वाहनों को नारकेटपल्ली से नलगोंडा और मिरयालगुडा की ओर मोड़ा जाएगा।

हैदराबाद से राजमंद्री : इन वाहनों को

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com
06 Jan 2026 - Page 1

उप्पल-नारपल्ली फ्लाईओवर अधर में

कछुआ चाल से निर्माण बना 'नरक'

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के दो सबसे महत्वपूर्ण सड़क मार्गों का निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। ट्रैफिक के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण इन रास्तों पर काम में देरी के कारण यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हैदराबाद-वरंगल राजमार्ग का हिस्सा, उप्पल-नारपल्ली फ्लाईओवर का 70 प्रतिशत काम अभी भी बाकी है। वहीं, हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर ब्लैकस्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) सुधार का 80 प्रतिशत कार्य अधूरा है। सड़कों को खोदकर छोड़ देने और सर्विस रोड की व्यवस्था न होने के कारण इन मार्गों पर यात्रा करना किसी सजा से कम नहीं रह गया है। हालांकि, आरएंडबी मंत्री ने काम पूरा करने के कई लक्ष्य निर्धारित किए थे, लेकिन वे पूरे नहीं हो सके। अब अगले साल दशहरा तक काम पूरा करने का नया आश्वासन दिया गया है ... मुश्किल ...

अधर में ...

भारतीय ... 2018 में ... लागत से ... किलोमीटर ...

शुरू किया गया था। अनुबंध के अनुसार, यह काम तीन साल में पूरा होना था। शुरुआत में भूमि अधिग्रहण की समस्या और बाद में ठेकेदार एजेंसी के दिवालिया होने से काम बीच में ही रुक गया। हालांकि अब सभी तकनीकी बाधाएं दूर हो चुकी हैं, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और आरएंडबी अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी के कारण काम आगे नहीं बढ़ रहा है। कुल 142 स्लैबों में से केवल 45 ही पिलरों पर रखे गए हैं, और 143 पिलरों में से 28 का निर्माण अभी भी बाकी है। गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों में केवल 10 प्रतिशत काम ही हुआ है।

विजयवाड़ा हाईवे पर ब्लैकस्पॉट का खतरा और अधूरा सुधार कार्य

हैदराबाद-विजयवाड़ा के बीच 270 किलोमीटर के दायरे में 17 ब्लैकस्पॉट की पहचान की गई है। केंद्र सरकार ने इनके सुधार के लिए पिछले साल 325 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके तहत लेन विस्तार, अंडरपास, फ्लाईओवर और सर्विस रोड का निर्माण होना था। चौटुप्पल, चिट्याल, सूर्यापेट, कोदाड जैसे क्षेत्रों में फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया जाना ... अभी शुरू भी नहीं ... तो खोद दी है, ... सर्विस रोड न होने से ... में डालकर सफर ... औसतन हर 20 ... स्पॉट है, जिससे ... है।

नकिरेकल और अर्वापल्ली के रास्ते खम्मम की ओर भेजा जाएगा।

विजयवाड़ा से हैदराबाद: वापसी में वाहन कोदाड, रामापुरम, हुजूरनगर, मिरयालगुडा और नलगोंडा के रास्ते नारकेटपल्ली पहुँचेंगे।

चौटुप्पल में जाम की स्थिति: यदि चौटुप्पल में भारी भीड़ होती है, तो वाहनों को वलिगोंडा और रामन्नापेट के रास्ते चिट्याला भेजा जाएगा। इसी तरह, पेद्दा कापर्ती में जाम लगने पर कोम्माईगुडेम के रास्ते डायवर्जन किया जाएगा।

खम्मम मार्ग: रायनिगुडेम में यू–टर्न बंद होने के कारण खम्मम से हैदराबाद जाने वाले वाहनों को चिव्वेमला और आइलापुरम के रास्ते भेजा जा रहा है। जनगाँव और सिद्दीपेट की ओर जाने वाले वाहनों को कुडकुडा रोड से डायवर्ट किया गया है। दुर्घटनाओं को शून्य करने के लिए हाईवे पर आवश्यक स्थानों पर सूचना बोर्ड, रेडियम स्टिकर, लिंकिंग लाइट्स और लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। ▶10पर

ट्रेवल्स बस जलकर खाक

कोव्वूर, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बुधवार तड़के कोव्वूर फ्लाईओवर पर एक निजी

ट्रेवल्स बस में भीषण आग लग गई, जिससे बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। गनीमत यह रही कि इस घटना में सभी यात्री और कर्मचारी बाल–बाल बच गए।

डीएसपी देवकुमार और सीआई के. विश्वम के अनुसार, बस खम्मम से विशाखापत्तनम की ओर जा रही थी। जब बस कोव्वूर फ्लाईओवर पर पहुँची, तो कथित तौर पर उसके 'सेल्फ–मोटर' में शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट होते ही बस में अचानक आग की लपटें उठने लगीं।

चालक की सूझबूझ से बचीं जानें

आग का आभास होते ही चालक ने तुरंत वाहन को रोक दिया। बस में सवार सभी 6 यात्री और 4 कर्मचारी समय रहते नीचे उतरने में सफल रहे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और किसी को कोई चोट नहीं आई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुँचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए दूसरी बस में स्थानांतरित किया गया

कोव्वूर फायर ऑफिसर ए.वी.एन.एस. वेणु ने बताया कि इस घटना में लगभग 80 लाख के नुकसान का अनुमान है।

कार्टून कॉर्नर

बांग्लादेश में लगातार हो रहे हिंदुओं पर हमले, पीड़ित को नहर में छलांग लगाने को किया मजबूर, मौत

ढाका,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के विरुद्ध सुनियोजित हिंसा और लक्षित हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में घटी एक हृदयविदारक घटना में 25 वर्षीय हिंदू युवक मिथुन सरकार की जान चली गई। बताया जा रहा है कि चोरी के निराधार संदेह में उग्र भीड़ द्वारा पीछा किए जाने पर अपनी जान बचाने के लिए मिथुन ने नहर में छलांग लगा दी थी, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने भंडारपुर गांव के निवासी मिथुन का शव बरामद कर लिया है। यह घटना उस समय सामने आई है जब बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। मिथुन की मौत पिछले कुछ दिनों में अल्पसंख्यकों पर हुए क्रूर हमलों की उस लंबी श्रृंखला का हिस्सा है, जिसने पूरे समुदाय को भय के साये में जीने को मजबूर कर दिया है। स्थानीय संगठनों, विशेषकर हिंदू, बौद्ध और ईसाई एकता परिषद द्वारा जारी किए गए आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर करते हैं। परिषद के अनुसार, केवल दिसंबर महीने में ही अल्पसंख्यकों के विरुद्ध कम से कम 51 लक्षित घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 10 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। रिपोर्ट में आगजनी, बलात्कार और लूटपाट की घटनाओं का विस्तृत विवरण देते हुए कहा गया है कि ये अत्याचार आगामी 12 फरवरी 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों से पहले अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने और उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने का एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होते हैं। नागरिक समाज का मानना है कि देश में संस्थागत कमजोरी और सांप्रदायिक उन्माद का एक खतरनाक मेल बन गया है, जो लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती है।

हिंसा का यह दौर शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बनी अंतरिम सरकार के कार्यकाल में और अधिक तीव्र हुआ है। हाल के दिनों की कुछ अन्य घटनाएं रूह कंपा देने वाली हैं। 5 जनवरी को जेसोर जिले में हिंदू व्यापारी राणा कांति बैरागी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसी दिन नरसिंगदी में किराना दुकानदार मोनी चक्रवर्ती को धारदार हथियारों से मौत के घाट उतार दिया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

लेबनान में इज़राइली हमले, दो लोगों की मौत, संघर्षविराम निगरानी समिति की बैठक से पहले बढ़ा तनाव

लेबनान। दक्षिणी लेबनान में इज़राइली सेना की कार्रवाई में दो लोगों की मौत हो गई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इज़राइल और हिज़्बुल्लाह के बीच नवंबर 2024 से लागू संघर्षविराम की निगरानी करने वाली समिति की बैठक एक दिन बाद होने वाली है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एनएनए के अनुसार, यह हमला बिंत जिबेल ज़िले के कफर दुनिन कस्बे में एक मकान को निशाना बनाकर किया गया। इज़राइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि उसने इस इलाके में हिज़्बुल्लाह के दो सदस्यों को निशाना बनाया है। सेना का दावा है कि इनमें से एक व्यक्ति संगठन की गतिविधियों को दोबारा स्थापित करने में शामिल इंजीनियरिंग आतंकी था। हालांकि लेबनानी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए हमले को नागरिकों पर हमला बताया है। संघर्षविराम के बावजूद इज़राइली हमले लगातार जारी हैं। नवंबर 2024 के बाद से अब तक लेबनान में 300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कम से कम 127 नागरिक शामिल हैं। हाल के दिनों में इज़राइल ने देश के दक्षिणी और पूर्वी इलाकों में कई स्थानों पर बमबारी की और कुछ गांवों को खाली करने के आदेश भी दिए। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने कहा कि इज़राइल की ये कार्रवाइयां क्षेत्र में शांति स्थापित करने के स्थानीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को विफल करने की कोशिश हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की है।

अभिनेता विल स्मिथ यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों में फंसे

लास एजेलिस। वर्तमान में हालीवुड के मशहूर अभिनेता विल स्मिथ यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों में फंस गए हैं।

अभिनेता पर यह केस ब्रायन किंग जोसेफ नाम के वायलिनिस्ट ने दर्ज कराया है। ब्रायन का दावा है कि 2025 के उनके म्यूजिकल टूर बेस्ड आन ए ट्रू स्टोरी' के दौरान विल ने उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। ब्रायन ने बताया कि संबंध की शुरुआत नवंबर 2024 में हुई थी, जब उन्हें विल ने सैन डिएगो के एक शो में परफार्म करने का मौका दिया। इसके बाद उन्हें 2025 के बड़े टूर के लिए साइन किया गया। शुरुआत में सब सामान्य था, लेकिन धीरे-धीरे विल का व्यवहार बदल गया। ब्रायन का कहना है कि विल ने उन्हें कहा कि उनके बीच एक खास कनेक्शन है, जो किसी और के साथ नहीं है। ब्रायन ने आगे बताया कि मार्च 2025 में लास वेगास टूर के दौरान उनका बैग और कमरे की चाबियां गायब रहीं। बाद में कमरे में बीयर की बोतलें, वाइप्स और अजनबी के नाम की एचआईवी दवाइयां पाईं गईं। एक नोट मिला, जिसमें लिखा था कि ब्रायन, मैं 5 :30 बजे तक वापस आ जाऊंगा, सिर्फ हम दोनों होंगे। ब्रायन ने कहा कि जब उन्होंने इस मामले की शिकायत होटल सिक्योरिटी से की, तो कोई ठोस जवाब नहीं मिला। एक रात जब वे सो रहे थे, तो देखा कि विल उनके कमरे में खड़े थे और जबरन यौन संबंध बनाने की कोशिश कर रहे थे।

ब्रिटेन में जंक फूड के विज्ञापन बैन, भारत में नियम हैं पर सख्ती से रोक नहीं

लंदन। ब्रिटेन में जंक फूड के विज्ञापनों पर रोक लगा दी गई है। रात 9 बजे से पहले टीवी और आनलाइन प्लेटफार्म्स पर जंक फूड के विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे। ब्रिटेन में बच्चों की सेहत से जुड़ा बड़ा बदलाव लागू हो गया है। सरकार ने रात 9 बजे से पहले यानी दिन में टीवी और आनलाइन प्लेटफार्म्स पर जंक फूड के विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह बैन उन खाद्य उत्पादों पर लागू होगा, जिनमें फैट, नमक और चीनी की मात्रा ज्यादा होती है। सरकार ने इसे बचपन के मोटापे के खिलाफ निर्णायक कदम बताया है। इससे पहले सरकार मिल्कशेक, रेडी-टू-ड्रिंक काफी और मीठे दही पेय जैसे प्री-पैकेज्ड उत्पादों पर शुगर टैक्स बढ़ा चुकी है। ब्रिटेन से पहले चिली बच्चों को लक्षित किए जाने वाले जंक फूड के विज्ञापनों पर करीब पूरी तरह बैन लगा दिया है, जिससे जंक फूड खपत में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, मैक्सिको ने चीनीयुक्त पेयों पर टैक्स और स्कूल परिसरों में जंक फूड पर रोक लगाई है। दक्षिण कोरिया और ताइवान ने बच्चों के कार्यक्रमों के दौरान ऐसे विज्ञापनों पर कड़ी शर्तें तय की हैं। कनाडा के क्यूबेक में तो 1980 के दशक से ही यह रोक लागू है।

नोबेल विजेता मचाडो ने कहा-वेनेजुएला का नेतृत्व संभालने के लिए गोंजालेज भी बेहतर विकल्प

काराकस,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

वेनेजुएला के राजनीतिक भविष्य के बारे में उठ रहे सवालों के बीच विपक्षी गठबंधन की प्रमुख नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा कि अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार और सत्ता से बाहर कर 2024 के जनादेश का सम्मान किया है। उन्होंने इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताते हुए कहा कि देश का नेतृत्व संभालने के लिए सेवानिवृत्त राजनयिक एडमंडो गोंजालेज भी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, किसी अज्ञात जगह पर रह रहीं मचाडो ने कहा कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में सरकार ने उन्हें मादुरो के खिलाफ चुनाव लड़ने से रोक दिया। तब उनकी जगह गोंजालेज ने ली। मादुरो सरकार पर वोटों की गिनती में धांधली का आरोप लगने के बाद अमेरिका और अन्य सरकारों ने गोंजालेज को विजेता के रूप में मान्यता दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष देश के लोगों की सेवा करने के लिए तैयार है। अगर राष्ट्रपति चुनाव होता है तो वह भी मैदान में होंगी। उल्लेखनीय है कि इस मादुरो की करीबी डेल्सी रोड्रिगेज वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। मचाडो ने कहा कि रोड्रिगेज पर देश भरोसा नहीं करता। यहां यह साफ करना जरूरी है कि ट्रंप को इस बात पर भरोसा नहीं कि मचाडो देश का नेतृत्व संभाल पाएंगी। ट्रंप कह चुके हैं कि वह अच्छी महिला हैं पर देश का नेतृत्व कर पाएंगी, इसमें उन्हें संदेह है। बावजूद इसके मचाडो ने ट्रंप की टिप्पणी के जवाब में कहा कि वह ड्रग्स के आरोपों में मादुरो को पकड़ने और गिरफ्तार करने के ट्रंप के फैसले के लिए उनकी आभारी हैं। मचाडो ने कहा कि कुछ सप्ताह पहले लोग कहते थे कि मादुरो को अपदस्थ करना नामुमकिन है। मगर ट्रंप ने वह कर दिखाया। यह बहुत बड़ी बात है। यह वेनेजुएला में लोकतंत्र को बहाल करने की दिशा में बड़ा कदम है। उल्लेखनीय है, मचाडो वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता हैं। हाल ही में उन्हें वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। मचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। उन्हें यह सम्मान वेनेजुएला में तानाशाही के खिलाफ संघर्ष और लोकतंत्र की बहाली के लिए उनके अथक प्रयासों के लिए दिया गया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाए जाने के बाद मचाडो ने जल्द ही वेनेजुएला लौटने की घोषणा की है। वह वर्तमान में सुरक्षा कारणों से अज्ञात स्थान पर हैं।

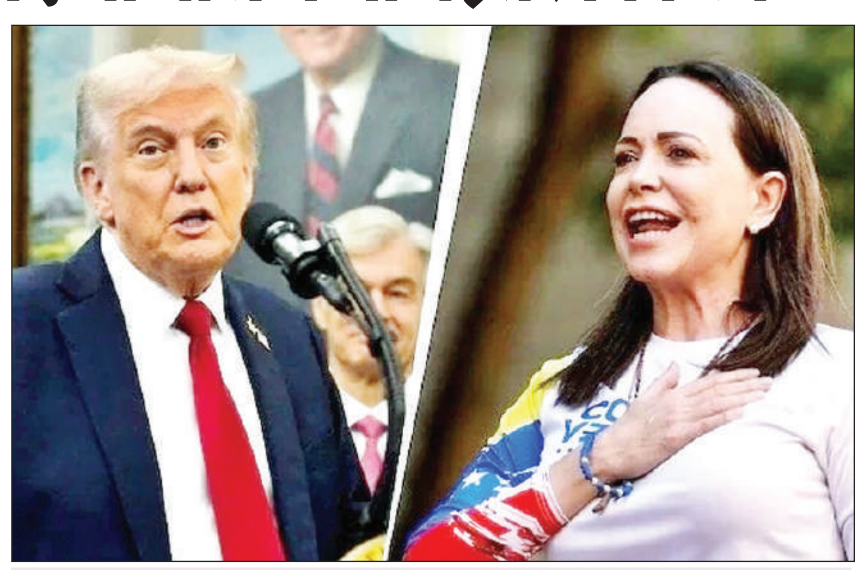

वेनेज़ुएला का भविष्य वहां की जनता तय करे, बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं : रूस

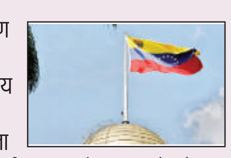

मॉस्को। रूस ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि इस दक्षिण अमेरिकी देश का भविष्य तय करने का अधिकार केवल वेनेजुएला की जनता को है और इसमें किसी भी तरह का बाहरी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। रूसी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में डेल्सी रोड्रिगेज को वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किए जाने का स्वागत किया। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह वेनेजुएला के अधिकारियों द्वारा देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रयासों का समर्थन करता है। बयान में जोर देते हुए कहा गया कि वेनेजुएला के आंतरिक राजनीतिक मामलों में बाहरी ताकतों को दखल देने से बचना चाहिए और वहां के लोग स्वयं अपने भविष्य का निर्धारण करें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब वेनेजुएला में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी विशेष बलों ने एक असाधारण कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मादुरो को न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन्होंने सोमवार को मादक पदार्थों से जुड़े आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। इस घटनाक्रम के बाद कराकस में वेनेजुएला के राजनीतिक नेतृत्व में उथल-पुथल की स्थिति बन गई है और नई व्यवस्था को लेकर प्रयास तेज हो गए हैं। रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को वेनेजुएला की संप्रभुता से जोड़ते हुए स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वहां की वैध सरकार और संस्थाओं का सम्मान करना चाहिए। मॉस्को का मानना है कि किसी भी देश की राजनीतिक दिशा तय करने का अधिकार उसकी जनता और वैध संस्थाओं के पास होना चाहिए, न कि बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप से। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार, वेनेजुएला में स्थिरता और शांति बहाल करने के लिए संवाद और संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन जरूरी है। रूस ने एक बार फिर दोहराया कि वह वेनेजुएला के साथ अपने सहयोग और समर्थन को जारी रखेगा तथा देश की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के पक्ष में खड़ा रहेगा।

ग्रीन लैंड को हासिल करना अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पहली प्राथमिकता: व्हाइट हाउस

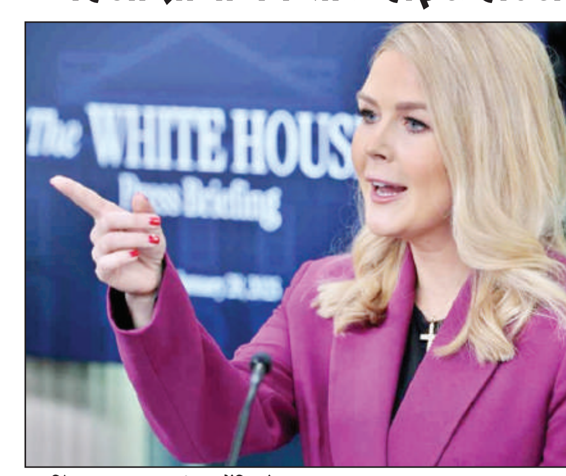

वाशिंगटन,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यह साफ कर दिया है कि ग्रीनलैंड को हासिल करना संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है। यह आर्कटिक क्षेत्र में दुश्मनों को रोकने के लिए बहुत जरूरी है। राष्ट्रपति अपनी टीम के साथ इस महत्वपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने विस्तार से भेजे गए बयान में कहा कि कमांडर इन चीफ के पास अमेरिकी सेना का इस्तेमाल करने का विकल्प हमेशा होता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए कई विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं और अमेरिकी सेना का इस्तेमाल करने का विकल्प अभी खत्म नहीं हुआ है।

लेविट का बयान विदेश मंत्री मार्को रूबियो की इस हफ्ते की गई टिप्पणी के बाद आया है। रूबियो ने सांसदों से कहा था कि ट्रंप प्रशासन ग्रीनलैंड को खरीदने पर विचार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सेना के वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद से ट्रंप प्रशासन ने विस्तारवादी नीति पर दिलचस्पी बढ़ा दी है। ट्रंप ने रविवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से ग्रीनलैंड की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य देश है। नाटो 32 देशों का सैन्य और राजनीतिक गठबंधन है। इसका प्राथमिक उद्देश्य अपने सदस्य देशों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करना है। यह सामूहिक रक्षा के सिद्धांत पर काम करता है। इसका अर्थ है कि एक सदस्य देश पर हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है (अनुच्छेद 5)। ट्रंप के इस रुख पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो इसका मतलब नाटो विखंडित हो जाएगा।

दुनिया के कई ताकतवर लोगों के फैसलों से अर्थव्यवस्था और आम लोगों पर पड़ता है असर

वाशिंगटन। अक्सर हम लोग सोचते हैं कि दुनिया के सबसे ताकतवर आदमी या इंसान वही होते हैं, जो सबसे अमीर होते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। इनमें देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मल्टीनेशनल कंपनियों के मालिक और तकनीकी कंपनियों जैसे गूगल, माइक्रोसाफ्ट और टेस्ला के मालिक शामिल हैं। इनके द्वारा लिए गए फैसलों और कामों का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर सीधे तौर पर पड़ता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दुनिया के सबसे ताकतवर और शक्तिशाली देश के प्रमुख हैं। इनके द्वारा लिए गए फैसलों और बनाए गए नियमों का असर दुनिया के हर देश और उनके नागरिकों पर पड़ता है। दुनिया भर का वैश्विक व्यापार डालर के जरिए किया जाता है। अगर ये अमेरिकी मुद्रा डालर को लेकर कोई नियम बनाते हैं, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और वैश्विक बाजार पर पड़ता है। ये दुनिया की सबसे ताकतवर सेना के सेनापति भी हैं, जिनके सैन्य अड्डे विश्व भर में फैले हुए हैं, जो इन्हें सैन्य शक्ति के मामले में और भी पावरफुल बनाते हैं। एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसानों में से एक हैं, जो टेस्ला, स्पेस एक्स और एक्स जैसी कंपनियों के मालिक हैं। इन कंपनियों का असर दुनिया भर के देशों की राजनीतिक, औद्योगिक और सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। वह अपनी कंपनियों के जरिए अंतरिक्ष यात्रा, इलेक्ट्रानिक कारों और वैश्विक मीडिया को प्रभावित करते हैं।

ईरान में अशांति का दसवां दिन, 92 शहरों में प्रदर्शन, अब तक 36 की मौत

तेहरान (ईरान) ,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

ईरान में अशांति के दसवें दिन विरोध प्रदर्शन के दौरान अब तक कम से कम 36 लोग मारे गए। महंगाई के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग देश के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। आंदोलन ने खामेनेई का तख्त-ओ-ताज हिला दिया है। अशांति की लपटों से पवित्र शहर कोम तक अछूता नहीं रहा। इलम प्रांत में प्रदर्शन के दौरान एक सरकारी सुपर मार्केट पर लोगों ने धावा बोल कर सामान जमीन पर बिखेरते हुए जीत का निशान दिखाया।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम 36 लोग मारे गए। अशांति के दसवें दिन देशभर के 92 शहरों में 285 जगहों पर व्यापारियों ने हड़ताल की। 28 दिसंबर को अशांति शुरू होने के बाद से कम से कम 34 प्रदर्शनकारी और ईरानी सुरक्षा बलों के दो जवान मारे गए हैं। मारे गए लोगों में से चार की आयु 18 साल से कम है। दर्जनों प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। अशांति की लपटों में घिरे 27 प्रांतों के नागरिक बेखौफ होकर प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। सुरक्षा बलों ने 2,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। अशांति के दसवें दिन मशहद के वाणिज्यिक केंद्रों और तेहरान के ग्रैंड बाजार के व्यापारी भी प्रदर्शन में शामिल हो गए। सुरक्षा बलों ने प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों के आसपास प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। पश्चिमी ईरान में कुर्द-बहुल इलम प्रांत मंगलवार को विरोध प्रदर्शनों का केंद्र बना रहा। मलिकशाही शहर में मारे गए प्रदर्शनकारियों के अंतिम संस्कार के दौरान सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। अब्दनान शहर में भीड़ सुप्रीम लीडर के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर उतरी। सात ईरानी कुर्द विपक्षी पार्टियों ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। उन्होंने गुरुवार को आम हड़ताल का संयुक्त आह्वान किया है। पार्टियों ने सभी राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों से इस्लामिक रिपब्लिक शासन के अपराधों के खिलाफ एकजुट और सामूहिक रुख अपनाने और इस आह्वान में शामिल होने की अपील की। निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने भी मंगलवार को एक वीडियो संदेश में विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया गया है। इस दौरान सुरक्षा बल के जवान दो अस्पतालों में घुसे। चश्मदीदों ने बताया कि इमाम खुमैनी अस्पताल के अंदर आंसू गैस के गोले दागे गए। सुरक्षा बलों ने मालेकशही से लाए गए घायल प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने की कोशिश की।

हाउस रिपब्लिकन रिट्रीट में ट्रंप का संबोधन, वेनेजुएला कार्रवाई को बताया शानदार, विपक्ष पर भी साधा निशाना

वाशिंगटन,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाउस रिपब्लिकन सांसदों के वार्षिक रिट्रीट को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियों का जमकर बखान किया और वेनेजुएला की राजधानी कराकस में हालिया सैन्य कार्रवाई को अद्भुत और रणनीतिक रूप से शानदार बताया। अपने लगभग डेढ़ घंटे लंबे भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति, घरेलू राजनीति, आगामी मध्यावधि चुनाव और स्वास्थ्य सेवा जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की।

अपने संबोधन की शुरुआत में ट्रंप ने कहा, आप राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं और हम निश्चित रूप से एक बेहद सफल राष्ट्रपति कार्यकाल चला रहे हैं। जो हम कर रहे हैं, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने हाल के दिनों की बेहद सफल घटनाओं का जिक्र करते हुए वेनेजुएला में हुई कार्रवाई की ओर इशारा किया, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी हुई।

ट्रंप ने कराकस में हुए हमलों को लेकर कहा, यह अद्भुत था, शानदार था। सोचिए, हमारी तरफ से कोई नहीं मरा, जबकि दूसरी ओर कई लोग मारे गए। उन्होंने दावा किया कि यह आपरेशन रणनीतिक रूप से बेहद उत्कृष्ट था। ट्रंप ने मादुरो को हिंसक व्यक्ति बताते हुए आरोप लगाया कि उसने लाखों लोगों की जान ली है।

इस दौरान राष्ट्रपति ने कैलिफोर्निया के सांसद डग ला-माल्फा के निधन पर शोक भी जताया और उन्हें अमेरिकी बच्चों और समाज के सच्चे रक्षक के रूप में याद किया।

अपने भाषण में ट्रंप ने एक बार फिर अमेरिकी चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाते हुए 2020 के चुनाव को धांधली वाला बताया, हालांकि ये दावे पहले भी खारिज किए जा चुके हैं। उन्होंने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि अगर वे प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल कर लेते हैं तो उन्हें महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रंप ने रिपब्लिकन सांसदों से आगामी मध्यावधि चुनाव जीतने की अपील करते हुए कहा, अगर हम मिडटर्म नहीं जीतते, तो वे कोई न कोई वजह ढूंढकर मुझ पर महाभियोग लगाने की कोशिश करेंगे। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य सेवा नीति पर पार्टी को आक्रामक रुख अपनाने की सलाह दी और कहा कि स्वास्थ्य खर्च के लिए पैसा सीधे लोगों तक पहुंचना चाहिए, न कि बीमा कंपनियों के पास।

अंत में ट्रंप ने संकेत दिया कि मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वह जल्द ही अमेरिकी तेल उद्योग के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिक तेल उत्पादन से कीमतें और नीचे आएंगी और अमेरिका को ऊर्जा के क्षेत्र में और मजबूत किया जाएगा।

बहुभाषी सोच और सांस्कृतिक शक्ति से ही बनेगा 'नया भारत': आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, 07 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रीय युवा उत्सव 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026' के लिए चयनित उत्तर प्रदेश के 79 प्रतिभागियों से राजभवन में संवाद किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के वैश्विक प्रसार और बहुभाषी दृष्टिकोण को अपनाकर 'नए भारत' के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उनकी वेशभूषा और साफा/पगड़ी को सम्मान, दायित्व और विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि जिस उद्देश्य से युवा राष्ट्रीय मंच पर जा रहे हैं, उसमें सफलता प्राप्त कर उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठा को गौरवान्वित करना उनका कर्तव्य है। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि सभी प्रतिभागी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व को दिशा देने के लिए भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक विस्तार आवश्यक है।योग परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से भारत ने दुनिया को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया है। विदेश प्रवास के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने चीन में बच्चों द्वारा योग अभ्यास और भारतीय प्रशिक्षकों की भूमिका को भारत की सांस्कृतिक स्वीकार्यता का प्रमाण बताया। भाषा की भूमिका पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि 'नया भारत और नई दुनिया' केवल एक या दो भाषाओं से नहीं चलेगी, बल्कि बहुभाषी सोच अपनानी होगी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी विश्वभर के युवा हिंदी, पाली और संस्कृत जैसी भारतीय भाषाओं में रचित ग्रंथों पर शोध के लिए भारत आ रहे हैं। राज्यपाल ने युवाओं को आपसी परिचय, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और देशभर के युवाओं से नेटवर्किंग की प्रेरणा दी। उन्होंने सकारात्मक सोच, सृजनात्मक लेखन और अनुभवों को संजोने पर बल देते हुए कहा कि उत्कृष्ट उपलब्धि के साथ लौटने वाले प्रतिभागियों को पुनः राजभवन में आमंत्रित किया जाएगा।

इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का प्रभावी मंच है। उन्होंने युवाओं से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। गौरतलब है कि स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) के अवसर पर आयोजित 29वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026' का आयोजन 08 से 12 जनवरी, 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जा रहा है। कार्यक्रम चार प्रमुख ट्रैक्स-कल्चरल एंड इनोवेशन, विकसित भारत चैलेंज, डिजाइन फॉर भारत और हैक फॉर सोशल कॉज के माध्यम से 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को राष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान और नवाचार के अवसर प्रदान करेगा।

एनसीआर में फिर बिगड़ी हवा : दोबारा रेड जोन में पहुंचा एक्यूआई, घना कोहरा और ठंड बढ़ने के आसार

नोएडा,07 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एक दिन के लिए ऑरेंज जोन में आने के बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स दोबारा रेड जोन में दर्ज किया गया है। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों से मिले आंकड़े बताते हैं कि करीब 90 प्रतिशत इलाके खराब से बेहद खराब श्रेणी में हैं। दिल्ली की बात करें तो कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। ओखला फेज-2 में एक्यूआई 342, पटपड़गंज में 332, पंजाबी बाग में 324, पूसा में 345, आरके पुरम में 337, रोहिणी में 319, सिरिफोर्ट में 342, सोनिया विहार में 320 और श्री अरबिंदो मार्ग पर 308 एक्यूआई दर्ज किया गया। हालांकि, शादिपुर में एक्यूआई 165 रहा, जो येलो जोन में है, लेकिन यह राहत सीमित इलाकों तक ही सिमटी नजर आई। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 309, सेक्टर-62 पर 269, सेक्टर-1 में 312 और सेक्टर-116 में 324 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।गाजियाबाद के इलाकों में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा गंभीर दिखा। लोनी में एक्यूआई 385, वसुंधरा में 344, संजय नगर में 286 और इंदिरापुरम में 244 एक्यूआई दर्ज किया गया, जो यह दर्शाता है कि औद्योगिक और रिहायशी दोनों क्षेत्रों में हवा सांस लेने लायक नहीं है।मौसम विभाग के अनुसार, हाल के दिनों में चली तेज हवाओं के कारण स्मॉग और प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर कुछ हद तक लगाम जरूर लगी है, लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिली है। 7 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह और दोपहर के समय घना कोहरा छाया रहा, जबकि दिनभर 'कोल्ड डे' की स्थिति बनी रही।

8 जनवरी को भी घने कोहरे का पूर्वानुमान है और 9 जनवरी तक मध्यम कोहरा बने रहने की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे ठंड बढ़ेगी और कोहरे की समस्या बनी रहेगी। विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और मास्क का उपयोग करने की सलाह दी है।

सीबीआई ने इंटरपोल के ज़रिए यूएसए से वांटेड भगोड़े अमन की वापसी में तालमेल बिठाया

चंडीगढ़,07 जनवरी (एजेंसियां)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर आज, यानी 7 जनवरी को वांटेड भगोड़े अमन अमन कुमार अमन भैंसवाल को यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका (यूएसए) से भारत वापस लाने में सफलतापूर्वक तालमेल बिठाया है। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि अमन अमन कुमार अमन भैंसवाल हरियाणा पुलिस को हत्या, दंगा और आपराधिक साज़िश से जुड़े गंभीर आपराधिक मामलों में वांटेड था। यह व्यक्ति एक कुख्यात अपराधी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग नाम के एक संगठित आपराधिक गिरोह का मुख्य सदस्य है। इस व्यक्ति को पहले भारत में गिरफ्तार किया गया था और बाद में उसे ज़मानत मिल गई थी। हालांकि, इस व्यक्ति ने मुकदमे का सामना नहीं किया और बाद में फरार हो गया। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर,

सीबीआई ने इंटरपोल के ज़रिए इस व्यक्ति के खिलाफ रेड नोटिस जारी करवाया। बाद में, इस व्यक्ति का पता लगाया गया और यूएसए में उसकी लोकेशन का पता चला। अमन अमन कुमार अमन भैंसवाल को यूएसए से सफलतापूर्वक डिपोर्ट किया गया और वह 7 जनवरी 2026 को भारत पहुंचा। उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर हरियाणा पुलिस की एक टीम ने हिरासत में ले लिया।इंटरपोल द्वारा जारी किए गए रेड नोटिस दुनिया भर की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को वांटेड भगोड़ों का पता लगाने के लिए भेजे जाते हैं।

सीएम योगी का बड़ा फैसला, असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा निरस्त

लखनऊ,07 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में होने वाली सभी भर्तियों और चयन प्रक्रियाओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक अहम निर्णय लेते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को निरस्त करने के आदेश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा विज्ञापन संख्या 51 के अंतर्गत सहायक आचार्य पद के लिए अप्रैल 2025 में आयोजित परीक्षा में अनियमितताओं, धांधली और अवैध धन वसूली की शिकायतें सामने आई थीं।

इन शिकायतों के आधार पर एसटीएफ यूपी को सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री द्वारा गोपनीय जांच के आदेश दिए गए। जांच के दौरान एसटीएफ ने 20 अप्रैल 2025 को

असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा के फर्जी प्रश्नपत्र बनाकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों-महबूब अली, बैजनाथ पाल और विनय पाल को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ थाना विभूतिखंड, लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

पूछताछ में मुख्य आरोपी महबूब अली ने स्वीकार किया कि उसने मॉडरेशन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न विषयों के प्रश्नपत्र निकालकर कई अभ्यर्थियों को धन लेकर उपलब्ध कराए थे। एसटीएफ की गहन विवेचना और डेटा विश्लेषण से उसकी स्वीकारोक्ति की पुष्टि हुई।

जांच के दौरान अन्य संदिग्ध अभ्यर्थियों और व्यक्तियों के नाम भी सामने आए। आयोग से प्राप्त डाटा के मिलान में यह स्पष्ट हुआ कि परीक्षा की शुचिता भंग हुई है।

इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को निरस्त करने के आदेश दिए हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा का आयोजन शीघ्र, पूर्णतः निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से दोबारा सुनिश्चित किया जाए, ताकि अभ्यर्थियों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

कृषि अपशिष्ट को बनाया जा सकता है देश का उपयोगी संसाधन : नितिन गडकरी

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि खेतों में बचने वाले कृषि अपशिष्ट को देश का एक उपयोगी राष्ट्रीय संसाधन बनाया जा सकता है। उन्होंने यह बात बुधवार को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के 'टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेरेमनी' में कही। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बायो-बिटुमेन बनाना 'विकसित भारत 2047' के सपने को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। खेती से निकलने वाले कचरे का उपयोग करने से खेतों में पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण कम होगा और पुनः उपयोग वाली अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यदि सड़कों में 15 प्रतिशत बायो-बिटुमेन मिलाया जाए, तो भारत को करीब 4,500 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है। इससे देश की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता भी कम होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज भारत ने सड़क निर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। देश दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने बायो-बिटुमेन

का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों को बधाई दी और सहयोग के लिए राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह का धन्यवाद किया।

गडकरी ने कहा कि यह नई तकनीक किसानों को सशक्त बनाएगी, गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी।

उन्होंने बताया कि चावल की पराली से बने जैव बिटुमेन का सफल परीक्षण किया गया है, जो पेट्रोल से बने बिटुमेन से बेहतर साबित हुआ है। इससे पराली जलाने की समस्या भी कम होगी।अब समय आ गया है कि कृषि अपशिष्ट, फसल अवशेष, बांस और जैव पदार्थों को हरित ईंधन और उपयोगी उत्पादों में बदला जाए।

पिछले साल एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि भारत को हर साल 22 लाख करोड़ रुपए का जीवाश्म ईंधन आयात करना पड़ता है। पराली जलाने और वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण बढ़ा रहा है, इसलिए भारत को ऊर्जा आयातक से ऊर्जा निर्यातक देश बनना चाहिए।

इंडियन बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) द्वारा हाल ही में जारी एक बयान के अनुसार, किसानों द्वारा हर साल 73 लाख टन धान की पराली जलाई जाती है। अगर इसे संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) और बायोएथेनॉल में बदला जाए, तो देश को 1,600 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है और प्रदूषण भी कम होगा।

बयान में आगे कहा गया है कि इस नीति से देश में करीब 37,500 करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद है और 2028-29 तक 750 सीबीजी परियोजनाएं शुरू हो सकती हैं।

आतिशी के बयान पर विवाद: भाजपा विधायकों ने स्पीकर को पत्र लिखकर सख्त कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के कथित अमर्यादित बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ा विरोध जताया है। भाजपा विधायक प्रवेश साहिब सिंह, कपिल मिश्रा, आशीष सूद, पंकज सिंह और मनजिंदर सिंह सिरसा ने विधानसभा अध्यक्ष को एक पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने आतिशी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। यह विवाद 6 जनवरी को सदन में गुरु तेग बहादुर की शहादत पर विशेष चर्चा के दौरान शुरू हुआ। चर्चा चल रही थी, तभी आतिशी ने अपनी सीट से खड़े होकर कुछ टिप्पणी की। भाजपा विधायकों का आरोप है कि उनका बयान गुरु तेग बहादुर के सम्मान के बारे में बेहद अभद्र और शर्मनाक था। पत्र में लिखा गया है कि देश की आजादी के बाद किसी भी सदन में किसी गुरु के बारे में इतनी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कभी नहीं हुआ। विधायकों ने बयान की टाइप की गई प्रति भी संलग्न की है।

भाजपा विधायकों ने पत्र में तीन मुख्य मांगें रखी हैं। पहली- आतिशी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज हो, दूसरी- उनकी विधानसभा सदस्यता तुरंत रद्द हो, तीसरी- स्पीकर से सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए उपलब्ध शक्तियों का इस्तेमाल करके आतिशी को जेल की सजा दिलाने की मांग की। उनका कहना है कि गुरु तेग बहादुर का अपमान करने वाले की जगह सदन में नहीं, बल्कि जेल में है।

सत्य की जीत हुई है, हाईकोर्ट के आदेश के बाद बोले भाजपा नेता दुष्यंत गौतम

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिलने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद दुष्यंत गौतम ने कहा कि यह 'सत्य की जीत' है और उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत करते हुए दुष्यंत गौतम ने कहा कि वे हमेशा संविधान और कानून के दायरे में चलते आए हैं। सत्यमेव जयते। अंत में सच की ही जीत होती है। न्यायपालिका पर हमें पूरा विश्वास है और आज अदालत के आदेश ने यह साबित कर दिया है कि झूठ कितनी देर तक टिक सकता है। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। दुष्यंत गौतम ने कहा कि एक बेटी की निर्मम हत्या को कांग्रेस लगातार राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। हर छह महीने बाद एक नया 'फिल इन द ब्लैंक' तैयार किया जाता है। कभी मेरा नाम जोड़ दिया जाता है, कभी किसी और का। इससे न तो सच्चाई सामने आती है और न ही पीड़ित बेटी को न्याय मिलता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) इस मुद्दे पर एक-दूसरे से जुड़कर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरी मानहानि की गई, मेरी छवि को नुकसान पहुंचाया गया और उस बेटी का बार-बार अपमान किया गया। सोशल मीडिया पर जो भी वीडियो और पोस्ट डाली गईं, उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए।

दुष्यंत गौतम ने स्पष्ट किया कि घटना के समय वे उत्तराखंड गए ही नहीं थे। मेरी लोकेशन, कार्यक्रम और रिकॉर्ड साफ बताते हैं कि यह सब एक झूठा और द्वेषपूर्ण प्रचार था। इसके बावजूद लंबे समय तक मैंने चुप रहना ही उचित समझा, क्योंकि मैं सत्य पर था। उन्होंने कहा कि लगातार आरोपों और सोशल मीडिया ट्रायल के कारण उन्हें मानसिक पीड़ा हुई। यह सच है कि मेरी छवि को नुकसान पहुंचा। मैं विचलित भी हुआ, दुखी भी। लेकिन जब पानी सिर के ऊपर चला गया और पूरे देश में यह झूठ फैलाया जाने लगा, तब मुझे मानहानि का मुकदमा दर्ज कराना पड़ा।

विवादित पोस्ट मामला : नेहा सिंह राठौर को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को पहलगाम आतंकी

हमले पर कथित विवादित सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने नेहा की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह मामला अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से जुड़ा है, जिसमें कई पर्यटकों की मौत हो गई थी। हमले के बाद नेहा सिंह राठौर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे, जिनमें सरकार और प्रधानमंत्री की आलोचना की गई थी। पोस्ट को आपत्तिजनक बताते हुए लखनऊ के हजरतगंज थाने में शिकायतकर्ता अभय प्रताप सिंह की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई।

आरोप है कि इन पोस्ट से देश में नफरत फैलाने और राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। इस मामले में नेहा सिंह राठौर ने पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल की थी, लेकिन दिसंबर 2025 में हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता अभय प्रताप सिंह को नोटिस जारी किया है।

जवाहरलाल नेहरू को मस्जिदों की मरम्मत से परहेज नहीं था लेकिन सोमनाथ मंदिर का किया विरोध : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। सोमनाथ मंदिर पर पहले हमले के 1,000 साल पूरे होने और मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर पंडित नेहरू के विरोध जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बुधवार को भाजपा कार्यालय में सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुखद बात है कि अप्रैल 1951 में जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और कहा कि जो कुछ सोमनाथ मंदिर के लिए हो रहा है, वह बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा, उस समय जो मानसिकता थी, वही मानसिकता आज भी दिख रही है। मुस्लिम लीग की सोच, अव्यवस्था और भ्रम के साथ जुड़ाव था। माओ और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ तालमेल था, साथ ही सनातन हिंदू धर्म पर गंभीर हमले हो रहे थे। जो तब हो रहा था, वही अब हो रहा है। इसलिए, इसकी प्रासंगिकता और इस मानसिकता का स्वरूप बहुत

गंभीर है। उन्होंने कहा, आप सबने देखा होगा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण मामला है कि अप्रैल 1951 में जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री को एक चिट्ठी लिखी थी।

खास बात यह है कि यह लियाकत अली खान थे, जो अंतरिम सरकार में पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री बने थे। 2 सितंबर 1946 को जब नेहरू प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने अंतरिम सरकार में वित्त मंत्री के तौर पर बजट भी पेश किया था। इसका जिक्र प्रणब मुखर्जी ने भी 2009-10 के अपने बजट भाषण में किया था।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, हम सब जानते हैं कि भारत की आजादी के इस अमृत काल में, देश 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए बहुत सावधानी और तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि, यह सवाल भी उतना ही जरूरी है कि देश किन विचारों, किस रूप में और किस विजन के साथ आगे बढ़ रहा है। दूसरे शब्दों में, उस भारत की पहचान और चरित्र क्या होगा? यह और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि श्री सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की हजारवीं सालगिरह का जश्न एक साल तक मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नेहरू सरकार के कैबिनेट मंत्रियों में से एक, वी. एन. गाडगिल ने अपनी किताब में लिखा कि एक कांग्रेस मंत्री ने कहा था कि नेहरू हमेशा पाकिस्तान में अपनी इमेज को लेकर चिंतित रहते थे। उन्होंने लिखा कि सोमनाथ मंदिर से भारतीय खुश थे। नेहरू के आदेश पर, उन्होंने सरकारी खर्च पर कई मस्जिदों और दरगाहों का रेनोवेशन और मरम्मत करवाई थी। इससे पता चलता है कि नेहरू को मस्जिदों की मरम्मत करवाने में कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन वे सोमनाथ मंदिर जाने से भी बचते थे। यह सिर्फ मैकाले की गुलामी वाली सोच को दिखाता है।

भाजपा सांसद ने कहा कि जो मानसिकता उस समय थी, वही मानसिकता आज भी दिखाई दे रही है। मुस्लिम लीगी मानसिकता से प्यार और माओवादी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से करार, और सनातन हिंदू धर्म पर भीषण प्रहार दिख रहा है। जो तब था, वही अब है। जो तब हो रहा था, वही आज हो रहा है। इसलिए आज इसकी प्रासंगिकता और मानसिकता दोनों ही अत्यंत गंभीर हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फिल्म राहु केतु ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल

राहु केतु का ट्रेलर रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म के मज़ेदार कॉन्सेप्ट, कॉमिक एनर्जी और खासतौर पर पुलकित सम्राट की परफॉर्मेंस को लेकर नेटिज़न्स खुलकर तारीफ कर रहे हैं। ट्विटर (एक्स) से लेकर फैन फोरम्स तक, दर्शक ट्रेलर को एक फ्रेश और फील-गुड एंटरटेनर बता रहे हैं, वहीं पुलकित की नेचुरल चार्म और शानदार कॉमिक टाइमिंग की भी खूब सराहना हो रही है। ट्रेलर सामने आते ही फैंस ने सोशल प्लेटफॉर्म्स पर पॉज़िटिव रिएक्शन्स की बाढ़ ला दी है। कई यूज़र्स ने पुलकित सम्राट की उस एनर्जी की तारीफ की जो जानी-पहचानी होने के बावजूद फ्रेश लगती है। साथ ही वरुण शर्मा के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दर्शकों ने खास तौर पर सराहा। फन, एंटरटेनिंग और परफेक्ट लाफ राइड जैसे शब्द टाइमलाइन्स पर छाए हुए हैं। वहीं, लाइट-हार्टेड और कॉस्मिक कॉमेडी सेटअप में इस जोड़ी को फिर से साथ देखने को लेकर फैंस बेहद उत्साहित नज़र आ रहे हैं। एक फैन जहां पुलकित की कॉमेडी को ईमानदार, एफर्टलेस और नेच्युरल कह रहे हैं, वहीं दूसरे फैन का कहना है कि राहु केतु काफी कलरफुल और मज़ेदार लग रही है, इस फिल्म में पुलकित एकदम कातिलाना लग रहे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा है, आधा मनोरंजन तो पुलकित और वरुण को साथ में देखकर ही मिल जाता है। हम तो उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं। एक और यूज़र ने लिखा है, ये मूवी फ्रेंड्स के साथ देखनेवाली लग रही है। स्पेशली पुलकित सम्राट जब कॉमेडी करते हैं, तो नेचुरली हंसी आ जाती है।

एक अन्य फैन ने ट्रेलर के वाइब्स को बयां करते हुए लिखा है, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, दो भाई दोनों तबाही। वहीं, एक और ट्वीट में लिखा गया है ये ट्रेलर देखके मूड फ्रेश हो गया। पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा ने कमाल कर दिया। सोशल मीडिया पर मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया और बढ़ते एक्साइटमेंट के साथ, 'राहु केतु' ने ऑनलाइन दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है।

खासतौर पर पुलकित सम्राट की परफॉर्मेंस फिल्म का बड़ा हाइलाइट बनकर उभरी है, जो दर्शकों के साथ उनकी मज़बूत कनेक्ट को फिर से साबित करती है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज़ नज़दीक आ रही है, डिजिटल बज़ यह संकेत दे रहा है कि 'राहु केतु' एक क्राउड-प्लीज़िंग एंटरटेनर साबित होने वाली है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

पति विक्की की फिल्म उरी के किरदार से प्रेरणा लेकर कैटरीना ने रखा अपने बेटे का नाम

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की जिंदगी का 7 नवंबर 2025 सबसे खुशनुमा दिन था। इस दिन कैटरीना मां बनी थीं। अब कपल ने अपने बेटे का नाम सोशल मीडिया पर रिवील कर दिया है। कैटरीना ने बेटे का नाम भी विक्की के करियर का टर्निंग पॉइंट रही फिल्म से प्रेरणा लेकर रखा है। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी फोटो शेयर की है, जिसमें कैटरीना और विक्की के साथ उनके बेटे के नन्हें हाथ भी देखने को मिल रहे हैं। फोटो पोस्ट कर कपल ने लिखा, हमारी जीवन के प्रकाश की पहली किरण, विहान कौशल। प्रार्थनाएं सुनी जाती हैं, जीवन सुंदर है, हमारी दुनिया पल भर में बदल जाती है।यूजर्स भी विहान का नाम जानकर ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं और नन्हें विहान को शुभकामनाएं दे रहे हैं।

क्या आप जानते हैं कि इस नाम का कनेक्शन विक्की कौशल के करियर की सबसे हिट फिल्म रही 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' से है?

फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' में विक्की कौशल ने मेजर विहान सिंह शेरगिल का रोल प्ले किया था। इस फिल्म से विक्की कौशल को हिंदी सिनेमा में पहचान मिली थी। इससे पहले वे फिल्मों में छोटे और साइड रोल करते थे। फिल्म 'मसान', 'संजू' और 'राजी' में भी उनके किरदार को सराहा गया था, लेकिन फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' में वे लीड रोल में दिखे और उनकी दमदार एक्टिंग फैंस के दिलों पर छा गई।

फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' विक्की के लिए लकी रही और शायद यही कारण है कि कैटरीना और विक्की ने विहान नाम का चुनाव किया है।

बता दें कि कुछ साल डेटिंग के बाद कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सवाई माधोपुर में पंजाबी रीति-रिवाज से शादी की थी। शादी के चार साल बाद कपल के घर खुशियों ने दस्तक दी। परिवार और बच्चे पर ध्यान देने के लिए अभिनेत्री काफी समय से पर्दे से दूर हैं।

बदलती सोच और डेटिंग स्टाइल ने स्प्लिट्सविला शो को बनाया दर्शकों का फेवरेट: सनी लियोनी

डेटिंग और रियलिटी शो की दुनिया में 'एमटीवी स्प्लिट्सविला' हमेशा से खास जगह रखता आया है। पिछले कई सालों में यह शो दर्शकों के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है और अब 16वें सीजन के साथ यह एक बार फिर नए ट्विस्ट और रोमांच के साथ लौट रहा है। इस बार का सीजन 'स्प्लिट्सविला एक्स6: प्यार या पैसा' नाम से दर्शकों के सामने आएगा, जिसमें प्यार और पैसों के बीच प्रतियोगियों की जंग दिखाई जाएगी। इस सीजन को सनी लियोनी होस्ट कर रही हैं। सनी ने कहा, ''स्प्लिट्सविला मेरे लिए हमेशा खास रहा है क्योंकि यह हर पीढ़ी के बदलते प्यार और रिश्तों की कहानी को दर्शाता है। समय के साथ न सिर्फ प्रतियोगियों की सोच बदली है, बल्कि डेटिंग का तरीका और प्यार की समझ भी बदल गई है।

इस सीजन में भावनाओं और रिश्तों की परीक्षा पहले से कहीं ज्यादा होगी। प्रतियोगियों को अपने रिश्तों और दोस्ती की ताकत दिखानी होगी, जबकि ट्विस्ट और खेल की रणनीतियां उनके रास्ते में बाधा डालेंगी।'' इस बार शो में करण कुंद्रा को को-होस्ट के रूप में शामिल किया गया है। करण पिछले छह सालों में एमटीवी से दूर थे। अपनी वापसी को लेकर करण कुंद्रा ने कहा, ''शो के साथ जुड़कर मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं घर लौट आया हूं। सनी लियोनी के साथ शो होस्ट करना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है, क्योंकि उन्हें शो की अच्छी समझ है। मुझे यह देखने में भी बेहद मजा आएगा कि प्रतियोगी पैसा और प्यार दोनों में क्या चुनेंगे।''

इस सीजन में निया शर्मा और उर्फी जावेद को भी शामिल किया गया है। इनका काम प्रतियोगियों को चुनौती देना और खेल में बाधाएं डालना होगा। वे हर कदम पर प्रतियोगियों को उलझाएंगी और उन्हें अपने निर्णयों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर करेंगी। इस बार शो में कुल 32 लड़के और लड़कियां हिस्सा लेंगे, जो अपनी रणनीति और समझदारी के बल पर जीतने की कोशिश करेंगे।

सनी और करण दोनों ने बताया कि इस बार शो को हफ्ते में तीन बार प्रसारित किया जाएगा, जिससे दर्शकों को ज्यादा रोमांच, ड्रामा और मनोरंजन मिलेगा। हर एपिसोड में नए ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।

स्प्लिट्सविला शो 9 जनवरी से शुरू होगा। ये एमटीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर शाम 7 बजे उपलब्ध होगा।

अभिनेता यश ने जेब में 300 रुपए लेकर छोड़ा घर सपनों के पीछे भागते हुए बन गए सुपरस्टार

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का नाम आते ही कई सितारों के चेहरे याद आने लगते हैं। इन्हीं सितारों में से एक हैं अभिनेता यश। वह अपनी मेहनत और जज्बे के चलते लाखों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उनकी कहानी आसान नहीं रही। बचपन से ही उन्हें फिल्मों और अभिनय से गहरा लगाव था, और इस जुनून के चलते वह ऐसा कदम उठाने के लिए भी तैयार हो गए, जो बिल्कुल भी आसान नहीं था। वह अपने सपनों के लिए घर से भाग गए थे। यश का जन्म 8 जनवरी 1986 को कर्नाटक के हासन जिले के छोटे से गांव भुवनहल्ली में हुआ। उनका असली नाम नवीन कुमार गौड़ा है। उनके पिता बीएमटीसी में बस चालक थे और माता गृहिणी थीं। घर का माहौल बहुत साधारण था, और यश के माता-पिता चाहते थे कि उनका बेटा पढ़-लिखकर सरकारी नौकरी करे। लेकिन यश का दिल बचपन से ही अभिनय में लगता था। वह स्कूल के नाटकों और डांस प्रतियोगिताओं में भाग लेते और जब ऑडियंस तालियां बजाती, तो उन्हें लगता जैसे वह हीरो बन गए हों। यश की कहानी में सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया, जब उन्होंने अपने परिवार को छोड़कर सिर्फ 300 रुपए लेकर बेंगलुरु जाने का फैसला किया। वह जानते थे कि अगर लौट आए, तो घर वाले उन्हें फिल्मों में आने से रोक देंगे। बेंगलुरु पहुंचकर यश ने थिएटर के बैकस्टेज काम से अपने करियर की शुरुआत की। उन्हें शुरू में मेन रोल नहीं मिले, लेकिन उन्होंने रिप्लेसमेंट रोल्स और छोटे काम भी पूरी मेहनत से किए। यही छोटी-छोटी मेहनत उनके बड़े सपनों की नींव बनी।

यश ने 2008 में अपनी पहली फिल्म 'मोगिना मनासु' से कन्नड़ सिनेमा में कदम रखा। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जैसे 'राजधानी', 'गजकेसरी', और 'मास्टरपीस'। धीरे-धीरे वह लोकप्रिय होते गए, लेकिन उनकी किस्मत की असली चमक तब शुरू हुई जब 2018 में 'केजीएफ चैप्टर 1' रिलीज हुई। इस फिल्म में उन्होंने रॉकी का किरदार निभाया, जो दर्शकों के दिलों में बस गया। इस फिल्म ने उनके करियर की दिशा बदल दी। यश का निजी जीवन भी उनके फैंस के लिए खास है। लंबे समय तक अपनी को-स्टार राधिका पंडित को डेट करने के बाद उन्होंने 2016 में शादी कर ली। इस जोड़ी ने समाज सेवा के लिए यशो मार्ग फाउंडेशन भी शुरू किया, जो कर्नाटक के ग्रामीण इलाकों में पानी और शिक्षा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए, जिनके नाम आयरा और यथर्व हैं।

केजीएफ के बाद यश ने अपनी लोकप्रियता और मेहनत दोनों को नए मुकाम पर पहुंचाया। 'केजीएफ चैप्टर 2' ने न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि 1,100 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर कन्नड़ सिनेमा के इतिहास में भी नया रिकॉर्ड बनाया।

रुक्मिणी वसंत का भव्य अनावरण यश की फिल्म टॉक्सिक

ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में 'मेलिसा' के रूप में

यश की टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स हर नए खुलासे के साथ और भी गहरी, डार्क और बेबाक होती जा रही है। यह फिल्म अब एक ऐसी सिनेमाई दुनिया गढ़ रही है, जो हर मोड़ पर चौंकाती है। इसी रोमांचक सफर में मेकर्स ने एक बड़ा पत्ता खोला है-रुक्मिणी वसंत की एंट्री, जो 'मेलिसा' के किरदार में नजर आएंगी। शालीन, प्रभावशाली और बिल्कुल न झुकने वाली मेलिसा के रूप में रुक्मिणी की मौजूदगी फिल्म के इंटेंस ड्रामा को एक नया आयाम देती है। यह फिल्म रुक्मिणी वसंत और यश के बीच पहली दमदार साझेदारी को भी चिन्हित करती है, वो भी निर्देशक गीतू मोहनदास की खास सिनेमाई दृष्टि के साथ। अपनी समझदार परफॉर्मेंस और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी की एंट्री इस बात का संकेत है कि दर्शकों को एक ऐसी अदाकारी देखने को मिलेगी, जो गीतू की परतदार और माहौल रचने वाली कहानी कहने की शैली में पूरी तरह घुली-मिली होगी। वहीं यश का सपना भी साफ झलकता है-एक ऐसी भारतीय फिल्म बनाना, जो स्केल में ग्लोबल हो और भावनाओं में हर किसी से जुड़ जाए। नादिया के रूप में कियारा आडवाणी, एलिज़ाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी, गंगा के रूप में नयनतारा और रेबेका के रूप में तारा सुतारिया के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, अब टॉक्सिक की रहस्यमयी दुनिया में मेलिसा की एंट्री होती है। 1960 के दशक के आखिरी दौर की एक रंगीन लेकिन धुंधली पार्टी की पृष्ठभूमि में मेलिसा खुद को पूरे आत्मविश्वास के साथ पेश करती हैं। चारों ओर जश्न, शोर और हलचल है, लेकिन उनकी नजरें एकदम सटीक और दृढ़ हैं। जहां बाकी दुनिया बहती हुई सी लगती है, वहीं मेलिसा हर कदम सोच-समझकर रखती हैं, ऐसे अंदाज़ में कि पूरी महफिल पर उनका ही असर छा जाता है।

हर नए खुलासे के साथ फिल्म और भी धारदार होती जा रही है। इसका भावनात्मक दायरा फैल रहा है, सिनेमाई पैमाना और बड़ा हो रहा है और टॉक्सिक खुद को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में मजबूती से स्थापित कर रही है।निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, रुक्मिणी में मुझे सबसे ज्यादा जो चीज़ पसंद है, वो है एक कलाकार के तौर पर उनकी बुद्धिमत्ता। वो सिर्फ अभिनय नहीं करतीं, वो किरदार को समझती हैं, उसे प्रोसेस करती हैं। उनके सवाल शक से नहीं, जिज्ञासा से आते हैं और यही बात मुझे भी एक निर्देशक के तौर पर और गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। कई बार तो अपने ही फैसलों पर दोबारा विचार करने लगती हूं। उन्हें काम करते देख मुझे एहसास होता है कि स्क्रीन पर इंटेलिजेंस अक्सर वहां होती है, जो कहा नहीं जाता। शूट के बीच-बीच में मैं उन्हें चुपचाप अपनी डायरी में कुछ लिखते देखती हूं-सेट से जुड़े छोटे किस्से, अपने विचार। ये छोटे पल उनके प्रोसेस के बारे में बहुत कुछ कह जाते हैं। वो लगातार अपनी एक अंदरूनी दुनिया बना रही होती हैं। उनका यह अप्रोच मुझे बेहद सोच-समझ से भरा लगता है और सच कहूं तो कई बार मन करता है कि उनकी डायरी के पन्ने चुपके से पढ़ लूं, ताकि उस दिमाग को समझ सकूं, जो इतनी परतदार परफॉर्मेंस के पीछे है। यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ फिल्माया गया है। इसके साथ ही हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब वर्ज़न की योजना है, जो इसके ग्लोबल विज़न को साफ दर्शाता है। फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही दमदार है-नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, संगीत में रवि बसरूर का जादू होगा, एडिटिंग की कमान उज्ज्वल कुलकर्णी के हाथ में है और प्रोडक्शन डिजाइन टीपी आबिद ने किया है। हाई-ऑक्टेन एक्शन को हॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी, जिन्हें जॉन विक के लिए जाना जाता है, के साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता जोड़ी अंबरिव और केचा खाम्फाकडी ने कोरियोग्राफ किया है।वेनकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक की भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ 19 मार्च 2026 को तय है।

माघ महीने में तुलसी से जुड़े उपाय करने से मिलते है विशेष फल

माघ महीने का आरंभ हो चुका है। हिंदू धर्म में माघ महीने का विशेष महत्व बताया गया है। इस महीने में भगवान विष्णु की विशेष पूजा अर्चना करने से घर परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है। साथ ही इस महीने में तुलसी पूजन का भी विशेष महत्व बताया गया है। लेकिन, इस दौरान तुलसी पूजा में कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए। वरना इसका नकारात्मक प्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। व्यक्ति को आर्थिक तंगी का सामना भी करना पड़ सकता है। हालांकि, इस महीने में तुलसी से जुड़े विशेष उपाय करने से आप विशेष फल प्राप्त कर सकते हैं।

माघ महीने में तुलसी से जुड़ी ये 3 गलतियां न करें

* माघ के महीने में भूलकर भी तुलसी में दूध मिला जल जल अर्पित न करें। शास्त्रों के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

* माघ के महीने में तुलसी के पौधे पर कुछ लोग जल में काले तिल या सफेद तिल डालकर अर्पित करते हैं। ऐसा भूलकर भी नहीं करना चाहिए क्योंकि, काले तिल शनिदेव को प्रिय है। अगर आप तुलसी पर इनकों अर्पित करते हैं तो माता लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती है। इसलिए ऐसा करने से बचें।

* तुलसी की पूजा के बाद कई लोग फूल अर्पित करते हैं तो बात का ख्याल रखें की आप तुलसी में जो भी फूल अर्पित करें वह ताजे हों। सुखे और कटे फटे फूल तुलसी को अर्पित न करें।

माघ महीने में करें तुलसी से जुड़े ये खास उपाय

* भगवान विष्णु की विशेष कृपा पाने के लिए तुलसी का विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में माघ महीने में तुलसी के पत्ते लेकर उनका माला बनाकर भगवान विष्णु या शालिग्राम भगवान को अर्पित करें। ऐसा करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

* माघ महीने के दौरान सुबह शाम दोनों समय नियमपूर्वक तुलसी दीपक जलाएं और सुबह के समय तुलसी में जल अर्पित करते हुए ओम नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जप करें।

* माघ महीने में तुलसी में हल्दी मिलाकर जल अर्पित करें। ऐसे करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।

* माघ महीने में तुलसी में पीले रंग का धागा 108 बार लपेट कर जरुर बांधे। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन धान्य की कोई कमी नहीं रहती हैं।

शुक्र गोचर मकर राशि में, निम्न राशियों को उपायों से मिलेगा फायदा

शुक्र गोचर मकर राशि में होने जा रहा है। धन, वैभव और प्रेम के कारक ग्रह शुक्र 13 जनवरी को मकर राशि राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र वर्तमान में गुरु की राशि धनु में हैं और वहां से निकलकर शनि की राशि मकर में गोचर करेंगे। ज्योतिष गणना के अनुसार, मकर संक्रांति से पहले शुक्र का यह गोचर कर्क तुला सहित 4 राशियों पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा और यह समय उनके लिए चुनौती पूर्ण रहेगा। ऐसे में इन राशियों के करियर में रुकावट, घरेलू समस्याएं और कर्ज से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र का गोचर सातवें भाव में होगा। इसके कारण पारिवारिक और निजी जीवन में कुछ परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। घर-परिवार में छोटी-छोटी बातों पर तनाव पैदा हो सकता है। करियर पर भी इस गोचर का असर देखने को मिलेगा। काम में रुकावटें आ सकती हैं। वहीं, प्रमोशन या वेतन वृद्धि भी रुक सकती है। आमदनी में लगातार उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आर्थिक मामलों में छोटी सी भी लापरवाही बड़े धन हानि का कारण बन सकती है।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए यह गोचर चौथे भाव में हो रहा है। इसके कारण सुख सुविधाओं में कमी होगी और परिवार में मतभेद पैदा हो सकता है। करियर के मोर्चे पर भी आपको परेशान ही रहना पड़ेगा। वरिष्ठ अधिकारियों से मतभेद हो सकता है। इस दौरान पुराने कर्ज को लेकर भी आप परेशान रहेंगे। साझेदारी से जुड़े कार्यों में तालमेल बिगड़ सकता है। आर्थिक स्थिति पर इसका गहरा असर पड़ेगा।

वृश्चिक राशि –शुक्र का गोचर वृश्चिक राशि के जातकों के तीसरे भाव को प्रभावित करेगा। इसके प्रभाव से खर्च या धन हानि की संभावना रहेगी। शुक्र का गोचर मित्रों और पड़ोसियों के साथ संबंधों में खटास ला सकता है। मेहनत के बावजूद करियर में उम्मीद के मुताबिक सराहना नहीं मिलेगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों का पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर विवाद या मतभेद हो सकता है। इससे आपके काम पर असर पड़ेगा और नुकसान बढ़ेगा। ऐसे में आपको पैसों से जुड़े मामलों को लेकर सावधानी बरतनी होगी।

धनु राशि –धनु राशि के दूसरे भाव में हो रहा शुक्र का गोचर आपके करियर को प्रभावित करेगा। शुक्र के इस गोचर से कुछ आर्थिक लाभ के अवसर जरूर मिलेंगे, लेकिन काम का दबाव भी बढ़ेगा। अचानक जिम्मेदारियां बढ़ने से कम पर असर पड़ेगा। व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों से आपको कड़ी टक्कर मिलेगी। वहीं, खर्चों में बढ़ोतरी के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। ऐसे में आपको उधार लेने तक की नौबत भी आ सकती है। दांपत्य जीवन पर भी इन सबका असर देखने को मिलेगा।

13 को लोहड़ी, जानें शुभ मुहूर्त पूजन विधि और महत्व

लोहड़ी के पर्व का बेहद खास महत्व होता है। यह त्योहार हर साल मकर संक्रांति से ठीक एक दिन पहले मनाया जाता है। इस दिन शाम के वक्त सभी लोग अग्नि के चारों ओर चक्कर लगाते और नाचते, गाते नजर आते हैं। लोहड़ी का त्योहार मुख्य रूप से पंजाब और हरियाणा में मनाया जाता है। वहीं, देश के कई हिस्सों में भी अब इस पर्व को धूमधाम से मनाया जाता है। साथ ही लोहड़ी सूर्य के उत्तरायण होने की खुशी में भी मनाई जाती है।

हर वर्ष लोहड़ी की त्योहार मकर संक्रांति से ठीक एक दिन पहले मनाया जाता है। ऐसे में मकर संक्रांति 14 जनवरी, बुधवार को होने से इस बार लोहड़ी का पर्व 13 जनवरी, मंगलवार को मनाया जाएगा। बता दें कि 13 तारीख को शाम के 3 बजकर 18 मिनट तक भद्रा रहेगा। यह त्योहार पंजाब में सबसे लोकप्रिय है जो फसल की कटाई से जुड़ा हुआ है। साथ ही, लोहड़ी सूर्य के उत्तरायण होने की खुशी में भी मनाई जाती है। इससे अगले दिन यानी मकर संक्रांति को सूर्य का गोचर मकर राशि में होगा।

लोहड़ी का शुभ मुहूर्त

लोहड़ी के दिन प्रदोष काल में अग्नि प्रज्वलित करना सबसे उत्तम माना जाता है। इस दिन सूर्यास्त का समय शाम को 5 बजकर 44 मिनट का रहेगा। ऐसे में सूर्यास्त से 2 घंटे की अवधि लोहड़ी और अग्नि के पूजन के लिए सबसे शुभ रहेगा।

लोहड़ी पूजन विधि 2026

लोहड़ी के दिन पहले लकड़ियां इकट्ठा कर लें और इन्हें अच्छी सजाएं। अब लकड़ियों पर गंगाजल या पवित्र जल छिड़कर उन्हें शुद्ध कर लें। लोहड़ी की लकड़ियों पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत आदि अर्पित करें और फिर, शाम को शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्वलित करके सभी साथ मिलकर उसकी परिक्रमा करें।

अग्नि में गजक, मूंगफली, मक्का, गेहूं की बालियां आदि डालें और साथ-साथ परिक्रमा भी करते रहें। अब जीवन में सुख-शांति की कामना करें।

मान्यता है कि लोहड़ी के दिन घर के छोटे बच्चों को अग्नि का धुआं जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से नजर दोष दूर हो सकता है और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

लोहड़ी का क्या महत्व है?

इस पर्व के दिन से रात छोटी होनी शुरू हो जाती है और दिन बड़े होते हैं। लोहड़ी का त्योहार पारंपरिक तौर पर रबी फसल की कटाई से संबंधित है। इस दिन शाम के समय लोहड़ी की अग्नि की चारों ओर सभी मिलकर परिक्रमा करते हैं और नाचते, गाते हैं। अग्नि में तिल, गुड़, गजक आदि भी अर्पित किया जाता है। रबी की फसल को भी अग्नि में डाला जाता है। यह पर्व सूर्य के उत्तरायण होने के खुशी में मनाते हैं। लोहड़ी के दिन कई जगहों पर पतंग उड़ाई जाती है और लड्डू बांटा जाता है।

बसंत पंचमी सरस्वती पूजा 23 को मनाई जाएगी

अबकी बार बना है यह शुभ संयोग, जानें पूजा का मुहूर्त

बसंत पंचमी की तिथि का बेहद खास महत्व होता है, जो ज्ञान और कला की देवी को समर्पित है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा करने का विधान है। वहीं, इस बार बसंत पंचमी बेहद खास रहने वाली है क्योंकि, इस दिन चंद्रमा का गोचर मीन राशि में होगा। साथ ही, चंद्रमा से चतुर्थ भाव में गुरु रहेंगे। ऐसे में बसंत पंचमी के दिन बेहद शुभ संयोग बन रहा है। यह तिथि छात्रों के लिए भी उत्तम संयोग बना रही है। इस त्योहार के साथ ही बसंत ऋतु का आगमन भी माना जाता है।

पंचांग के अनुसार, माघ शुक्ल पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी, गुरुवार के दिन रात में 2 बजकर 29 मिनट से होगी और इसका समापन 23 जनवरी, शुक्रवार को रात में 1 बजकर 47 मिनट पर होगा। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार, बसंत पंचमी 23 तारीख को मनाई जाएगी और इसी दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाएगी। ऐसा करने से जातक के ज्ञान, कला और बुद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही, माता सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है।

बसंत पंचमी 2026 का शुभ संयोग

23 जनवरी, शुक्रवार के दिन यानी बसंत पंचमी पर चंद्रमा का गोचर मीन राशि में होने जा रहा है। वहीं, चंद्रमा से चतुर्थ भाव में गुरु के होने से गजकेसरी का शुभ संयोग बन रहा है। ज्ञान के कारक गुरु की राशि में बैठकर चंद्रमा का गजकेसरी योग बनाना अत्यंत शुभ है। यह छात्रों के लिए उत्तम संयोग बना रहा है। बसंत पंचमी पर सुबह 8 बजकर 33 मिनट से लेकर 11 बजकर 13 मिनट का समय शिक्षा आरंभ के लिए सबसे उत्तम रहेगा।

सरस्वती पूजा 2026 शुभ मुहूर्त

बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा करने के लिए सुबह 9 बजकर 53 मिनट से लेकर 11 बजकर 13 मिनट तक का समय सबसे उत्तम रहेगा। इस दिन लोग अपने घर, कॉलेज, स्कूल और कार्यस्थल पर देवी सरस्वती की विधि-विधान से पूजा करते हैं। साथ ही, माता से ज्ञान प्राप्ति की कामना करते हैं। पूजा के दौरान देवी सरस्वती को सिंदूर, श्रृंगार आदि की वस्तुएं भी अर्पित की जाती हैं। और गुलाल चढ़ाया जाता है। इसी दिन से बसंत ऋतु को आरंभ हो जाता है।

लाभ चौघड़िया : 8 बजकर 33 मिनट से लेकर 9 बजकर 53 मिनट तक।

अमृत चौघड़िया : 9 बजकर 53 मिनट से लेकर 11 बजकर 53 मिनट तक।

10 को माघ मास कालाष्टमी

जानें पूजा विधि, मंत्र और महत्व

माघ मास कालाष्टमी का व्रत माघ मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाएगा। हर माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी मनाई जाती है, जिसे भैरव अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र रूप भैरव भगवान की पूजा करने का विधान होता है। मान्यता है कि कालाष्टमी का व्रत और पूजा करने से जीवन से सभी प्रकार के भय और दुख दूर हो सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि माघ मास कालाष्टमी कब है, पूजा विधि, मंत्र और इसका महत्व...

माघ मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का आरंभ 10 जनवरी, शनिवार को सुबह 8 बजकर 24 मिनट पर होगा। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 11 जनवरी, रविवार को दोपहर में 11 बजकर 21 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, कालाष्टमी का व्रत 10 तारीख को रखा जाएगा। इस दिन भगवान भैरव की विधि-विधान पूजा व व्रत करने से जीवन के संकट दूर हो सकेत हैं। वहीं, इस बार शनिवार को कालाष्टमी पड़ने से इसका प्रभाव और भी अधिक रहेगा।

कालाष्टमी की पूजा विधि

अपने घर के मंदिर में एक लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं और उस पर भगवान शिव, माता पार्वती व बाबा कालभैरव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। अब चारों तरफ गंगाजल का छिड़काव कर लें।

भगवान को फूलों से बनी माला या ताजे फूल अर्पित करें। इसके पश्चात, नारियल, मदिरा, गेरुआ, इमरती, आदि चढ़ाएं और भगवान के सामने एक चौमुखी दीपक अवश्य जलाएं।

दीपक जलाने के बाद धूप-दीप दिखाएं और कुमकुम या हल्दी से सभी का तिलक करें। शिवजी, मां पार्वती और कालभैरव की एक-एक करके आरती करें।

आरती के बात भैरव चालीसा व शिव चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, आप बटुक भैरव पंजर कवच का पाठ भी कर सकते हैं।

पूजा के साथ-साथ बाबा कालभैरव के मंत्रों का 108 बार जाप करें। ऐसा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। फिर, व्रत पूर्ण होने पर काले कुत्ते को दूध पिलाएं व साथ ही दिन के अंत में कुत्ते की भी पूजा करें।

कालाष्टमी के दिन रात में सरसों के तेल, काले तिल, दीपक आदि से कालभैरव की पूजा करनी चाहिए और रातभर जागरण करने से उत्तम फल प्राप्त होता है।

कालाष्टमी व्रत का मंत्र

अतिक्रूर महाकाय कल्पान्त दहनोपम,
भैरव नमस्तुभ्यं अनुज्ञा दातुमर्हसि।
इन मंत्रों का भी करें जाप
ओम भयहरणं च भैरव:।
ओम भ्रं कालभैरवाय फट।
ओम कालभैरवाय नम:।
ओम ह्रीं बं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरूकुरू बटुकाय ह्रीं।

कालाष्टमी का महत्व

यह दिन भगवान भैरव को समर्पित माना जाता है। ऐसा में कालाष्टमी का व्रत करने और पूजा करने से जातक को नकारात्मक शक्तियों, भय, कष्ट व शत्रुओं से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, इससे कुंडली में अशुभ ग्रह के प्रभावों को भी कम किया जा सकता है और मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं। लाल किताब के अनुसार, बाबा भैरव शनि के अधिपति देव हैं। ऐसे में इनकी पूजा और कालाष्टमी का व्रत रखने से राहु केतु और शनि दोष के प्रभावों को कम किया जा सकता है।

गजकेसरी योग बनाएगा धनवान, कई राशियों को मिलेगा राजयोग

आज यानी 8 जनवरी, गुरुवार को गुरु और चंद्रमा के गोचर से अत्यंत शुभ गजकेसरी योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे बेहद शुभ राजयोग माना जाता है। इस योग से जीवन में धन, प्रतिष्ठा और सुख-समृद्धि आती है। मेष, मिथुन और सिंह सहित कई राशियों के लिए कल का दिन बेहद ही शुभ रहने वाला है। गजकेसरी राजयोग के प्रभाव से व्यक्ति को करियर में अपार सफलता, अचानक धन लाभ और राजा जैसा जीवन मिलता है। ऐसे में कई राशियों के जातकों को नौकरी और व्यवसाय में नए अवसर मिलेंगे, आर्थिक मामलों में सुधार होगा और मान-सम्मान में भी बढ़ोतरी होगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि गजकेसरी राजयोग के प्रभाव में गुरुवार का दिन सभी 12 राशियों के करियर के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष –मेष राशि के जातकों का कल का दिन महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला रहेगा। लंबे समय से चल रही परेशानियों का अंत होगा। भाग्य का साथ मिलने से धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। यह समय साइड बिजनेस या किसी तरह के पार्ट-टाइम काम करने के लिए उत्तम रहेगा। काम के सिलसिले में जरूरी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यह यात्रा भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

वृषभ –कल का दिन वृषभ राशि वालों का मांगलिक कार्यक्रमों में बीतने वाला है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर बातचीत बन सकती है। करियर के साथ-साथ जीवन स्तर में भी सुधार होगा। ऐसे में आपके लिए जरूरी होगा कि फिलहाल जरूरी चीजों की खरीद पर ही धन खर्च करें। इसी में आपके लिए समझदारी होगी। वहीं, नौकरी या व्यवसाय से जुड़ा कोई भी फैसला लेते समय ठीक से सोच-समझ लें। शाम के समय किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन –मिथुन राशि वालों के लिए कल गुरुवार का दिन तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और काम में अप्रत्याशित प्रगति से आपके साथ-साथ आपके विरोधी भी दंग रह जाएंगे। हालांकि, इस सफलता को मेंटेन करके रखने में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। इसके लिए आपको दिखावे से दूर रहना होगा। सही दिशा में किया गया प्रयास भविष्य में आपके लिए धन लाभ के नए रास्ते खोलेगा।

कर्क –कर्क राशि के जातकों का 8 जनवरी, गुरुवार का दिन परिवार की जिम्मेदारियों में बीतेगा। भाई-बहन या किसी करीबी रिश्तेदार की सेहत से जुड़ी चिंता आपको परेशान कर सकती है। आपका पूरा समय उनकी देखभाल में गुजरेगा। इस मानसिक स्थिति में आपको जरूरी फैसले लेने से बचना होगा। इसके साथ ही दूसरी जगह शिफ्ट होने का विचार भी आपके मन में आ सकता है। यह फैसला भविष्य में आपके लिए लाभदायक रहेगा।

सिंह –गुरुवार के दिन सिंह राशि के जातकों को व्यवसाय और करियर की चिंता रहेगी। कामकाज में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। यह समय आपके लिए आराम को छोड़कर कई ठोस कदम उठाने का है। नौकरी में बेहतर परिणाम के लिए आपको मेहनत और अनुशासन दोनों की जरूरत पड़ेगी। नई रणनीति पर काम करने से लाभ होगा।

कन्या –कन्या राशि वालों को कल काम के सिलसिले में ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इससे आपको अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। आप जो प्रयास अभी करेंगे वही आगे चलकर आपके लिए आर्थिक लाभ देने वाला साबित होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों की नजर में आपकी छवि मजबूत होगी। छोटे-छोटे लाभ आपको मिलते रहेंगे।

तुला –कल यानी गुरुवार को आपका मन थोड़ा बेचैन रहेगा। आप खुद ही परेशानियों का पीछा करते-करते उनके पास पहुंच जाएंगे। कार्यस्थल में विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कल के दिन आपको बेहद सतर्क रहना होगा। ऐसे समय में अपनी समझ और रणनीति पर भरोसा रखें। सही फैसले आपको मुश्किल हालात से बाहर निकाल सकते हैं।

वृश्चिक –वृश्चिक राशि वालों को कल अचानक कोई अच्छी खबर मिल सकती है। कामकाज से जुड़ा तनाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा। नए विचारों और योजनाओं पर काम करने के लिए यह समय अनुकूल है। ऐसे में सफलता मिलने की भी संभावना अधिक दिख रही है। पुराने विवादों के सुलझने के संकेत मिल रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से तालमेल का आपको फायदा होगा।

धनु –धनु राशि के जातकों को किसी नए संपर्क से करियर में लाभ मिलेगा। पहले किए गए काम का फायदा भी अब मिल सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने में थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। ऐसे में रोजमर्रा के कामों में लापरवाही न करें। शाम के समय किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल सकता है।

मकर –मकर राशि के लोगों को कल धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इससे आपकी पहचान बढ़ेगी। करियर के लिहाज से काम में अच्छे परिणाम मिलेंगे। व्यापार से जुड़े लोगों को लेन-देन में लाभ के संकेत हैं। कल के पूरे दिन आपको कोई न कोई अच्छी खबर मिलती रहेगी। दोस्तों के साथ हल्का-फुल्का समय बिताने का भी अवसर मिलेगा। हालांकि बेवजह के विवादों से दूर रहें।

कुंभ –कल के दिन कुंभ राशि वालों को उच्च अधिकारियों के साथ अच्छे संबंधों का फायदा मिलता दिख रहा है। उनकी सलाह आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। नए व्यापार की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ने से मानसिक शांति मिलेगी। किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल होने का भी योग बन सकता है।

मीन –मीन राशि के जातकों को रिसर्च से जुड़े कार्यों में प्रगति देखने को मिलेगी। करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। पुराने विवाद भी सुलझते दिख रहे हैं। इस दौरान सावधानी से अपनी योजनाओं पर काम करना पड़ेगा। आर्थिक मामलों में किसी को उधार देने से बचें। माता-पिता और गुरु का आशीर्वाद आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का राजनैतिक प्रभाव

मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए देश के 12 राज्यों में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का प्रथम चरण पूर्ण हो गया है। मसौदा सूची जारी होने के बाद 20 प्रतिशत तक मतदाताओं के वोट कटने की संभावना से राजनैतिक दलों के नेताओं और उनके समर्थकों की नींद उड़ी हुई है। सभी राज्यों में पार्टी के बड़े नेता लगातार अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को इसके लिए चेता रहे हैं और पार्टी समर्थकों के वोट न कटने देने के लिए प्रयास करने को कह रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो बीते दिनों जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों की बैठक बुलाकर चेतावनी दी थी कि जिन मतदाताओं के नाम कट रहे हैं उनमें 90 प्रतिशत भाजपा के समर्थक हैं। इतना ही नहीं एसआईआर को लेकर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और गुजरात आदि राज्यों में भी भारी हलचल है। मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का राजनैतिक दलों पर क्या प्रभाव पड़ने वाला है इसका आकलन करने से पहले इस अभियान के तहत हटाए जाने वाले मतदाताओं का विश्लेषण आवश्यक है। गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बड़ी संख्या में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे (डुप्लीकेट) मतदाताओं के वोट काटे जा रहे हैं। अनुपस्थित की श्रेणी में उन मतदाताओं को रखा गया है जो गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को मिले ही नहीं। इनमें स्थानांतरित और दोहरे मतदाता भी शामिल हो सकते हैं। स्थानांतरित मतदाताओं में उनको शामिल किया गया है जो अपना निवास स्थान छोड़ कर कहीं और चले गए हैं। जिन मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है उनका नाम भी मसौदा सूची से हटा दिया गया है इसके अलावा जिन मतदाताओं के एक से अधिक स्थान पर वोट थे उनके नाम भी इस सूची से हटाए जा चुके हैं। इसके बाद एक बड़ी संख्या उन मतदाताओं की है जिनके नाम साल 2025 की मतदाता सूची में तो दर्ज है लेकिन गहन मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है और न ही उनके माता, पिता, दादी या दादा का नाम उसमें मिला है। ऐसे मतदाताओं के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्हें अन्तिम मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा तय किए गए 12 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। लेकिन सबसे बड़ी चिंता की बात पश्चिम बंगाल में मिले लगभग एक करोड़ 36 लाख तार्किक विसंगतियों वाले संदिग्ध मतदाताओं को लेकर है। इन मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना प्रपत्रों में जिस प्रकार की विसंगतियां मिली हैं उन पर सहज रूप से विश्वास करना मुश्किल है। अनेक मतदाताओं की आयु और उनके माता-पिता की आयु में दस वर्ष या दादा-दादी की आयु से 40 वर्ष से कम का अन्तर है। चुनाव आयोग की तरफ से इस प्रकार के मतदाताओं की विशेष जांच की तैयारी की जा रही है। मतदाता सूचियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण के प्रथम चरण पूरा होने के बाद उत्तर प्रदेश में दो करोड़ 89 लाख मतदाताओं के नाम अन्तिम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। इस आंकड़े के सामने आने के बाद विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ही नहीं बल्कि सत्ताधारी भाजपा के नेताओं के चेहरे पर भी चिंता की लकीरें साफ नजर आ रही हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि आगामी चुनाव में भाजपा की सीटें इकाई के अंकों में सिमट कर रह जाएंगी तो भाजपा के नेता सपा नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं कि अवैध मतदाताओं के वोट कटने से वे बौखलाए हुए हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में भी 58.20 लाख मतदाताओं के नाम कटने के अलावा एक करोड़ 67 लाख मतदाताओं का नाम अन्तिम सूची में शामिल करने से पहले गहन परीक्षण किया जा रहा है जिसने ममता दीदी के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी तो इस प्रक्रिया को रुकवाने के लिए उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गई हैं लेकिन उन्हें किसी भी प्रकार की राहत मिलने की उम्मीद कम ही है। बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कटने के बाद सबसे ज्यादा हलचल पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में ही दिखाई दे रही है। राजनैतिक दलों के नेताओं के अलावा बुद्धिजीवियों का एक बड़ा वर्ग भी इस पर दिमागी कसरत करता दिख रहा है कि हर विधानसभा क्षेत्र से औसतन 50 हजार वोट कटने का चुनावी नतीजों पर क्या असर होगा? जबकि अधिकांश सीटों पर जीत हार का अंतर 20 हजार से कम रहता है। पिछले विधानसभा चुनावों में तो 49सीटों पर जीत हार का अंतर पांच हजार से भी कम था। उत्तर प्रदेश के आंकड़ों पर नजर डालें तो साफ है कि सबसे ज्यादा मतदाता शहरी क्षेत्रों से कटे हैं। चूंकि शहरी क्षेत्र में भाजपा को अधिक प्रभावशाली माना जाता है इसलिए अनुमान लगाया जा रहा है कि इसका नुकसान भाजपा को हो सकता है लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है, शहरी क्षेत्र से जिन मतदाताओं के वोट कटे हैं उनमें से अधिकांश के गांव में वोट थे जो पंचायत चुनाव में तो गांव जाकर वोट देते थे लेकिन लोकसभा और विधानसभा चुनावों में शहरों में ही मतदान करते थे। ऐसे में अगर ये मतदाता अब लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी गांव जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं तो वे ग्रामीण सीटों पर इसका लाभ भाजपा को मिल सकता है। जिन अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे मतदाताओं के नामों को हटाया गया है उनका लाभ सिर्फ उन राजनैतिक दलों को मिलता था जो फर्जी मतदान करा पाते थे।

> **सबसे बड़ी चिंता की बात पश्चिम बंगाल में मिले लगभग एक करोड़ 36 लाख तार्किक विसंगतियों वाले संदिग्ध मतदाताओं को लेकर है। इन मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना प्रपत्रों में जिस प्रकार की विसंगतियां मिली हैं उन पर सहज रूप से विश्वास करना मुश्किल है। अनेक मतदाताओं की आयु और उनके माता-पिता की आयु में दस वर्ष या दादा-दादी की आयु से 40 वर्ष से कम का अन्तर है। चुनाव आयोग की तरफ से इस प्रकार के मतदाताओं की विशेष जांच की तैयारी की जा रही है। मतदाता सूचियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण के प्रथम चरण पूरा होने के बाद उत्तर प्रदेश में दो करोड़ 89 लाख मतदाताओं के नाम अन्तिम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं।**

अमेरिका-वेनेजुएला संघर्ष : एक विस्तृत समग्र विश्लेषण

अंतरराष्ट्रीय राजनीति क़ानून और वैश्विक शांति पर प्रभाव

कशिन सनमुखदास भावनानी

> **दशकों से दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक तनाव रहा है जिसमें मुख्य रूप से तेल संसाधनों, असंतुलित द्विपक्षीय संबंधों और मतभेद शामिल हैं। 1976 में वेनेज़ुएला ने अपने तेल उद्योग को राष्ट्रीयकृत किया था,जिससे अमेरिकीकंपनियों का नियंत्रण खत्म हो गया था जिस पर अमेरिका ने लंबे समय तक आपत्ति जताई। इसके बाद से दोनों देशों के बीच कड़वी टक्कर और भी तीव्र होती गई।**

वैश्विक स्तरपर सारी दुनियाँ हैरान रह गई जब 3 जनवरी 2026 की रात अमेरिका ने ऑपरेशन एबस्युलेट रेसोल्व के नाम से एक बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया। इसके तहत अमेरिकी वायुसेना और विशेष बलों ने वेनेज़ुएला की राजधानी काराकस समेत कई इलाकों में हवाई हमले किए और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो तथा उनकी पत्नी सिलीया फ्लोरेस को हिरासत में ले लिया गया।जनवरी 2026 के पहले सप्ताह में अमेरिका द्वारा एक तेजी से आगे बढ़ी सैन्य कार्रवाई की गई, अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि अमेरिका ने वेनेज़ुएला में हवाई हमलों और विशेष ऑपरेशन के ज़रिए मादुरो को हिरासत में लिया और उन्हें विदेश ले लाया गया।अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि मादुरो पर नार्को- आतंकवाद, कोकीन तस्करी, साजिश और अमेरिका के खिलाफ हथियार रखने जैसे गंभीर आरोप हैं,जिनके कारण वह अमेरिकी न्याय के सामने खड़ा होगा। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने स्पष्ट किया कि इन्हीं अभियोगों के आधार पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में मुक़दमे की प्रक्रिया शुरू होगी।यह आरोप अमेरिका के अंतर्गत जारी अभियोगों पर आधारित हैं, जिनमें दावा किया जाता है कि मादुरो की सरकार और सहयोगी अमेरिकी हितों और कानूनों के खिलाफ भारी मात्रा में अवैध गतिविधियों में संलग्न थेहालांकि मादुरो और उनके समर्थक इन आरोपों से लगातार इनकार करते रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि वैश्विक स्तरपर वेनज़ुएला और अमेरिका के बीच तनाव कोई नया विषय नहीं है। दशकों से दोनों देशों के बीच राजनीतिक,आर्थिक और सामरिक तनाव रहा है जिसमें मुख्य रूप से तेल संसाधनों, असंतुलित द्विपक्षीय संबंधों और मतभेद शामिल हैं। 1976 में वेनेज़ुएला ने अपने तेल उद्योग को राष्ट्रीयकृत किया था,जिससे अमेरिकीकंपनियों का नियंत्रण खत्म हो गया था जिस पर अमेरिका ने लंबे समय तक आपत्ति जताई। इसके बाद से दोनों देशों के बीच कड़वी टक्कर और भी तीव्र होती गई।

साथियों बात अगर हम इस कार्रवाई को अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक सफल सैन्य ऑपरेशन बताया है इसको समझने की करें तो, उन्होंने वेनेज़ुएला में ड्रग तस्करी और नार्को-आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का दावा किया गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब अस्थायी रूप से वेनेज़ुएला के सरकारी कार्यों को संभालेगा और देश को सुरक्षित, व्यवस्थित और न्यायपूर्ण संक्रमण की ओर ले जाएगा।उनके खिलाफ नार्को- टेररिज़्म,कोकीन की तस्करी और साजिश जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं और उन्हें न्यू यॉर्क के संघीय न्यायालय में ट्रायल का सामना करने का इरादा बताया गया है।अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई उन अभियोगों के आधार पर है जो मादुरो पर भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद समर्थित गतिविधियों के लिए लगाए गए हैं। वहीं मानवाधिकार संगठनों और अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञों ने इस ऑपरेशन को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताया है क्योंकि यह बिना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति के एक संप्रभुत राष्ट्र के खिलाफ सशस्त्र हमला है।

साथियों बात अगर हम हमले के बाद विश्व के प्रमुख देशों की प्रतिक्रियाओं को समझने की करें तो, क्या तीसरा विश्व युद्ध शुरू होने वाला है?इस वैश्विक घटना पर रूस, ईरान और क्यूबा जैसे देशों ने तेज़ प्रतिक्रिया व्यक्त की है।ये देश अमेरिकी कार्रवाई को वेनेज़ुएला की संप्रभुता का उल्लंघन, क्षेत्रीय अखंडता का भंग और एक शक्तिवादी आक्रमण बताते हुए निंदा कर रहे हैं। रूस ने अमेरिका की इस हरकत को अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ बताया है। ईरान और क्यूबा ने भी संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका की इस कार्रवाई की निंदा करने और शांति स्थापित करने की अपील की है।वहीं यूरोपीय संघ ने स्थितिसे कुछ अलग रुख अपनाया उन्होंने सीधे निंदा नहीं की, बल्कि तथ्यों की पुष्टि और तथ्यों के

प्रकाश में निर्णय लेने की बात कही,यह कहते हुए कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का सम्मान करते हैं।जिसका व्यापक अर्थ यह है कि ईयू ने खुलकर अमेरिका का समर्थन नहीं किया, लेकिन स्पष्ट निंदा भी नहीं की। कुछ देशों ने इस संकट को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का विषय बनाया है, तक़रीबन सभी प्रमुख वैश्विक शक्तियाँ इस घटना को अंतरराष्ट्रीय कानून की बड़ी परीक्षा के रूप में देख रही हैं।साथियों बात अगर हम तेल और ड्रग्स विवाद कीपृष्ठभूमि को समझने की करें तो अमेरिका का क़हना यह है कि वेनेज़ुएला दुनियाँ के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक का घर है और यह देश नशीले पदार्थों और अपराध नेटवर्क के लिए एक मुख्य केंद्र बन गया है,इसलिए इस कार्रवाई को उसने नशीले पदार्थों का मुकाबला करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुरक्षित रखने की आवश्यक कार्रवाई बताया है।परन्तु आलोचक इसे तेल संसाधनों पर नियंत्रण पाने की एक अर्थव्यवसायिक रणनीति के रूप में भी देखते हैं। वे तर्क देते हैं कि इस हमले के पीछे आर्थिक हितों की बड़ी भूमिका हो सकती है, क्योंकि वेनेज़ुएला के तेल भंडारों के कारण यह क्षेत्र आर्थिक और सामरिक रणनीति के केंद्र में पहुंच गया है।

साथियों बात अगर हम मानवाधिकार और वैधता के सवाल के दृष्टिकोण से समझने की करें तो, कई मानवाधिकार समूहों ने कहा है कि अमेरिका बिना सबूत और पारदर्शिता के निर्दोष नागरिकों और नेताओं को निशाना बना रहा है, और यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ हो सकती है, जो स्पष्ट रूप से कहता है कि एक देश दूसरे देश पर बिना सुरक्षा परिषद की अनुमति या प्रस्तुत खतरे के जवाब में बल का प्रयोग नहीं कर सकता है। यह विवाद अब अंतरराष्ट्रीय अदालतों, संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक शांति संरचनाओं के लिए एक बड़ा परीक्षण बन गया है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय क़ानून और सार्वभौमिक संप्रभुता के दृष्टिकोण से इस मुद्दे को समझने की करें तो,किसी देश के सिटिंग राष्ट्रपति-समेत किसी राष्ट्राध्यक्ष को एक अन्य देश के सशस्त्र बलों द्वारा पकड़कर विदेश लाना,अंतरराष्ट्रीय क़ानून सहित संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों का जटिल उल्लंघन हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर की धारा 2(4) के अनुसार, किसी अन्य राज्य के खिलाफ बल प्रयोग केवल स्वयं रक्षा या यूएन सुरक्षा परिषद की अनुमति के तहत ही किया जा सकता है।अमेरिका ने अपने आपरेशन को न्यायिक कारणों, मादुरो पर अभियोग और सुरक्षा हितों के आधार पर समझाया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय न्याय विशेषज्ञ यह कहते हैं कि किसी अन्य देश के उच्चतम नागरिक नेता के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और हिरासत लेना सीधे तौर पर संप्रभुता का उल्लंघन और बल प्रयोग का उदाहरण है, जब तक कि यह सीधे तौर पर खुद अमेरिका के विरुद्ध सीधा हथियारबंद हमला न रहा हो. कई विशेषज्ञों ने इसे अपराधी आक्रमण तक कहा है जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ है।संप्रभुता का उल्लंघन तब अधिक गहरा हो जाता है जब उस देश की संसद या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी नहीं ली जाती,जैसा इस मामले में स्पष्ट नहीं दिख रहा है।अंतरराष्ट्रीय कानून के मानदंडों के अनुसार, वर्चस्ववादी शक्तियों के इस तरह के हस्तक्षेप से वैश्विक आदेश और मानक प्रभावित होते हैं, जिससे भविष्य में अन्य नियमित रूप से चुने गए नेताओं पर भी इसी तरह के दावों के आधार पर कार्रवाई का परिसेडेंट बन सकता है।

साथियों बात अगर हम, यह वैश्विक लोक लोकतांत्रिक व्यवस्था का उल्लंघन है या नहीं? इसको समझने की करें तो, यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि क्या अमेरिका के इस कदम से वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था का उल्लंघन होता है? इस विवाद का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसमें राजनीतिक वैचारिकता, शक्ति- राजनीति और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के सिद्धांतों का मिश्रण है।एक तरफ अमेरिका और उसके समर्थक देश यह तर्क देते हैं कि मादुरो जैसे नेता ने अपनी सरकार के भीतर तख्तापलट, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघन की नीतियों को लागू किया है। अमेरिकी प्रशासन इसे अपराध नियंत्रण और लोकतंत्र स्थापना के रूप में पेश कर रहा है। दूसरी ओर,ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक और कई देशों के सरकारी बयान बताते हैं कि ऐसा सैन्य हस्तक्षेप अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है, क्योंकि इसने किसी देश की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, चुनावों और निरंकुश संप्रभुता को दरकिनार किया है।संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है, यह कहते हुए कि अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान और संप्रभुता का आदर करना ही वैश्विक व्यवस्था का आधार है,इसलिए, यह कहना अधिक सटीक होगा कि अमेरिका का यह कदम वैश्विक लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौतीपूर्ण परिदृश्य बन गया है, भले ही इसे कुछ राजनीतिक तर्क दिए जाएं।

साथियों बात अगर हम क्या 'तीसरा विश्व युद्ध' शुरू होने वाला है? इस प्रश्न को समझने की करें तो, जहाँ एक ओर यह घटनाक्रम वैश्विक सत्ता संतुलन में एक बड़ा बदलाव दिखाता है, वहीं विश्लेषकों की राय में अभी तक तीसरे विश्व युद्ध जैसी कोई निश्चित शुरुआत नहीं हुई है।

एक तीसरा विश्व युद्ध की शुरुआत तभी मान्य होगी जब दो या दो से अधिक परमाणु-सक्षम रणनीतिक धड़े एक दूसरे के विरुद्ध व्यापक सैन्य गठबंधन, आर्थिक ब्लॉकों और वैश्विक स्तर पर जारी संघर्ष में डूबें,जो इस समय का वास्तविक परिदृश्य नहीं है।हालांकि रूस, ईरान, क्यूबा और चीन जैसे देशों ने अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है और यह कहा है कि यह वैश्विक शांति और स्थिरता को खतरे में डाल सकता है, वैश्विक युद्ध के जोखिमों पर बहस तेज़ हुई है। जिन देशों ने आलोचना की है, वे यह मानते हैं कि अगर दुनियाँ की प्रमुख शक्तियाँ एक दूसरे के खिलाफ सैन्य गठबन्धनों और प्रकार्यात्मक हिंसा की ओर बढ़ीं, तो एक बड़े पैमाने पर संघर्ष की संभावना बढ़ सकती है।फिर भी, वैश्विक नेताओं के लिए तीसरा विश्व युद्ध की घोषणा किसी भी तरह से आधिकारिक तौर पर नहीं हुई है। इस विषय पर विशेषज्ञ अभी आगे की अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं और संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाइयों का इंतज़ार कर रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह घटना न सिर्फ दक्षिण अमेरिका या अमेरिका का विषय है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति समीकरण, अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता तथा वैश्विक सुरक्षा संरचनाओं की परीक्षा भी है।अमेरिका का तर्क है कि यह कार्रवाई नार्को-टेररिज़्म और सुरक्षा कारणों से आवश्यक थी।कई देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून उल्लंघन घोषित किया है।संयुक्त राष्ट्र, वैश्विक शक्तियाँ, क्षेत्रीय समूह और न्यायविद इस पर गहरा विश्लेषण कर रहे हैं।यह संघर्ष समय की सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक घटनाओं में से एक है और इसके परिणाम दशकों तक वैश्विक राजनीति, सुरक्षा और आर्थिक रणनीति पर प्रभाव डाल सकते हैं।

विचार मंथन

भारत की वैश्विक परीक्षा का समय

साल 2026 की शुरूआत के साथ ही भारत उम्मीदों और आकांक्षाओं के पंख फैलाकर विकास की निर्बाध उड़ान उडऩा चाहता है। लेकिन वैश्विक चुनौतियां उसकी राह में बड़ी बाधा बनकर खड़ी हो गई हैं। ऐसे में यह समय भारत के लिए फूंक-फूंककर कर कदम बढ़ाने की जरूरत है। यह भी तभी संभव है, जब भारत की कूटनीति और विदेश नीति सही दिशा में हो। विश्व राजनीति इस समय जिस दिशा में आगे बढ़ रही है, वह भविष्य में और भी जटिल, संघर्षपूर्ण और विकट होने जा रही है। अमेरिका अपनी वैश्विक प्रभुता को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। चाहे वह यूरोप की सत्ता समीकरणों के माध्यम से हो या दक्षिण एशिया में रणनीतिक हस्तक्षेप के जरिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि अब वह एकध्रुवीय विश्व का युग समाप्त हो चुका है। आज की दुनिया बहुध्रुवीय है, जहां भारत, चीन, रूस, और यूरोपीय संघ जैसे केंद्र अपनी स्वतंत्र और निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिका की कोशिश है कि दक्षिण एशिया में वह अपनी पकड़ बनाए रखे, ताकि चीन को घेरा जा सके और भारत को अपने पाले में रखा जा सके। इसके लिए वह ताइवान, जापान, दक्षिण कोरिया, और फिलीपींस जैसे देशों के माध्यम से चीन पर रणनीतिक दबाव बना रहा है। किंतु भारत के लिए यह रास्ता उतना सरल नहीं है जितना दिखाई देता है। यदि भारत ताइवान के साथ मित्रता के सूत्रों को सार्वजनिक रूप से मजबूत करता है, तो निस्संदेह चीन भारत के विरुद्ध अप्रत्यक्ष मोर्चा खोल देगा। साल 2026 की शुरुआत भारत के पड़ोसी देशों के लिए बेहद निर्णायक साबित होने वाली है। बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल तीनों देश गहरे राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहे हैं। कहीं चुनाव व्यवस्था सवालों के घेरे में है, कहीं सेना का वर्चस्व बढ़ रहा है और कहीं बेरोजगार और गुस्साई युवा पीढ़ी सडक़ों पर है। इन तीनों देशों की अस्थिरता का असर सिर्फ इनके भीतर नहीं, बल्कि सीधे भारत की सुरक्षा, कूटनीति और क्षेत्रीय भूमिका पर पड़ सकता है। ऐसे में भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी नीति अब तक की सबसे कठिन परीक्षा से गुजरने वाली है। बड़ा सवाल यह है कि भारत के तमाम सहयोग और राहत की नीतियों के बावजूद ये देश चीन और पाकिस्तान की तरफ क्यों झुके जाते हैं, जिनकी नीतियों की वजह से कर्ज और जिहादी आतंक के संकटों से घिर जाते हैं? चीन के अलावा अब ट्रंप और सऊदी का समर्थन मिलने से इतराए पाकिस्तान का उपाय करने के साथ-साथ इस सवाल का हल खोजना शायद भारतीय विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती होगी। कहने को तो एक साल ही बदला है, पर डोनाल्ड ट्रंप ने जैसी उथल-पुथल मचाई है, उससे लगता है मानो एक युग बदल गया है। नए साल की शुरुआत में ही उन्होंने वेनेजुएला पर धावा बोल दिया। ट्रंप की दुनिया में किसी स्थापित कूटनीतिक परंपरा और अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानून की कोई गारंटी नहीं है। यह द्वितीय महायुद्ध के बाद बनी नियमबद्ध व्यवस्था वाली दुनिया से नितांत भिन्न है, जिसके आधार पर भारत की विदेश और व्यापार नीति टिकी है। जिस गुटबाजी से भारत को परहेज था, वह सोवियत संघ के विघटन से टूटी और दुनिया एकध्रुवीय बन गई। भारत ने गुटनिरपेक्षता की जगह हितसापेक्ष स्वायत्तता की नीति अपनाई और खेमेबाजी से दूर रहते हुए अपनी सामरिक एवं आर्थिक शक्ति के विकास के लिए अमेरिका का रणनीतिक और व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत से पहले चीन ने भी गुटबाजी छोडक़र अपने सामरिक हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका के साथ व्यापारिक साझेदारी की, जिसकी बदौलत आज वह अमेरिका को हर क्षेत्र में चुनौती देने की स्थिति में आ गया है। ट्रंप खुद चीन को जी-2 का दूसरा जी यानी दूसरी महाशक्ति मान चुके हैं। रूस को वे सामरिक महाशक्ति मानते हैं, लेकिन वह वैश्विक शक्ति संतुलन की तीसरी धुरी बनने की स्थिति में नहीं है। यूक्रेन युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों ने उसे चीन के खेमे में पहुंचा दिया है। यानी दुनिया एक बार फिर दो खेमों में बंटती दिख रही है, जबकि भारत बहुपक्षीय व्यवस्था चाहता है। ट्रंप के यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य संगठन और पेरिस जलवायु संधि जैसी वैश्विक संस्थाओं और संधियों से हाथ खींच लेने के कारण उभरती शक्तियों के लिए विश्व मंच पर कुछ जगह जरूर बनी है। हालांकि नियमबद्ध व्यवस्था का स्थान महाशक्तियों की मनमानी ने ले लिया है। अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बनाना, ईरान और नाइजीरिया पर हवाई हमले और ताइवान को डराने के लिए चीन के सैनिक अभ्यास इसके ताजा उदाहरण हैं। महाशक्तियों की मनमानी भारत के लिए चिंताजनक है। भारत चाहता जरूर है कि वैश्विक संस्थाएं अमेरिका और यूरोप के नियंत्रण से मुक्त हों, पर नियमबद्धता की कीमत पर नहीं। वह चाहता है कि वैश्विक संस्थाओं में भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान जैसी शक्तियों को भी आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिले। महाशक्तियों की मनमानी वाली अव्यवस्था में यदि भारत को सुरक्षा परिषद और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में उचित स्थान मिल भी जाए तो उसकी व्यावहारिक उपादेयता क्या रह जाएगी?

आप का नज़रिया

दिल्ली दंगे: न्याय की कसौटी, राजनीति, हिंसा और नैरेटिव

दिल्ली में साल 2020 के दंगे योजनाबद्ध अराजकता, राजनीतिक संरक्षण और वैचारिक उद्दीपन का भयावह उदाहरण थे। यह हिंसा अचानक भड़की कोई घटना नहीं थी बल्कि इसके पीछे महीनों से तैयार किया गया ऐसा तंत्र था, जिसमें शब्दों को हथियार और भीड़ को औजार बनाया गया। इन दंगों में 53 निर्दोष लोगों की जान गई। इनमें एक होनहार खुफिया अधिकारी अंकित शर्मा, पौड़ी गढ़वाल से दिल्ली रोजगार की तलाश में आया दिलबर नेगी और दो पुलिसकर्मी भी शामिल थे। इन हत्याओं की क्रूरता ने पूरे देश की आत्मा को झकझोर दिया, किंतु उससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह रही कि पीड़ितों का दर्द धीरे-धीरे हाशिये पर चला गया और आरोपितों के लिए सहानुभूति का एक संगठित नैरेटिव खड़ा किया गया। अंकित शर्मा, जो देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी संस्था के लिए कार्यरत थे, उनके शरीर पर 74 चाकू के घाव मिले। यह सिर्फ हत्या नहीं थी, एक संदेश था। वहीं दिलबर नेगी, एक गरीब मां का बेटा, जिसकी कोई राजनीतिक पहचान नहीं थी, उसके हाथ-पैर काट कर उसे जिंदा जला दिया गया। सवाल यह है कि क्या यह केवल दंगा था या फिर भीड़ की हिंसा को वैचारिक समर्थन देने वाली मानसिकता का परिणाम?

> **सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्णय इस पूरे विमर्श में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उमर खालिद और शरजील इमाम की भूमिका प्रथम दृष्टया अत्यंत गंभीर है और दिल्ली पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य विश्वसनीय हैं। अदालत ने यह भी कहा कि इस प्रकार की संगठित और हिंसक साजिश में शामिल लोगों को इस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती कि वे लंबे समय से जेल में हैं।**

इस पूरे प्रकरण में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि जिन लोगों पर इस हिंसा की साजिश रचने और उसे भड़काने के गंभीर आरोप हैं, उनके बचाव में खड़े होने वाले वकील कोई साधारण नाम नहीं हैं। ये सभी देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली व्यक्ति हैं। उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे आरोपितों की पैरवी करने वालों में कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, अश्विनी कुमार जैसे नाम शामिल हैं, जो देश में कांग्रेस सरकारों के समय बड़े मंत्रालय संभाल चुके हैं। इनके साथ सिद्धार्थ दवे, सिद्धार्थ लूथरा और त्रिदीप पैइस जैसे वरिष्ठ वकील भी जुड़े रहे। ऐसे में ये सिर्फ कानूनी सहायता का मामला नहीं लगता, साफ तौर पर एक विशेष वैचारिक झुकाव का संकेत देता है।

यहां प्रश्न उठता है कि क्या कांग्रेस और उससे जुड़े वैचारिक तंत्र को पीड़ितों की चीखें सुनाई नहीं देतीं। क्या अंकित शर्मा की मां का विलाप उन्हें विचलित नहीं करता। लेकिन वही तंत्र उमर खालिद और शरजील इमाम में लोकतंत्र का रक्षक और अभिव्यक्ति की आजादी का प्रतीक खोज लेता है। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि सोची-समझी विचारधारा का परिचय है, जहां राष्ट्र की सुरक्षा एजेंसियों को संदेह के घेरे में रखा जाता है और दंगों के आरोपित नैरेटिव के नायक बना दिए जाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस को पीड़ितों की चीखें नहीं दिखतीं, पर आरोपितों में वह 'पीड़ित' ढूँढ लेती है। वह अंकित शर्मा जैसे शहीद अधिकारी की निर्मम हत्या को राजनीतिक चर्चा का विषय नहीं बनाती, पर "टुकड़े-टुकड़े गैंग" के पोस्टरबॉय को लोकतांत्रिक अधिकारों की कथा बनाकर प्रस्तुत करती है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि एक विचारधारा का परिचय है, जहाँ राष्ट्र की सुरक्षा एजेंसियाँ गलत और दंगों के आरोपी "नैरेटिव हीरो" बन जाते हैं। यही वह नैरेटिव-निर्माण है जिसने देश को भ्रमित किया, जहाँ अपराधी को एक्टिविस्ट और पीड़ित को अदृश्य कर दिया जाता है। जमानत दंगे के हत्यारों का अधिकार कैसे..? सवाल यह उठता है कि क्या यह केवल 'कानूनी सहायता' है या किसी विशेष मानसिकता का स्पष्ट संकेत? सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्णय इस पूरे विमर्श में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उमर खालिद और शरजील इमाम की भूमिका प्रथम दृष्टया अत्यंत गंभीर है और दिल्ली पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य विश्वसनीय हैं। अदालत ने यह भी कहा कि इस प्रकार की संगठित और हिंसक साजिश में शामिल लोगों को इस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती कि वे लंबे समय से जेल में हैं। इसे समझें तो यह टिप्पणी नैतिक संदेश भी है कि कानून भावनाओं या राजनीतिक दबाव से संचालित नहीं होगा।

दृष्टि कोण

अमेरिका से भारतीय मीडिया के लिए सबक : अभिव्यक्ति नहीं, राष्ट्रहित सर्वोपरि

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद अमेरिका की सैन्य कार्रवाई एक बार फिर वैश्विक चर्चा में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अंजाम दिए गए इस गुप्त अभियान 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट-रिज़ॉल्व (ओएआर)' ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय राजनीति को झकझोरा, बल्कि मीडिया की भूमिका पर भी एक नई बहस छेड़ दी है। अमेरिकी सेना, डेल्टा फोर्स, सीआईए, नेवी और एफबीआई के संयुक्त अभियान में वेनेज़ुएला में व्यापक सैन्य कार्रवाई हुई और अंततः मादुरो तथा उनकी पत्नी की गिरफ्तारी कर उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। किंतु इस पूरे घटनाक्रम से भी अधिक महत्वपूर्ण वह तथ्य है, जो बाद में सामने आया कि अमेरिकी मीडिया को इस ऑपरेशन की जानकारी पहले से थी, फिर भी उसने जानबूझकर इसे सार्वजनिक नहीं किया। यही वह बिंदु है, जिसने आज भारतीय मीडिया के लिए आत्ममंथन का अवसर दिया है।

यह अब स्पष्ट हो चुका है कि 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'द वॉशिंगटन पोस्ट' जैसे प्रतिष्ठित अमेरिकी अखबारों के वरिष्ठ संपादकों को इस गुप्त सैन्य कार्रवाई की संवेदनशील जानकारी उनके सूत्रों द्वारा पहले ही दे दी गई थी। इसके बावजूद उन्होंने इसे प्रकाशित नहीं किया। कारण सीधा और स्पष्ट था- अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया, जब राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी मीडिया के बीच टकराव जगजाहिर रहा है। वैचारिक विरोध, राजनीतिक असहमति और तीखी आलोचना के बावजूद जब बात देश और सैनिकों की जान की आई तो अमेरिकी मीडिया ने एकजुटता दिखाई।

यह अमेरिकी पत्रकारिता की उस पुरानी परंपरा को दर्शाता है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में संयम और जिम्मेदारी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से ऊपर रखा जाता है। यहां यह समझना जरूरी है कि अमेरिका में भी प्रेस स्वतंत्र है, आलोचनात्मक है और सत्ता से सवाल पूछता है लेकिन वह यह भी जानता है कि हर सत्य को हर समय उजागर करना पत्रकारिता नहीं है। कभी-कभी मौन भी देशभक्ति का एक रूप होता है।

इसके उलट यदि भारतीय मीडिया के व्यवहार पर नजर डालें तो तस्वीर कुछ अलग दिखाई देती है। यहां कई बार ऐसी होड़ देखी गई है कि जो नहीं दिखाना चाहिए, वही सबसे पहले दिखाने की कोशिश होती है। राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य अभियान और आतंकवाद से जुड़े मामलों में भी "एक्सक्लूसिव" और "ब्रेकिंग न्यूज" की प्रतिस्पर्धा अक्सर विवेक पर भारी पड़ जाती है या कहा जाए कि आज भी पड़ रही है।

इस संदर्भ में उल्लेखित है कि हाल ही में आई फिल्म 'धुरंधर' ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान मीडिया की भूमिका को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। 26 नवंबर 2008 की रात से 29 नवंबर तक कई टीवी चैनलों ने होटल ताज, ओबेरॉय और अन्य ठिकानों के लाइव दृश्य लगातार दिखाए। इन प्रसारणों के कारण आतंकवादी अलर्ट हो गए और सुरक्षा बलों की रणनीति को नुकसान पहुंचा। इसका परिणाम यह हुआ कि कई जवानों को अपना सर्वोच्च बलिदान देना पड़ा। बाद में इस पर गंभीर सवाल उठे, किंतु तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हमने एक देश भारत के रूप में जो नहीं खोना चाहिए था, वह हम अपने सैनिकों एवं जनमानस के रूप में खो चुके थे। यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है। कारगिल युद्ध हो, कश्मीर में चल रहे ऑपरेशन हों या अन्य संवेदनशील सुरक्षा मुद्दे ही क्यों न रहे हों, भारतीय मीडिया पर बार-बार आरोप लगते रहे हैं कि उसने तत्काल अभिव्यक्ति के नाम पर दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की अनदेखी की।

यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि मीडिया स्वतंत्र हो या नहीं, निःस्संदेह उसे स्वतंत्र होना चाहिए और वो है भी। प्रश्न यह है कि स्वतंत्रता की सीमा क्या होनी चाहिए? क्या अभिव्यक्ति का अधिकार देशहित से ऊपर हो सकता है? अमेरिकी उदाहरण स्पष्ट करता है कि उत्तर 'नहीं' है। वहां मीडिया ने यह नहीं कहा कि "जनता को जानने का अधिकार है" बल्कि यह माना कि यदि इस जानकारी से अमेरिकी सैनिकों की जान को खतरा है तो उसे रोका जाना चाहिए।

भारतीय संदर्भ में अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि मीडिया का काम केवल सूचना देना है, परिणामों की जिम्मेदारी उसकी नहीं। लेकिन यह सोच आज के संदर्भ में गैर-जिम्मेदाराना है और बहुत खतरनाक भी है। किसी को नहीं भूलना चाहिए कि मीडिया समाज का आईना ही नहीं, दिशा-निर्देशक भी होता है। उसके पास शब्दों और चित्रों की ताकत होती है जोकि किसी भी युद्ध को जितवा सकती है और हार भी दिला सकती है। अमेरिका की इस घटना से भारतीय मीडिया के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि आपसी वैचारिक मतभेद, राजनीतिक झुकाव और टीआरपी की प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी जाए। यदि अमेरिकी मीडिया जो ट्रंप का कटु आलोचक रहा है और है, वह देश के हित में एक स्वर में खड़ा हो सकता है तब क्या भारतीय मीडिया ऐसा नहीं कर सकता?

अतः यह समय है जब भारतीय मीडिया को आत्मावलोकन करना चाहिए। उसे तय करना चाहिए कि वह सनसनी फैलाने वाला मंच बना रहना चाहता है या राष्ट्र निर्माण में जिम्मेदार साझेदार। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आवाज है और जिम्मेदारी भी, किंतु जब वही अभिव्यक्ति देश को नुकसान पहुंचाने लगे तो उस पर आत्मसंयम आवश्यक हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान-पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा-प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें. किसी के बहकावे में आकर कोई ऐसा निर्णय ना लें जिसके कारण आपको शर्मिंदा होना पड़े.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही-सुनी बातों पर विश्वास करने से आप- को बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही-सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी. पारिवारिक सदस्यों एवं मित्रों संग मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा. वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे. शाम को आप परिवार के साथ किसी फंक्शन में जा सकते हैं. मन्दिर में मिट्टी का बर्तन दान करें, आपको सबका सपोर्ट मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी. आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय रहेगा और आपके बच्चे आपके लिए गर्व का स्रोत बनेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्वपूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 08 जनवरी 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी उत्तर रात्रि 06:06 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 12:25 तक
योग : सौभाग्य सायं 05:25 तक
करण : गर सायं 06:46 तक
चन्द्रराशि : सिंह सायं 06:46 तक
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:00 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 05:50 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वीबी–जी राम जी पर कांग्रेस कर रही है दुष्प्रचार : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 07 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सीएमओ में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि वीबी–जी राम जी कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थाई और गुणवत्तापूर्ण संपत्तियों का निर्माण हो सकेगा। यह कानून ग्रामीण रोजगार नीति को विकसित भारत के रोडमैप से जोड़ेगा और राजस्थान को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से लाया गया था, लेकिन कांग्रेस सरकार के कमजोर प्रशासन और भ्रष्टाचार के कारण यह अपने लक्ष्य को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर सका। इसमें जनता के पैसे का सही उपयोग नहीं हो पा रहा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गलत मंशा के चलते मनरेगा के तहत किए गए अधिकांश कार्य गांवों की समग्र विकास योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। इनमें अस्थायी सड़कों, अधूरी जल संरचनाओं और बिना योजना के मिट्टी के कार्य करवाए जाते थे जिनकी कोई दीर्घकालिक उपयोगिता नहीं थी। उन्होंने कहा कि मनरेगा में फर्जी और डुप्लीकेट जॉब कार्ड, नकली लाभार्थी, मनगढ़ंत हाजिरी और मजदूरी भुगतान में अनियमितताओं की जांच पड़ताल के लिए कोई सुदृढ़ व्यवस्था नहीं होने के कारण सोशल ऑडिट केवल औपचारिकता बनकर रह गई। प्रशासनिक व्यय की सीमा मात्र 6 प्रतिशत होने से योजना का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाता था। वहीं, बेरोजगारी भत्ता तथा देरी से भुगतान पर मुआवजे जैसे प्रावधान कागजों तक सीमित रह गए थे।

शर्मा ने कहा कि नए वीबी–जी राम जी अधिनियम–2025 में इन सभी कमियों को दूर किया गया है। अब

सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि किसान और मजदूर एक–दूसरे के पूरक हैं। कई छोटे किसान खेती भी करते हैं और मजदूरी भी करते हैं। खेती के दिनों में श्रमिकों को अतिरिक्त लाभ मिल सके, इसके लिए राज्य सरकारों को इस कानून में 60 दिनों का कार्य विराम घोषित करने का अधिकार दिया गया है।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत जल संसाधन, मुख्य ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका अवसंरचना और आपदा प्रबंधन से जुड़े ठोस व टिकाऊ कार्य कराए जाएंगे। जियो–टैगिंग, सैटेलाइट इमेजरी, मोबाइल ऐप और एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। हर छह माह में डिजिटल तथ्यों के साथ सोशल ऑडिट अनिवार्य होगी। इसके साथ ही, निश्चित समय–सीमा वाली डिजिटल बहुस्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली और जिला लोकपाल की व्यवस्था भी की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिनियम के तहत मजदूरी का भुगतान हर सप्ताह करना अनिवार्य होगा और दो सप्ताह से अधिक देरी होने पर स्वतः मुआवजा मिलेगा। प्रशासनिक व्यय की सीमा को बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है, ताकि पर्याप्त स्टाफ, तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।उन्होंने कहा कि टिकाऊ और जवाबदेह वित्तीय मॉडल पर आधारित वीबी–जी राम जी अधिनियम में हर वर्ष के लिए एक स्पष्ट और तय बजट निर्धारित किया जाएगा। मांग के अनुसार काम उपलब्ध कराने की व्यवस्था पहले की तरह बनी रहेगी। इसमें राज्यों को कुल 17 हजार करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त आवंटन होने की उम्मीद है।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस इस ऐतिहासिक सुधार को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है जबकि यह सहकारी संघवाद का मॉडल है, जिसमें राज्यों की 40 प्रतिशत भागीदारी से जवाबदेही बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से काम कम होने का भ्रम फैलाया जा रहा है जबकि सच्चाई यह है कि नए कानून से अब सुनियोजित ढंग से गांवों की वास्तविक जरूरत के हिसाब से कार्य करवाए जाएंगे। पीएम गतिशक्ति से जुड़कर गांवों में पानी, स्थायी सड़कें और आवश्यक बुनियादी ढांचे के कार्य भी होंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण आरोपों को बेनकाब करना आपकी और हमारी जिम्मेदारी है। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनहित में लाए गए वीबी–जी राम जी अधिनियम–2025 की खूबियों को जनता तक पहुंचाना होगा।

किसानों की आमदनी में वृद्धि से आर्थिक स्थिति होगी मजबूत : वी. श्रीनिवास

जयपुर, 07 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में राजस्थान ग्लोबल एग्रीटेक मीट 2026 के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने, उन्हें कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाने और उनकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सदैव प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि ग्राम के आयोजन से प्रदेश के किसान आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर इनके माध्यम से स्मार्ट फार्मिंग कर कृष क्षेत्र में अग्रणी बनेंगे। मुख्य सचिव ने ग्राम के सफल आयोजन के लिए कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, राजस्व, उद्योग, पर्यटन आदि विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के लिए कहा। इस आयोजन में कृषकों की भागीदारी के लिए मुख्य सचिव ने कृषकों का पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए कहा, जिससे प्रगतिशील किसान ज्यादा से ज्यादा भाग लें और नवीन तकनिकों एवं नवाचारों का फायदा ले सकें। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने पीपीटी के माध्यम से ग्राम की तैयारियों पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम के आयोजन में पूरे प्रदेश से 50 हजार से ज्यादा कृषक भाग लेंगे, जिसमें राज्य के एवं संबद्ध क्षेत्रों की कृषि क्षमताओं एवं संभावनाओं का प्रचार–प्रसार किया जायेगा, देश–विदेश में रोड शो का भी आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में कृषक वैज्ञानिक संवाद, कृषक गोष्ठियों, प्रदर्शनी, सेमिनार, कान्फ्रेन्स, क्रेता–विक्रेता बैठकों व बिजनस बैठक का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रदर्शक एवं कम्पनियां, कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, 32 से अधिक देशों के प्रतिनिधि मंडलों, कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर के संस्थानों एवं अन्य सरकारी व गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होगी।

रेल कनेक्टिविटी से बदलेगा झोटवाड़ा का भविष्य, विकास को मिला नया इंजन : राठौड़

जयपुर, 07 जनवरी (एजेंसियां)। झोटवाड़ा क्षेत्र के ग्राम ढींढा रेलवे स्टेशन पर जोधपुर–भोपाल एक्सप्रेस के ठहराव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि रेल कनेक्टिविटी केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि किसी भी क्षेत्र के विकास का सबसे मजबूत आधार होती है। ढींढा स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव पूरे इलाके के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य को नई दिशा देगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि इस ठहराव से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी और व्यापारियों के लिए बाजार सीधे जुड़ेंगे। इसके साथ ही जयपुर–मारवाड़ जंक्शन एक्सप्रेस का जोबनेर स्टेशन पर तथा जयपुर–उदयपुर एक्सप्रेस का कनकपुरा स्टेशन पर ठहराव भी सुनिश्चित किया गया है।

उन्होंने सांसद राव राजेंद्र सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनकी गहराई, सोच और कार्यशैली का सीधा लाभ क्षेत्र की जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे ट्रेन की पटरी एकतरफा नहीं हो सकती, वैसे ही क्षेत्र के विकास में वे पूरी मजबूती से सांसद के साथ खड़े हैं और केंद्र के मंत्रियों से अपने पुराने संबंधों का उपयोग कर क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं।

कर्नल राठौड़ ने बेटियों को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यही वह समय है जब व्यक्तित्व का निर्माण होता है। गांवों में पली–बढ़ी बेटियां आगे चलकर अपने गांव और क्षेत्र का नाम रोशन करें, यही सच्चा विकास है।

उन्होंने घोषणा की कि ढींढा से भगवतपुरा तक डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। ढींढा रेलवे स्टेशन पर रेलवे ओवरब्रिज का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिससे आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने, टीन शेड निर्माण और अन्य सुविधाओं की मंजूरी भी दी जा चुकी है। सर्वेश्वर मंदिर पर हाईमास्ट लाइट लगाने की मांग को भी तुरंत स्वीकार किया गया।

कार्यक्रम में कर्नल राठौड़ ने विधायक कोटे से ढींढा और ढाणी बोराज में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10–10 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भवन का स्थान ग्रामीण आपसी सहमति से तय करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि 2014 के बाद से विकास हर गांव तक सीधे पहुंचा है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है। आज सरकार खुद लाभार्थियों तक पहुंच रही है, जिससे आम नागरिक सशक्त हो रहा है। फाइबर केबल, इंटरनेट और वाई–फाई जैसी सुविधाएं भी गांवों में पहुंच रही हैं, जो विकास को नई गति देंगी।

नगर निगम चुनाव में पूरे दमखम से कांग्रेस मैदान में उतरेगी, जीत सुनिश्चित : राव नरेंद्र सिंह

पंचकूला, 07 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में वर्ष 2026 में होने वाले अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत नगर निगम चुनावों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और संगठन पूरी मजबूती के साथ चुनावी रण में उतरने को तैयार है। हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस नगर निगम चुनाव पूरी दमखम के साथ लड़ेगी और जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस रणनीति पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में पार्टी ने चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से एक विशेष चुनाव समिति का गठन किया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह समिति चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय, प्रचार–प्रसार एवं चुनाव संबंधी औपचारिकताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस जनता के मुद्दों, विकास के एजेंडे और मजबूत संगठनात्मक ढांचे के बल पर नगर निगम चुनावों में जीत का परचम लहराएगी।

कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि पार्टी जमीनी स्तर पर जनसंपर्क को और मजबूत करेगी तथा हर वर्ग की समस्याओं को चुनावी मुद्दा बनाकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा की प्रदेश में भाजपा के दमन चक्र से जनता परेशान है। अब जनता और सहन नहीं करेगी, कांग्रेस ही ऐसा विकल्प है जो जनहित , समाजवाद समानता की एवं समग्र विकास की विचारधारा रखती है।

हरियाणा विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने किया केरल विधान सभा का अवलोकन

चंडीगढ़।, 07 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने केरल भ्रमण के दौरान बुधवार को वहां की विधान सभा का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने केरल विधान सभा अध्यक्ष ए.एन. शमसीर से संसदीय विषयों पर गहन चर्चा भी की। चर्चा में सामने आया कि केरल विधान सभा में विभिन्न संसदीय सुधारों पर काम किया जा रहा है। इस दौरान हरियाणा विधान सभा की संसदीय प्रक्रिया और नियमों को लेकर भी जानकारी साझा की गई। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि केरल विधान सभा में संसदीय प्रक्रिया के मानक स्थापित किए हैं। यहां 37 कमेटियां हैं, जिनमें से 4 वित्तीय समितियां तथा 14 विषय संबंधी समितियां शामिल

हैं। विषय समितियों का महत्व इस तथ्य से आंका जा सकता है कि किसी भी विधेयक का प्रारूप सदन में प्रस्तुत करने के बाद इन समितियों को भेजा जाता है। समिति इस प्रारूप का गहन अध्ययन कर उस पर सिफारिशें देती हैं। उसके बाद इन विधेयक प्रारूपों पर सदन में चर्चा होती है। केरल की समितियों की विशेष बात यह भी देखने में आई कि यहां समितियों का गठन 30 माह के लिए होता है। केरल की विषय संबंधी कमेटियों में खास अंतर यह भी देखा गया कि इनके चेयरपर्सन संबंधित विभाग के मंत्री होते हैं।

विधान सभा अध्यक्ष को बताया गया कि केरल विधान सभा में केरल लेजिस्लेटिव एसेंबली मीडिया एंड पार्लियामेंटरी स्टडीज का विंग है, जो समय–समय पर सम्मेलन एवं सेमिनार का आयोजन करवाता है। विधान सभा का अपना टी.वी. चैनल भी है जो सदन की कार्यवाही का प्रसारण करता है। अन्य दिनों में इस चैनल पर विधान सभा से संबंधित विषयों पर वीडियो क्लिप प्रसारित किए जाते हैं।

केरल विधान सभा में पार्लियामेंट इंटर्नशिप विंग है, जो कानून के विद्यार्थियों को 7 से 14 दिन की इंटर्नशिप करवाता है। भारत व दूसरे देशों के कानून की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों का साल भर का कार्यक्रम रहता है। ये विद्यार्थी विधान सभा से सम्बन्धित दूसरे विषयों पर भी जानकारी हासिल करते हैं।

विधान सभा में राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। इनमें पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित सदस्यों तथा सम्बन्धित अधिकारियों के कार्यक्रम शामिल रहते हैं। देश की विधान सभाओं में एससी एसटी वर्ग के विधायकों का सम्मेलन भी आयोजित किया जाता है।

औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधानों में होगा विशेष फोकस : नायब सिंह

चंडीगढ़, 07 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उद्योग एवं विनिर्माण क्षेत्र का प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से राज्य के आगामी बजट में औद्योगिक क्षेत्र पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। प्रदेश सरकार ने आगामी बजट के लिए यह लक्ष्य रखा है कि बजट अधिक से अधिक रोजगार परक और उद्योगों के अनुकूल हो ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले व 2047 तक विकसित भारत की यात्रा में हरियाणा का योगदान अग्रणी हो। मुख्यमंत्री बुधवार को गुरुग्राम में बजट पूर्व परामर्श बैठक में उद्यमियों से सीधा संवाद कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि बजट पूर्व परामर्श बैठक का लक्ष्य संबंधित हितधारकों के बहुमूल्य सुझाव लेकर प्रदेश में अधिक से अधिक उद्योगों के अनुकूल माहौल बनाना है। बीते वर्ष भी उद्योगों के साथ इस तरह बजट पूर्व परामर्श बैठक की गई थी, जिसमें बेहतरीन सुझाव आए

थे, जिससे नीतियों को अधिक मजबूती मिली। बैठक में सुझाव प्राप्त हुए थे, जिसमें से 71 सुझावों को बजट में शामिल किया गया। उद्योग एवं श्रम विभाग के लिए वर्ष 2025 – 26 बजट में लगभग 1 हजार 951 करोड़ 43 लाख रुपये का प्रावधान किया गया, इसमें से 873 करोड़ 51 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बजट से जुड़े अच्छे सुझाव आमंत्रित हैं, कोई भी साथी एआई चैटबोट के माध्यम से अपने सुझाव दे सकता है।

मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार बजट में की गई घोषणाओं को लगातार धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। पिछले बजट में उद्योग एवं श्रम विभाग के बजट को 129.37 प्रतिशत तक बढ़ाया गया था ताकि इसे और अधिक सशक्त बनाया जाए। हरियाणा सरकार ने श्रमिकों के लिए डॉरमेट्री और सिंगल रूम के निर्माण हेतु आईएमटी बावल में 5 एकड़, आईएमटी फरीदाबाद में 2.76 एकड़ तथा आईएमटी सोहना में 5.47 एकड़ भूमि अधिकृत की है। आईएमटी खरखौदा के विस्तार के लिए 3 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से लगभग 5800 एकड़ भूमि की पहचान की जा चुकी है।

जगतियाल जिले में अम्मा अक्षरा माला कार्यक्रम आयोजित

जगतियाल, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले के कोरुटला नगरपालिका में यूएलएलएएस योजना के तहत अर्बन पॉवर्टी एलिवेशन ऑर्गनाइजेशन ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की महिला एसोसिएशन की सदस्याओं को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए मअम्मा अक्षरा मालाफ कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेपमा एओ श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि महिलाओं को साक्षर बनना चाहिए और सभी के लिए रोल मॉडल बनना चाहिए, जिससे महिला सशक्तिकरण संभव हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि वॉलंटियर्स के माध्यम से हर महिला अक्षर सीखे और सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन स्वयं लिखकर सरकारी कार्यालयों में जमा करे।

सीआरपी ने साक्षरता व अंकगणित की महत्ता बताई तथा वॉलंटियर्स को गाइडबुक का पालन करने और अक्षरा विकासम पुस्तक का उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम में मेपमा डीएमसी सुनीता, टीएमसी श्रीराम गौड़, सीओ गंगारानी व संध्या, महिला फेडरेशन प्रतिनिधि तथा मेपमा रिसोर्स पर्सन उपस्थित रहे।

जुव्वाडी कृष्ण राव ने मंत्रियों से मुलाकात कर कोरुटला की समस्याएं रखीं, नए साल की शुभकामनाएं दीं

जगतियाल/हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जुव्वाडी कृष्ण राव ने मंगलवार को मंत्रियों आवासीय भवनों परिसर में तेलंगाना के आईटी उद्योग एवं विधायी मामलों मंत्री दुदिला श्रीधर बाबू तथा परिवहन व बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर से भेंट की। उन्होंने दोनों मंत्रियों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जुव्वाडी कृष्ण राव ने कोरुटला विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि दोनों मंत्रियों ने इन मुद्दों के समाधान के लिए सकारात्मक जवाब दिया है।

180 अय्यापा भक्त सबरीमाला तीर्थयात्रा के लिए रवाना

किनवट, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान अय्यापा स्वामी की 41 दिनों की कठोर तपस्या पूरी करने वाले 180 भक्तों ने केरल के सबरीमाला मंदिर के लिए तीर्थयात्रा पर प्रस्थान किया। किनवट के अय्यापा स्वामी मंदिर में इरुमुडिकट्टु (इरुमुडु कट्टु) की विधिवत धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ, जो इस यात्रा का प्रमुख हिस्सा है।

सुबह से मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंजता रहा। पुजारी राकेश पांडे महाराज, सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी, व्यकट गुरु स्वामी, संजय गुरु स्वामी, भुभन्ना गुरु स्वामी, राजू गुरु स्वामी व विशाल स्वामी ने भक्तों के सिर पर इरुमुडिकट्टु धारण कराया। मंदिर संस्थान के विलास गुरु स्वामी उपस्थित रहे।

भक्तों ने काले वस्त्र धारण कर माला पहनी, महाप्रसाद ग्रहण किया। स्वयंसेवकों ने सुव्यवस्थित इंतजाम किए। रवानगी पर मस्वामीये शरणम् अय्यापाफ के जयघोष से नगरी गूंज उठी।

मकरसंक्रांति उत्सव के दौरान 18 पवित्र सीढ़ियां चढ़कर भक्त दर्शन करेंगे, जो भक्ति व समर्पण का प्रतीक है।

जनता की जरूरतों के अनुरूप विकास को गति दे रही सरकार : मंत्री गड्डम विवेकानंद

मंचेरियाल, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना, खान एवं भूगर्भ विभाग मंत्री गड्डम विवेकानंद ने कहा कि सरकार जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कर जिले के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित कर रही है।

मंदमरी नगर में जिला कलेक्टर कुमार दीपक, डीसीपी ए. भास्कर सहित अधिकारियों के साथ उन्होंने आरटीसी बस सेवाओं का शुभारंभ किया। मंत्री ने बताया कि बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को पेट्रोल पंप स्वीकृत हुआ है, जो 2-3 माह में शुरू होगा। राज्यभर में महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा भी लागू है।

मंदमरी-हैदराबाद, चेन्नूर-हैदराबाद, चेन्नूर-काताराम-कलेश्वरम मार्गों पर नई बस सेवाएं शुरू होंगी। चेन्नूर विधानसभा में सड़कें, नालियां व बुनियादी ढांचे के लिए वन अनुमतियां लेकर कार्य गति पकड़ेगा। स्वयं सहायता समूहों के लिए 20 हजार करोड़ के बैंक लिंकेज व ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध हैं। इंदिरम्मा आवास, नए राशन कार्ड, सन्ना चावल, गृह ज्योति (200 यूनिट निःशुल्क बिजली) जैसी योजनाएं चल रही हैं।रामकृष्णापुर व कैथनपल्ली में श्मशान घाटों का शिलान्यास हुआ। नगर में 40 लाख की टावर वैगन वाहन से प्रकाश व्यवस्था मजबूत होगी। अमृत योजना के तहत 40 करोड़ की पेयजल परियोजना तेजी से पूरी हो रही है।

मंत्री ने रामकृष्णापुर के ठाकुर स्टेडियम में टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया, खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। जिला कलेक्टर ने कहा कि खेल युवाओं में आत्मविश्वास व नेतृत्व विकसित करते हैं। अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व नागरिकों ने भाग लिया।

आंगनवाड़ियों की प्रगति के लिए सरपंच पूर्ण सहयोग दें : सीडीपीओ कलावती

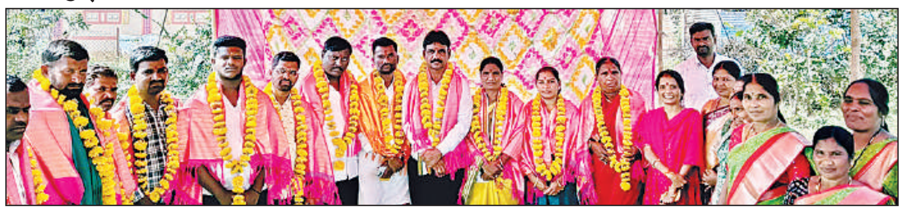

मदनूर, 7 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित सरपंच ऊषा संतोष, उप सरपंच वटनालवार रमेश व वार्ड सभासदों को स्थानिक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी आंगनवाड़ी परिसर में शाल व फूलमाला से सम्मानित किया।9 आंगनवाड़ी केंद्रों की शिक्षिकाओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट सीडीपीओ कलावती ने सरपंच, उप सरपंच व सभासदों से आंगनवाड़ियों की प्रगति के लिए पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने आईसीडीएस परियोजना भवन के लिए भूमि आवंटन का अनुरोध किया।कलावती ने बताया कि आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण हेतु धनराशि मिल चुकी है तथा कुछ केंद्रों में शौचालय-मूत्रालय निर्माण के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई है, किंतु ठेकेदार आगे नहीं आ रहे। नवनिर्वाचित सरपंच से कार्य सुगम बनाने की विनती की।

गंगापुर जतारा महोत्सव में भक्तों को बिना परेशानी के सुविधाएं दें : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने रेब्बेना मंडल के गंगापुर में 31 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी जतारा महोत्सव में भक्तों को बिना किसी असुविधा के सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बुधवार को मंदिर परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला एसपी नितिका पंत, अतिरिक्त एसपी चित्तरंजन, राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। कलेक्टर ने व्यापक सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, सड़क मरम्मत, बिजली आपूर्ति, अस्थायी शौचालय, आरटीसी बसें, चिकित्सा शिविर व सिंगारेनी की व्यवस्थाओं पर जोर दिया।उन्होंने इंजीनियरिंग अधिकारियों को धूल नियंत्रण, बिजली विभाग को कटौती रोकने व स्वास्थ्य विभाग को शिविर लगाने के निर्देश दिए। सभी विभाग समन्वय से कार्य करें।

मंडल तहसीलदार सूर्यप्रकाश, एमपीडीओ शंकरम्मा, पंचायत राज, चिकित्सा, बिजली, बंदोबस्ती अधिकारी, मेला समिति सदस्य उपस्थित रहे।

ड्रग्स खत्म करने में सभी भागीदार बनें : अशोक कुमार

जगतियाल, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज से ड्रग्स व नशीले पदार्थों की महामारी उखाड़ फेंकने और भावी पीढ़ियों को स्वस्थ भविष्य देने के लिए जिला एसपी अशोक कुमार ने छात्रों से सक्रिय सहयोग की अपील की। जिला पुलिस की देखरेख में शैक्षणिक संस्थानों में निरंतर जागरूकता अभियान चल रहे हैं।

मंगलवार को रैकल मंडल केंद्र के आरआर गार्डन में जिला पुलिस व रैकल प्रेस क्लब के नशा-विरोधी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने चेताया कि ड्रग्स युवाओं का भविष्य बर्बाद कर परिवार तोड़ते हैं व अपराध की ओर धकेलते हैं। छात्र पढ़ाई, खेल व रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान दें, तनाव में ड्रग्स न लें तथा दोस्तों के दबाव से बचें।

एसपी ने कहा कि पुलिस ड्रग्स की आपूर्ति व सेवन पर सख्त कार्रवाई करेगी। छात्र एंटी-ड्रग कमेटियों में मएंटी-ड्रग सोल्जरफ बनें, जानकारी शेयर करें व संदिग्ध मामलों की गोपनीय सूचना पुलिस को दें। शिक्षक छात्रों के व्यवहार पर नजर रखें।

कार्यक्रम में छात्रों से महम ड्रग्स नहीं लेंगे, न किसी को लेने देंगेफ का संकल्प कराया गया। बाद में एसपी ने छात्रों से ड्रग्स के नुकसानों पर सवाल किए।

अतिरिक्त एसपी शेषाद्रि रेड्डी, डीएसपी रघु चंद्र, इंस्पेक्टर सुधाकर, एसआई सुधीर राव, गीता, कृष्णा, मंडल शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार, जेएसी प्रेस क्लब अध्यक्ष वसारी रवि, महासचिव जगदीश्वर, कोषाध्यक्ष माचा शेखर, शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

कागजनगर नगर निगम कर्मचारियों की हड़ताल 16वें दिन जारी, जिला कलेक्टर से बातचीत विफल

कागजनगर, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कागजनगर नगर निगम कर्मचारी यूनियन की हड़ताल नगर निगम कार्यालय के समक्ष 16वें दिन प्रवेश कर गई। जिला कलेक्ट्रेट में जिला कलेक्टर, अतिरिक्त कलेक्टर, नगर आयुक्त व सीटू (उखढण) जिला सचिव राजेंद्र के साथ बातचीत विफल रही।यूनियन नेताओं ने बताया कि पिछले 5 माह का वेतन बकाया व 2 करोड़ रुपये के पीएफ-ईएसआई भुगतान की अनदेखी हो रही है। कर्मचारी आर्थिक संकट झेल रहे हैं। 3 जनवरी से कार्यालय घेराव जारी है। उन्होंने तत्काल भुगतान न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। अधिकारियों ने जवाब दिया कि जल संकट के कारण पंप ऑपरेटरों को ड्यूटी पर लौटना चाहिए। शहरवासी सफाई व जल आपूर्ति से परेशान हैं। एक माह का वेतन तत्काल, मार्च का शेष व पीएफ-ईएसआई बाद में देने का आश्वासन दिया, लेकिन यूनियन ने 5 माह का पूरा भुगतान न होने पर हड़ताल जारी रखने का ऐलान किया।

तेलंगाना आशा वर्कर्स यूनियन ने समर्थन घोषित किया। जिला सचिव नागरम पद्मा, दुर्गम अनीता लक्ष्मी सहित आशा नेता उपस्थित। सीटू जिला सहायक सचिव वेलिशा कृष्णमाचारी, नगर यूनियन जिला सचिव शंकर, वर्किंग प्रेसिडेंट संजीव, रफीक, ईश्वरम्मा, मुंडम शीनिवास, लिंगमूर्ति, तारा, प्रियदर्शिनी, शंकरम्मा, श्यामला व नासिर प्रवीण शामिल हुए।

नगरपालिका चुनावों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें : रानी कुमुदिनी

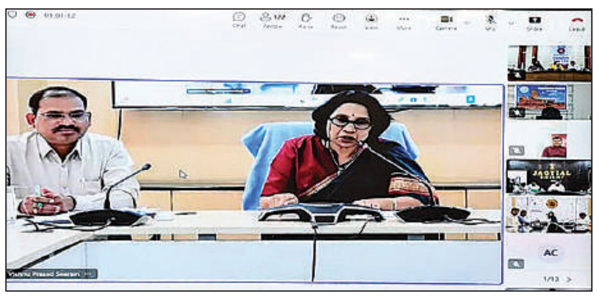

आसिफाबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य निर्वाचन आयुक्त रानी कुमुदिनी ने नगरपालिका चुनावों के पारदर्शी संचालन हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिलों के कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों, उप-कलेक्टरों व नगर आयुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की गई।बैठक में मतदाता सूची घोषणा, मतदान-नामांकन केंद्र व्यवस्थाएं, चुनाव आचार संहिता व मतगणना पर चर्चा हुई। आयुक्त ने अनियमितता रोकने, कर्तव्यों का आवंटन व निगरानी पर जोर दिया।जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने बताया कि आसिफाबाद नगरपालिका (20 वार्ड) व कागजनगर (30 वार्ड) में चुनाव होंगे। मतदाता सूची का मसौदा जारी कर आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। फोटो मतदाता सूचियां, नामांकन-मतदान-मतगणना केंद्र तैयार हो रहे हैं।

समस्याग्रस्त बूथों की पहचान कर शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित किए जाएंगे।अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, एम. डेविड, कागजनगर उप-कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला, नगर आयुक्त गजानन व राजेंद्र, नगर नियोजन अधिकारी यशवंत, प्रशासनिक अधिकारी किरण व चुनाव विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कागजनगर म्युनिसिपल ऑफिस पर ताला, सफाई कर्मचारियों की हड़ताल में पुलिस दखल, दो महिलाएं बेहोश

सिरपुर कागजनगर, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर नगर निगम कार्यालय में ताला लगाकर सफाई कर्मचारी चार दिनों से हड़ताल पर हैं। म्युनिसिपल अधिकारियों ने अंदर घुसने का प्रयास किया तो कर्मचारियों ने रोक दिया।पुलिस दखल देने पर मामूली हाथापाई हुई। दो महिला कर्मचारी बेहोश हो गईं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। कर्मचारियों ने जायज मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है।

13 वर्षीय ढोलक वादक धनुष सोनी की प्रतिभा को मिला विशेष सम्मान

आसिफाबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर कागजनगर के 13 वर्षीय धनुष सोनी भारतीय शास्त्रीय संगीत में अपनी पहचान बना रहे हैं। मात्र 5 वर्ष की आयु से ढोलक वादन शुरू कर चुके धनुष ने पिछले 8 वर्षों में अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते। हाल ही हैदराबाद में उनकी असाधारण प्रतिभा के लिए विशेष सम्मान मिला। तालम पर महारत व गति से दर्शकों व निर्णायकों को प्रभावित करने वाले धनुष पढ़ाई व संगीत का संतुलन बनाए रखते हैं। क्षेत्र के बच्चों के लिए प्रेरणा बने वे कहते हैं, संगीत की कोई भाषा या उम्र नहीं, बस धड़कन होती है। उनकी यात्रा सिद्ध करती है कि प्रतिभा के लिए उम्र बाधा नहीं।

गंगापुर बालाजी मेला: कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने भक्तों की सुविधा हेतु समन्वय बैठक की

मंचेरियाल, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमुरम भीम आसिफाबाद जिले के रेब्बेना मंडल गंगापुर श्री बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में माघ पूर्णिमा (1 फरवरी) पर 31 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित मेले में भक्तों को असुविधा न हो, इसके लिए जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने बुधवार सुबह विभिन्न विभागों के अधिकारियों संग समन्वय बैठक की।

जिला एसपी नितिका पंत, एएसपी चित्तरंजन दास, आसिफाबाद आरडीओ वी. लोकेश्वर राव, सिंगरेनी कोलियरीज (बेल्लमपल्ली) जीएम, आदिलाबाद एंडोवमेंट्स जॉइंट असिस्टेंट कमिश्नर एन. नवीन कुमार, विभागीय अधिकारी, मंदिर एओ गर्रेपल्ली वेणुगोपाल गुप्ता, मंदिर पुनर्निर्माण समिति सदस्य व ग्रामीण उपस्थित रहे।

कृषि अधिकारियों ने छात्रों को मिट्टी स्वास्थ्य पर जागरूक किया

बेल्लमपल्ली, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला कृषि विभाग के तत्वावधान में बेल्लमपल्ली मंडल के जिला परिषद हाई स्कूल (बाजार एरिया), तेलंगाना रेसिडेंशियल बॉयज स्कूल व तेलंगाना सोशल वेलफेयर स्कूल के 8वीं-9वीं कक्षा छात्रों को मिट्टी नमूना संग्रहण प्रशिक्षण दिया गया। प्रधानमंत्री आरकेवीवाई (स्कूल सॉइल हेल्थ) योजना के तहत आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को मिट्टी स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी दी गई।

बेल्लमपल्ली एओ एस. प्रेमकुमार, मंचेरियाल एडीए (केपीए) राजिता, एईओ तिरुपति, केवीके स्टाफ ज्योति, प्रिंसिपल सथैया, विद्यासागर, रघु कुमार व छात्रों ने भाग लिया।

सामाजिक बंदिशों से गोलपोस्ट तक संघर्षपूर्ण रही है हिमाचल की गोलकीपर प्रवीन कुमारी की कहानी

दीव,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

हिमाचल प्रदेश की गोलकीपर प्रवीन कुमारी ने अपनी जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा डटकर खड़े रहने में बिताया है—पहले अपने गांव की सामाजिक बंदिशों के खिलाफ और अब फुटबाल मैदान पर गोलपोस्ट के बीच। 26 वर्षीय प्रवीन ने सीमित संसाधनों, सामाजिक विरोध और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद अपने फुटबाल के सपने को जिंदा रखा और आज वह हिमाचल प्रदेश में उभरती महिला फुटबाल की एक अहम पहचान बन चुकी हैं।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 (केआईबीजी 2026) में दीव के घोघला बीच पर खेले जा रहे महिला बीच साकर मुकाबले में प्रवीन का जज्बा एक बार फिर देखने को मिला। मेजबान दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के खिलाफ हिमाचल प्रदेश की टीम ने अपने पहले ही महिला बीच साकर मैच में शानदार वापसी करते हुए 7-5 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में पैर में गंभीर चोट लगने के बावजूद प्रवीन ने हार नहीं मानी और कई अहम बचाव करते हुए टीम को जीत की राह पर बनाए रखा। मैच के तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में मेजबान टीम के आक्रमण को प्रवीन ने लगातार नाकाम किया, जिससे विपक्षी टीम बढ़त नहीं बना सकी। चोट के कारण कुछ समय के लिए मैदान से बाहर जाने के बाद जब वह दोबारा लौटीं, तो बीच साकर में मिलने वाले रोलिंग सब्स्टीट्यूशन के नियम का फायदा उठाते हुए उन्होंने न सिर्फ गोल रोकने का काम जारी रखा, बल्कि अपनी साथी खिलाड़ियों का हौसला भी बढ़ाया। इसके बाद हिमाचल की टीम ने आखिरी पलों में गोल दागकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के खटगांव गांव में जन्मीं प्रवीन कुमारी एक दिहाड़ी मजदूर पिता की सबसे छोटी संतान हैं। तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी प्रवीन आज अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं। वह ऊना के एक निजी स्कूल में शारीरिक शिक्षा शिक्षिका के तौर पर काम करती हैं, जिससे परिवार को आर्थिक सहारा मिल सके और वह अपने खेल करियर को भी जारी रख सकें।

प्रवीन का खेल में आना आसान नहीं था। जिस समय उन्होंने फुटबाल खेलना शुरू किया, उस दौर में उनके गांव में लड़कियों को खेल से दूर रखा जाता था। ऐसे माहौल में प्रवीन ने लड़कों के साथ अभ्यास करना शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने कुछ और लड़कियों को जोड़ा और बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण या संसाधन के एक छोटी-सी टीम खड़ी की।

न्यूज ब्रीफ

सिडनी टेस्ट में चौथे दिन के अंत तक इंग्लैंड को 119 रन की बढ़त

सिडनी। जैकब बेथल के करियर के पहले टेस्ट और प्रथम श्रेणी शतक के बावजूद इंग्लैंड चौथे दिन के खेल के बाद पूरी तरह मजबूत स्थिति में नहीं पहुंच सका।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे टेस्ट मैच में स्टंप्स तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 8 विकेट पर 302 रन बना लिए और आस्ट्रेलिया पर कुल 119 रन की बढ़त हासिल की। मुकाबले में आस्ट्रेलिया की पकड़ अब भी मजबूत नजर आ रही है। पहली पारी में 183 रन की बढ़त गंवाने के बाद इंग्लैंड की दूसरी पारी में नियंत्रण और अचानक बिखराव के दौर देखने को मिले। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत 518/7 से की। ब्यू वेबस्टर ने अर्धशतक पूरा किया और स्टीव स्मिथ के साथ 100 रन की साझेदारी निभाई। इसी दौरान इंग्लैंड को बड़ा झटका तब लगा जब कप्तान बेन स्टोक्स गेंदबाजी करते हुए दाहिने पैर की एडडक्टर इंजरी के कारण मैदान छोड़कर बाहर चले गए। आस्ट्रेलिया की पारी जल्द ही लड़खड़ा गई जब जोश टंग ने 129वें ओवर में स्टीव स्मिथ को विकेट के पीछे कैच करा दिया। इसके बाद टंग ने मिचेल स्टार्क को पवेलियन भेजा, जबकि विल जैक्स ने स्काट बोलैंड को बिना खाता खोले आउट किया। आस्ट्रेलिया की पारी 567 रन पर सिमट गई, जिसमें ट्रैविस हेड (163) और स्टीव स्मिथ (138) ने अहम पारियां खेलीं। 183 रन पीछे से दूसरी पारी शुरू करने उतरी इंग्लैंड को फिर से शुरुआती झटका लगा। मिचेल स्टार्क ने पहले ही ओवर में जैक क्राली को एलबीडब्ल्यू कर दिया। इसके बाद बेन डकेट और जैकब बेथल ने आक्रामक अंदाज में 81 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। इंग्लैंड ने लंच तक 1 विकेट पर 80 रन बना लिए। लंच के बाद डकेट आउट हो गए और इसके तुरंत बाद जो रूट भी संघर्षपूर्ण 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि बेथल ने एक छोर संभाले रखा और हैरी ब्रूक के साथ मिलकर टीम को फिर से आगे बढ़ाया।

अनाहत ब्रिटिश जूनियर स्क्वैश ओपन के फाइनल में हारी

बर्मिंघम। भारत की अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश के महिला अंडर-19 फाइनल के खिताबी मुकाबले में हार गयी हैं।

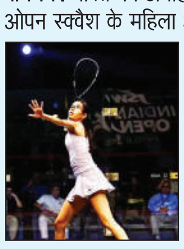

अनाहत को फाइनल में फ्रांस की दूसरी वरीयता प्राप्त लारेन बाल्टायन ने 9-11, 11-7, 3-11, 9-11 से हराया। अनाहत ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका एल कराक्सी को 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से हराया था पर वह खिताबी मुकाबले में दबाव में आ गयीं। गौरतलब है कि अनाहत ने पिछले साल के बीजेओ यू-17 फाइनल और विश्व जूनियर चैंपियनशिप क्वार्टर फाइनल में मलिका को हराया था। सेमीफाइनल मुकाबले से पहले, अनाहत ने मिस्र की बार्ब समेह (5/8) को 11-4, 10-12, 11-9, 11-3 के स्कोर से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया था। इससे पहले, उन्होंने लास्ट-16 में मलक एल माराघी (मिस्र, 9/16) को 11-3, 11-3, 11-6 से और पहले राउंड में बाई मिलने के बाद दूसरे राउंड में हांगकांग की विंग काई ग्लेडिस हो को 11-1, 11-3, 11-3 से पराजित किया था। अनाहत के लिए साल 2025 काफी सफल रहा था। वह पेशेवर स्क्वैश एसोसिएशन टूर के अपने दूसरे ही सत्र में विश्व रैंकिंग में 28 वें स्थान पर पहुंचीं। अनाहत ने इससे पहले इंडियन स्क्वैश अकादमी में एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 के फाइनल में विश्व की पूर्व नंबर 10 खिलाड़ी रही जोशना चिनप्पा को 11-8, 11-13, 11-13, 11-6, 11-8 से हराया था।

मलेशिया ओपनः पीवी सिंधु ने पहले दौर में सुंग शुओ युन को हराया, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर। लंबी चोट से वापसी कर रहीं भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार शुरुआत

करते हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। तीस वर्षीय पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने बुधवार को खेले गए मुकाबले में 51 मिनट से थोड़े अधिक समय में सुंग को 21-14, 22-20 से मात दी। सिंधु ने पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टूर्नामेंट से दूरी बना ली थी और यह जीत उनकी सफल वापसी का संकेत मानी जा रही है। इस जीत के साथ ही सिंधु ने सुंग के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकार्ड 2-0 कर लिया। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधु अब प्री-क्वार्टरफाइनल में जापान की विश्व नंबर-9 खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी। मियाजाकी ने अपने मुकाबले में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर-10 सिम यू जिन के चोट के कारण मैच छोड़ने के बाद अगले दौर में प्रवेश किया। उस समय मियाजाकी पहला गेम 21-19 से जीत चुकी थीं और दूसरे गेम में 1-2 से आगे थीं।

पीडब्ल्यूएल ने 2026 सीजन के लिए आधिकारिक ब्राडकास्टर के रूप में सोनी स्पोर्ट्स से किया करार

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारत की प्रमुख पेशेवर कुश्ती प्रतियोगिता प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) ने अपने बहुप्रतीक्षित पांचवें सत्र के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ आधिकारिक ब्राडकास्टर के रूप में करार किया है। सात वर्षों के अंतराल के बाद जनवरी 2026 में पीडब्ल्यूएल की वापसी हो रही है, जिसे नए विज़न, मजबूत एथलीट-फर्स्ट दर्शन और वैश्विक दर्शकों के समक्ष उत्कृष्ट कुश्ती प्रतिभा को प्रस्तुत करने की नवीकृत प्रतिबद्धता के साथ पुनः परिकल्पित किया गया है।

इस प्रसारण समझौते के तहत, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क अपने सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 और सोनी स्पोर्ट्स टेन 5 टीवी चैनलों के माध्यम से पीडब्ल्यूएल के सभी मुकाबलों का देशभर में लाइव प्रसारण करेगा। इसके साथ ही सोनी का डिजिटल प्लेटफार्म सोनी लिव भी प्रतियोगिता की लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध कराएगा, जिससे प्रशंसकों को टेलीविजन और डिजिटल—दोनों माध्यमों पर निर्बाध देखने का अनुभव मिलेगा। पीडब्ल्यूएल 2026 सीज़न में छह शहर-आधारित फ्रेंचाइज़ी टीमें—दिल्ली दंगल वारियर्स, टाइगर्स आफ मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, पंजाब रायल्स, महाराष्ट्र केसरी और यूपी डामिनेटर्स—एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी और गतिशील प्रारूप में आमने-सामने होंगी। इस सीज़न का उद्देश्य लीग की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक ले जाना और प्रशंसकों को रोमांचक खेल अनुभव प्रदान करना है। मुकाबलों में शीर्ष भारतीय पहलवानों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं भी शामिल होंगी, जहां ओलंपिक-शैली की कुश्ती को एक नवोन्मेषी लीग प्रस्तुति के साथ जोड़ा जाएगा। शनिवार को आयोजित खिलाड़ी नीलामी में टीमों ने 16 देशों से आए 250 से अधिक पहलवानों की सूची में से कुल 63 घरेलू और विदेशी पहलवानों को अनुबंधित किया, जिस पर 11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की गई। पीडब्ल्यूएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल गुप्ता ने कहा, देश के सबसे प्रतिष्ठित खेल प्रसारकों में से एक, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ साझेदारी करते हुए हमें बेहद प्रसन्नता हो रही है। यह सहयोग पीडब्ल्यूएल को एक बार फिर देशभर के दर्शकों तक पहुंचाने के साथ-साथ भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती की लोकप्रियता को बढ़ावा देने, एथलीटों का उत्सव मनाने और इस खेल के लिए एक टिकाऊ भविष्य निर्मित करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करता है। यह प्रसारण साझेदारी सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क की मुख्यधारा से इतर खेलों की कवरेज को सशक्त करने और विश्व-स्तरीय प्रतिस्पर्धी कुश्ती के प्रति जुनूनी प्रशंसकों को जोड़ने की उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। खेल प्रसारण और वितरण में नेटवर्क की विशेषज्ञता पीडब्ल्यूएल की प्रस्तुति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी, जिससे प्रत्येक मैच डे दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बनेगा।

टी20 विश्व कप के दौरान पैटरनिटी लीव ले सकते हैं फर्ग्यूसन और हेनरी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लाकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी आगामी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के दौरान कुछ मैचों में पैटरनिटी लीव पर जा सकते हैं। दोनों खिलाड़ियों के पार्टनर टूर्नामेंट अवधि में बच्चे को जन्म देने वाले हैं, ऐसे में उन्हें अल्पकालिक अवकाश दिए जाने की संभावना है। फर्ग्यूसन और हेनरी, जो फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, न्यूजीलैंड की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए हैं। इनके अलावा फिन एलन (उंगली/हैमस्ट्रिंग), मार्क चैपमैन (टखना) और कप्तान मिचेल सैंटनर (एडक्टर) भी चोट के बाद वापसी की प्रक्रिया में हैं। फर्ग्यूसन ने नवंबर 2024 के बाद से न्यूजीलैंड के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने एक बयान में कहा, जो खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं, वे सभी अपनी-अपनी रिटर्न-टू-प्ले योजनाओं पर काम कर रहे हैं और टूर्नामेंट तक फिट होने की राह पर हैं। तेज गेंदबाज एडम मिल्ने, जिन्होंने आखिरी बार जुलाई में न्यूजीलैंड के लिए खेला था, और आलराउंडर जेम्स नीशम को भी टीम में जगह मिली है। वहीं जैकब डफी अपना पहला विश्व कप खेलेंगे। काइल जैमीसन को ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। एनजेडसी ने यह भी स्पष्ट किया कि फर्ग्यूसन और हेनरी को जरूरत पड़ने पर पैटरनिटी लीव दी जाएगी। टाप आर्डर में कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते टिम राबिन्सन टीम में जगह नहीं बना पाए, जबकि फिन एलन, डेवोन कानवे, रचिन रवींद्र और टिम सीफर्ट को प्राथमिकता दी गई है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सीफर्ट संभालेंगे, जबकि कानवे बैक-अप के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, हमेशा की तरह टीम का संतुलन बेहद अहम है।

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर बीसीबी के साथ मिलकर काम करने को तैयार

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश टीम की भागीदारी को लेकर उठाई गई सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ करीबी सहयोग से काम करने की इच्छा जताई है।

आईसीसी का बुधवार को यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर आईपीएल से बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को बाहर किए जाने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। इस फैसले से नाराज बीसीबी ने आईसीसी को लिखित रूप में मांग की थी कि भारत में होने वाले बांग्लादेश के चारों टी-20 वर्ल्ड कप मुकाबलों को सह-मेजबान श्रीलंका में स्थानांतरित किया जाए। बीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को आईसीसी की ओर से भारत में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान बांग्लादेश राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर व्यक्त की गई चिंताओं तथा टीम के मैचों के स्थानांतरण के अनुरोध पर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। बोर्ड ने आगे कहा, अपने संवाद में आईसीसी ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश टीम की पूर्ण और निर्बाध भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। बीसीबी के अनुसार, आईसीसी ने बोर्ड के साथ मिलकर उठाई गई चिंताओं के समाधान के लिए करीबी सहयोग से काम करने की इच्छा जताई है और यह आश्वासन दिया है कि आयोजन की विस्तृत सुरक्षा योजना के तहत बीसीबी के सुझावों और इनपुट को स्वागतयोग्य माना जाएगा और उन पर उचित रूप से विचार किया जाएगा। गौरतलब है कि पुरुषों का टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हो रहा है और बांग्लादेश टीम को अपने चार मुकाबले भारत के कोलकाता और मुंबई में खेलने हैं।

केआईबीजी 2026ः दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव ने बीच साकर में हिमाचल प्रदेश को हराया

दीव। मेज़बान दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव की टीम ने खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026 के बायज़ बीच साकर ग्रुप स्टेज मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए हिमाचल प्रदेश को 15-1 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला मंगलवार सुबह दीव के खूबसूरत बीच एरीना में खेला गया। करीब 30 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच अनुकूल मौसम में खेले गए इस मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। घरेलू टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और दर्शकों को गोलों की बरसात देखने को मिली। दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव ने पहले पीरियड में ही 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरे पीरियड में टीम का दबदबा और बढ़ गया, जहां उन्होंने आठ गोल दागे और सिर्फ एक गोल गंवाया। तीसरे पीरियड में भी टीम ने लय बरकरार रखते हुए पांच और गोल किए और मुकाबला पूरी तरह अपने नाम कर लिया। मैच में अतिरिक्त समय या पेनल्टी शूटआउट की जरूरत नहीं पड़ी। टीम के कप्तान जय नितेश हलपट्टी ने शानदार गोल स्कोरिंग प्रदर्शन करते हुए टीम का नेतृत्व किया। उन्हें केयूर मंगेला और डान रेमेडियोस का अच्छा सहयोग मिला, जिन्होंने आक्रमण में अहम योगदान दिया। गोलकीपर प्रयाश राजू हलपट्टी ने भी मजबूत डिफेंस के साथ भरोसेमंद प्रदर्शन किया।

भारत के मिडिल डिस्टेंस धावक जिनसन जानसन का डेढ़ दशक लंबा शानदार करियर समाप्त, संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारत के मिडिल-डिस्टेंस धावक जिनसन जानसन ने बुधवार को प्रतिस्पर्धी एथलेटिक्स से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही उनका करीब डेढ़ दशक लंबा शानदार करियर समाप्त हो गया।

जिनसन जानसन ने रियो ओलंपिक 2016 में 800 मीटर स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने अपने करियर का अंत 1500 मीटर के राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ किया, जिसे उन्होंने 2019 में बर्लिन में आयोजित आईएसटीएएफ मीट में 3:35.24 मिनट के समय के साथ बनाया था। रियो ओलंपिक 2016 में उनकी भागीदारी ने उन्हें 1980 में श्रीराम सिंह के बाद 800 मीटर में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाला पहला भारतीय पुरुष धावक बना दिया था।

जिनसन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, एक सपने के साथ एक लड़के की यात्रा कोलकाता से शुरू हुई और 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स के पोडियम तक पहुंची। एथलेटिक्स का धन्यवाद। कुछ यात्राएं मीटर और सेकेंड में मापी जाती हैं, कुछ आंसुओं, बलिदानों, विश्वास और उन लोगों में, जिन्होंने कभी गिरने नहीं दिया।

उन्होंने आगे लिखा, मुझे ओलंपिक गेम्स, वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कामनवेल्थ गेम्स में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला। जब भी मैंने तिरंगा पहना, मैं सिर्फ पैरों से नहीं बल्कि दिल से दौड़ा।

34 वर्षीय जिनसन जानसन तीन बार एशियन गेम्स के पदक विजेता रहे हैं। उन्होंने 2018 में 1500 मीटर में स्वर्ण, 2018 में ही 800 मीटर में रजत और 2023 में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीता। इसके अलावा, उन्होंने 2015 और 2017 की एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्रमशः रजत और कांस्य पदक भी अपने नाम किए।

2018 में जिनसन ने 1:45.65 मिनट का समय निकालकर श्रीराम सिंह के 42 साल पुराने 800 मीटर राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ा था। हालांकि, यह रिकार्ड बाद में 2025 में मोहम्मद अफसल ने तोड़ दिया। अपने संन्यास पर उन्होंने लिखा, जब मैं प्रतिस्पर्धी एथलेटिक्स से दूर हो रहा हूं, तो विनम्रता, कृतज्ञता और शांति के साथ यह कदम उठा रहा हूं। ट्रैक ने मुझे अनुशासन, जुझारूपन और सम्मान सिखाया। भले ही मैं रेसिंग से संन्यास ले रहा हूं, लेकिन एथलेटिक्स हमेशा मेरे दिल में जिंदा रहेगी। हर चीज़ के लिए धन्यवाद। मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद।

यूपी वारियर्ज़ ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले बनारसी विरासत से प्रेरित नई जर्सी का किया अनावरण

मुंबई,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

यूपी वारियर्ज़ ने आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 सीज़न से पहले अपनी नई प्लेइंग जर्सी का अनावरण किया है। टीम की आधिकारिक डिज़ाइन पार्टनर एकाया बनारस के सहयोग से तैयार की गई यह जर्सी बनारसी टेक्सटाइल विरासत को हाई-परफार्मेंस स्पोर्ट्स के साथ जोड़ती है।

एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह जर्सी साहस, पहचान और निडर क्रिकेट की वारियर्ज़ भावना को दर्शाती है। ए ब्लूमिंग रिबेलियन नाम की इस जर्सी में समकालीन खेल और कालातीत शिल्प का अनूठा संगम देखने को मिलता है। बनारस की पुष्पीय (फ्लोरल) विरासत और एकाया की प्रतिष्ठित बुनाई परंपरा से प्रेरित यह डिज़ाइन, सांस्कृतिक प्रतीकों को आधुनिक और प्रदर्शन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ नए रूप में प्रस्तुत करती है।

बनारसी संस्कृति में फूलों के प्रतीकात्मक अर्थ—शक्ति, निरंतरता और नवजीवन—से प्रेरणा लेकर, यह जर्सी रेशम और कथात्मक परंपरा की भाषा को एक साहसी, भविष्य उन्मुख स्पोर्टिंग एस्थेटिक में ढालती है। संस्कृति, पहचान और आधुनिक नारीत्व का सम्मान करती यह किट, महिलाओं द्वारा परंपरा को अपने तरीके से आगे बढ़ाने की दृश्य अभिव्यक्ति है।

जर्सी में बनारसी-प्रेरित मोटिफ्स को एक स्लीक एथलेटिक सिलुएट में समाहित किया गया है, जो एलीट टी20 क्रिकेट के लिए आराम, गतिशीलता और सशक्त दृश्य पहचान प्रदान करती है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को मैदान पर उतरते समय अपनापन और उद्देश्य की भावना देना है—जो न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि भारत में महिला क्रिकेट के बढ़ते कद का प्रतिनिधित्व करती है।

यूपी वारियर्ज़ इस जर्सी को पूरे डब्ल्यूपीएल 2026 सीज़न में पहनेंगी। यह जर्सी आधिकारिक मर्चेंडाइज़ चैनलों के माध्यम से प्रशंसकों के लिए भी उपलब्ध होगी।

यूपी वारियर्ज़ अपने अभियान की शुरुआत 10 जनवरी को डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुजरात जायंट्स के खिलाफ करेगी। पिछले सीज़न में टीम आठ मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ अंकतालिका में सबसे नीचे रही थी।

यूपी वारियर्ज़ टीम (डब्ल्यूपीएल 2026): श्वेता सेहरावत, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, मेग लैनिंग, फोएबे लिचफील्ड, किरण नवगिरे, हरलीन देओल, क्रांति गौड़, आशा शोभना, डिएंड्रा डाटिन, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, तारा नारिस, क्लोई ट्रायन, सुमन मीना, जी. त्रिशा, प्रतिका रावल।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए, व्यापारिक राहत की उम्मीद

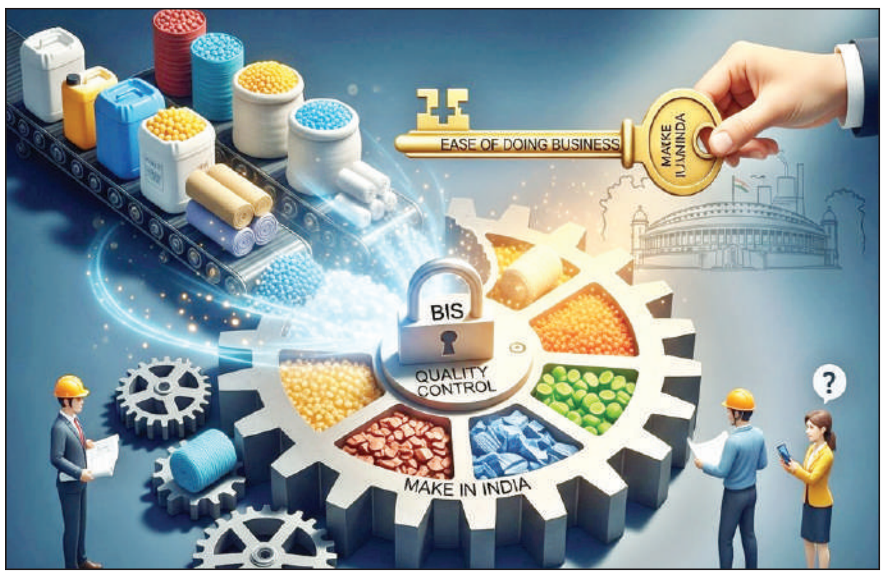

क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारत ने हाल ही में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) को वापस लेना शुरू किया है, जिसे उद्योग जगत ने राहत और कुछ क्षेत्रों में तारीफ के साथ स्वागत किया। यह कदम उन नीतियों को पलटने की दिशा में पहला संकेत है जिन्होंने उत्पादन और निर्यात को प्रभावित किया। वस्त्र, इस्पात और रसायन उद्योग में कच्चे माल की आपूर्ति सबसे अधिक बाधित हुई। विशेषज्ञों के अनुसार क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की। विश्लेषकों का कहना है कि क्यूसीओ को वापस लेना केवल हानि नियंत्रण है, इसे सुधार या नीति सफलता नहीं मानना चाहिए।

यह घटना भारत की आर्थिक शासन प्रणाली में गहराई से मौजूद समस्या, अंदरूनी हस्तक्षेप और समय पर नुकसान की पहचान में देरी का संकेत देती है। इससे नीतियों को अक्सर बाद में पलटना पड़ता है। क्यूसीओ सिर्फ़ एक उदाहरण हैं। इसी तरह जीएसटी संरचना और रुपये की सॉफ्ट-पेगिंग जैसी नीतियाँ भी समय के साथ संशोधित की गईं। नीति का अचानक विस्तार और तत्काल पलटना यह दर्शाता है कि नीति निर्माण में समन्वय और स्थायित्व की कमी है। क्यूसीओएस ने विशेष रूप से निर्यातोन्मुखी क्षेत्रों पर असर डाला।

इनोवा क्रिस्टा का सफर सीमित समय तक, हो जाएगी विदा

नई दिल्ली। भारत में फैमिली कार से लेकर प्रीमियम टैक्सी सेगमेंट तक इनोवा ने अपनी अलग पहचान बनाई। कंपनी ने इनोवा, इनोवा क्रिस्टा और नई टेक्नोलॉजी से लैस इनोवा हाइक्रॉस को बाजार में उतारा। अब संकेत साफ हैं कि इनोवा क्रिस्टा का सफर सीमित समय का रह गया है और आने वाले कुछ वर्षों में यह मॉडल पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ऑटोमोबाइल सेक्टर में लगातार सख्त होते नियम इस फैसले की मुख्य वजह माने जा रहे हैं। खासतौर पर कैफे 3 उत्सर्जन मानकों के लागू होने के बाद कार कंपनियों पर अपने पूरे मॉडल पोर्टफोलियो में प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित रखने का दबाव बढ़ गया है। इनोवा क्रिस्टा का भारी लैडर-फ्रेम प्लेटफॉर्म और डीजल इंजन इन नए मानकों के अनुरूप ढलने में चुनौती पैदा कर रहे हैं। ऐसे में इसे आगे जारी रखना टोयोटा के लिए तकनीकी और आर्थिक दोनों ही स्तर पर मुश्किल होता जा रहा है। टोयोटा अब भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर ज्यादा जोर दे रही है। इसी रणनीति के तहत इनोवा हाइक्रॉस को पेश किया गया है, जो पेट्रोल इंजन के साथ सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड सिस्टम से लैस है। यह न केवल बेहतर माइलेज देती है, बल्कि आने वाले उत्सर्जन नियमों के हिसाब से भी ज्यादा अनुकूल मानी जा रही है। इसके मुकाबले पारंपरिक डीजल एमपीवी के रूप में इनोवा क्रिस्टा का भविष्य सीमित नजर आता है।

न्यूज ब्रीफ

लेनोवो का भारत में अगले तीन साल में कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य

लास वेगास। लेनोवो (एशिया प्रशांत) के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी अगले तीन वर्षों में भारत में अपने कारोबार को दोगुना करना चाहती है। इस वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा। मोटोरोला व्यवसाय पिछले दो वर्षों में राजस्व दोगुना से अधिक बढ़ा। बुनियादी ढांचा और सेवाओं का कारोबार उच्च दोहरे अंकों की दर से बढ़ रहा है। कंपनी का दृष्टिकोण है कि यह वृद्धि जारी रहे और अगले तीन वर्षों में लक्ष्य पूरा हो। लेनोवो भारत में अपने मुख्य सर्वरों का निर्माण कर रही है। मोटोरोला फोन के लिए सॉफ्टवेयर का महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय स्तर पर विकसित किया जा रहा है। वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा कंपनी भारत, भारत के लिए और भारत, दुनिया के लिए नीति को आगे बढ़ाएगी। भर्ती संख्या साझा नहीं की गई, लेकिन संसाधन समय से पहले जोड़ने की योजना है। जुलाई-सितंबर तिमाही में राजस्व 23 फीसदी बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हुआ, डिजिटलीकरण, प्रीमियम उत्पादों की मांग और जीएसटी सुधारों का लाभ मिला।

एलआईसी ने पेश की नई लाइफटाइम इंश्योरेंस स्कीम व रिवाइवल ऑफर

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने नए साल की शुरुआत में अपनी नई पॉलिसी जीवन उत्सव सिंगल प्रीमियम लॉन्च करने का ऐलान किया है। यह योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी। यह नॉन-लिंक्ड और नॉन-पार्टिसिपेटिंग पॉलिसी है, जिसमें शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का कोई असर नहीं। ग्राहक केवल एक बार प्रीमियम जमा करेंगे और जीवनभर का बीमा कवर पाएंगे। यह पॉलिसी बचत और बीमा का संतुलित मिश्रण प्रदान करती है। एलआईसी ने लैप्स हुई पॉलिसियों के लिए भी विशेष ऑफर पेश किया है। इसमें लेट फीस पर 30 फीसदी तक की छूट (अधिकतम 5,000 रुपए) दी जाएगी। लाभार्थी वे ग्राहक होंगे जिनकी पॉलिसी बकाया प्रीमियम की तारीख से पांच साल के भीतर बंद हुई हो, और इसमें माइक्रो इंश्योरेंस व नॉन-लिंक्ड प्लान शामिल हैं। मेडिकल छूट नहीं मिलेगी। योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी एलआईसी के अनुसार पुरानी पॉलिसी को चालू रखना नई पॉलिसी लेने से अधिक फायदेमंद है, क्योंकि पुराने बोनस और बीमा कवर का लाभ निरंतर मिलता रहता है।

वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल कच्चा तेल देगा

ट्रंप बोले- बिक्री का पैसा मेरे नियंत्रण में रहेगा

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा तेल सौंपेगी। यह तेल फिलहाल प्रतिबंधों के दायरे में है। ट्रंप ने यह घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर की। उनके मुताबिक, अमेरिका इस तेल को बाजार भाव पर बेचेगा और बिक्री से मिलने वाली राशि राष्ट्रपति के नियंत्रण में रहेगी, जिसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका दोनों देशों के लोगों के हित में किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि तेल की सप्लाई तुरंत शुरू की जाएगी।

उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को बिना किसी देरी के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया है। योजना के तहत तेल को स्टोरेज जहाजों के जरिए अमेरिका लाया जाएगा और सीधे अमेरिकी बंदरगाहों पर उतारा जाएगा। फिलहाल कच्चे तेल की कीमत करीब 56 डॉलर प्रति बैरल बताई जा रही है। इस हिसाब से 30 से 50 मिलियन बैरल का यह सौदा लगभग 2.8 अरब डॉलर तक का हो सकता है। अमेरिका रोजाना करीब 2 करोड़ बैरल तेल की खपत करता है, ऐसे में वेनेजुएला से मिलने वाला यह तेल लगभग ढाई दिन की जरूरत के बराबर होगा।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में प्रमुख तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने की बात कही है। इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। यह घोषणा उस सैन्य कार्रवाई के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, इस ऑपरेशन में 24 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई। अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने ट्रंप के बयानों का विरोध किया है, जबकि अमेरिका में डेमोक्रेट पार्टी ने इस कार्रवाई की आलोचना की है।

बैंकों में सेल्स स्टाफ की भर्ती में बढ़ोतरी, व्यवसाय पक्ष पर जोर

नई दिल्ली। बैंकों में हाल के महीनों में सेल्स स्टाफ की नियुक्तियों में तेजी आई है। टीम लीज सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार बैंकों ने पिछले छह महीनों में भर्ती में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव सतर्क भर्ती माहौल से सक्रिय भर्ती रणनीति की ओर संकेत करता है। भर्ती का अधिकांश ध्यान आवास, वाहन और स्वर्ण ऋण जैसे सुरक्षित और बढ़ते खंडों पर रहा, जबकि रिकवरी खंड में नियुक्तियां कम रही। टीमलीज सर्विसेज के एक अधिकारी ने बताया कि मझोले निजी बैंक और एनबीएफसी छोटे और मझोले शहरों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से फ्रंटलाइन स्टाफ की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके विपरीत बड़े निजी बैंक तकनीकी आधारित उत्पादकता और लागत अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित कर संतुलित भर्ती कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने दिसंबर में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। वर्ष 2025 में कुल 125 आधार अंक की कटौती हुई। बैंक अधिकारियों का कहना है कि कम निधि लागत का लाभ धीरे-धीरे व्यवसाय वृद्धि में दिखाई दे रहा है। इस कारण बैंकों की भर्ती रणनीति अब संग्रह की तुलना में व्यवसाय और ऋण विस्तार पर अधिक केंद्रित है।

महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ की एंट्री से बाजार में हलचल

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी बहुप्रतीक्षित एसयूवी एक्सयूवी 7एक्सओ को लॉन्च करने जा रही है। लॉन्च से पहले कंपनी लगातार टीजर जारी कर चुकी है, जिनसे इसके डिजाइन, फीचर्स और तकनीक की कई अहम जानकारियां सामने आ चुकी हैं। यह लोकप्रिय एक्सयूवी700 का अपडेटेड और ज्यादा प्रीमियम अवतार मानी जा रही है। हाल ही में इसका बिना कवर वाला मॉडल डीलरशिप पर दिखने के बाद इसके लुक को लेकर तस्वीर लगभग साफ हो गई है। पावरट्रेन के मामले में एक्सयूवी 7एक्सह्न में मौजूदा एक्सयूवी700 वाला ही इंजन विकल्प दिया जाएगा। इसमें 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और 2.2 लीटर डीजल इंजन शामिल होंगे। दोनों इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ आएंगे।

माना जा रहा है कि टॉप वैरिएंट में ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम भी मिलेगा, जिससे यह एसयूवी ऑफ-रोडिंग और खराब सड़कों पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेगी। डिजाइन के लिहाज से एक्सयूवी 7एक्सह्न को पूरी तरह नया लुक दिया गया है। इसमें महिंद्रा के नए इलेक्ट्रिक कॉन्सेप्ट्स से प्रेरित स्टाइल देखने को मिलता है। फ्रंट में नए एलईडी डीआरएल, प्रोजेक्टर हेडलैंप और वर्टिकल क्रोम एलिमेंट्स के साथ नया ग्रिल दिया गया है। पीछे की ओर फुल-विड्थ कनेक्टेड टेललैंप और इनवर्टेड एल-शेप लाइट्स इसे आधुनिक पहचान देती हैं।

नए ड्यूल-टोन अलॉय व्हील्स, बदले हुए बंपर और आकर्षक कलर ऑप्शन भी इसमें शामिल किए गए हैं। केबिन में महिंद्रा पहली बार किसी पेट्रोल-डीजल मॉडल में ट्रिपल स्क्रीन डैशबोर्ड लेआउट देने जा रही है। इसके साथ पैनोरमिक सनरूफ, नया सेंटर कंसोल और प्रीमियम इंटीरियर थीम दी गई है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 540 डिग्री कैमरा सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जिंग और प्रीमियम साउंड सिस्टम जैसे आधुनिक फीचर्स मिलेंगे।

आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

घरेलू सर्राफा बाजारों में तेजी से एक बार फिर चांदी के दाम शिखर पर

चेन्नई में 14,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हुई चांदी

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी ने जोरदार छलांग लगाई है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में चांदी की कीमत में 5,000 रुपये से लेकर 14,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए इस उछाल के कारण चेन्नई और हैदराबाद में ये चमकीली धातु एक बार फिर पौने तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई लेवल के काफी करीब पहुंच गई है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 2,52,900 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,71,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में 5,000 रुपये की उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु 2,53,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,52,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,53,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। बेंगलुरु में चांदी 2,53,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,53,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 14,100 रुपये महंगी होकर 2,70,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु 14,200 रुपये मजबूत होकर 2,71,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। आपको बता दें कि पिछले 10 दिन के दौरान चांदी की कीमत में जबरदस्त उतार चढ़ाव होता रहा है। चेन्नई में ये चमकीली धातु पिछले 28 दिसंबर को 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम के अपने शीर्ष स्तर तक पहुंच गई थी। इस ऊंचाई से चांदी 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई, लेकिन अमेरिका और वेनेजुएला के तनाव के कारण ये चमकीली धातु एक बार अपने शीर्ष स्तर के काफी करीब पहुंच गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि चांदी की कीमत में आई तेजी का दौर अगले कुछ दिन तक जारी रह सकता है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार अमेरिका और वेनेजुएला के तनाव तथा डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर दी गई धमकी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी में शुरू हुआ कंसोलिडेशन थम गया है। निवेशकों ने मुनाफा वसूली करना छोड़ कर एक बार गोल्ड और सिल्वर में पोजिशन बनाना शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से इन दोनों चमकीली धातुओं के भाव में कुछ दिन के अंतराल में ही तेजी का रुख बन गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शहर का...

डेटा में विरोधाभास और निजी पोर्टल्स की भूमिका

'प्राणा' वेबसाइट का 'लाइव एक्यूआई' लिंक और तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) का 'कंटीन्यूअस एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशंस डेटा' लिंक, उपयोगकर्ता को 'रळिंपुे.ीस' पर ले जाते हैं। यह एक निजी वेबसाइट है जो संभवतः अमेरिकी एक्यूआई मानकों पर आधारित है। जब टीजीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए गए लिंक का अनुसरण किया गया, तो पाया गया कि शाम 7:30 बजे हैदराबाद का लाइव एक्यूआई 157 था, जिसे 'अस्वस्थ' श्रेणी में गिना जाता है।चिंता की बात यह भी है कि हैदराबाद जैसे विशाल क्षेत्र में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम (एनएएमपी), राज्य वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम (एसएएमपी) और निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन (सीएएक्यूएमएस) को मिलाकर केवल 25 स्टेशन ही कार्यरत हैं।

औसत एक्यूआई की भ्रामक तस्वीर

एक अधिकारी ने बयाया कि इन सभी स्टेशनों से प्राप्त डेटा का औसत निकालकर शहर का समग्र एक्यूआई बताया जाता है। यह वास्तविक स्थिति पेश नहीं करता। सिर्फ इसलिए कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कहता है कि 'हवा अच्छी है', इसका मतलब यह नहीं कि वह वास्तव में वैसी ही है।अधिकारी ने आगे कहा कि पूरे शहर के लिए औसत एक्यूआई पर निर्भर रहना वैसा ही है, जैसे परिवार के एक सदस्य को 104 डिग्री बुखार हो, लेकिन हम सभी सदस्यों के तापमान का औसत निकाल लें ताकि बीमार व्यक्ति के बारे में बेहतर महसूस किया जा सके। उन्होंने एक्यूआई निगरानी के विकेंद्रीकरण पर जोर देते हुए कहा कि आवासीय समुदायों को अपने पड़ोस की हवा की गुणवत्ता मापने के लिए उपकरण लगाने की पहल करनी चाहिए। इसके बाद वे कचरा जलाने से रोकने और सड़कों से धूल कम करने जैसे कदम उठा सकते हैं।

उच्च लागत और भविष्य के समाधान

गौरतलब है कि 15 जून 2023 को भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया था कि वायु प्रदूषण 'गतिशील' है, जहाँ कुछ सौ मीटर की दूरी पर भी प्रदूषण के स्तर में अंतर हो सकता है। दिन के अलग-अलग समय में भी यह स्तर बदलता रहता है। हालाँकि, उच्च लागत के कारण अधिक स्टेशन स्थापित करना व्यावहारिक नहीं है।इसी समस्या के समाधान के रूप में, आईआईटी मद्रास ने वाहनों पर लगे कम लागत वाले सेंसरों का उपयोग करके एक खेढ आधारित एक्यूआई निगरानी प्रणाली विकसित की है। इसका उद्देश्य शहर भर की वायु गुणवत्ता की एक बेहतर और सटीक तस्वीर प्राप्त करना है।

हैदराबाद का 'सीक्रेट' एंटी-पोल्यूशन प्लान

जब शहर की हवा सांस लेने लायक नहीं रहती, तो दिल्ली की तरह हैदराबाद के पास भी अपना 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' (जीआरएपी) है। विडंबना यह है कि यह योजना निष्क्रियता की धुंध में इस कदर लिपटी हुई है कि नागरिकों को इसकी जानकारी तक नहीं है। जागरूकता की कमी के कारण लोग अधिकारियों से उन कदमों पर सवाल नहीं पूछ पा रहे हैं जो हवा को साफ बनाने के लिए उठाए जाने चाहिए थे।

क्या है हैदराबाद का जीआरएपी और यह कब लागू होता है?

तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) के दस्तावेजों के अनुसार, हैदराबाद का जीआरएपी दिल्ली के लिए बनाए गए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एक्शन प्लान की तर्ज पर तैयार किया गया है। दिल्ली में इसे 2017 में लागू किया गया था, जबकि हैदराबाद का प्लान 2019 में तैयार कर केंद्र को भेजा गया और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया। यह योजना तब प्रभावी होती है जब हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर 61 से 120 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के बीच होता है। जीआरएपी के तहत विभिन्न सरकारी विभागों को प्रदूषण कम करने के लिए विशिष्ट कार्य सौंपे गए हैं, जो वर्तमान में केवल कागजों तक सीमित नजर आते हैं।

जीएचएमसी की भूमिका: नगर निगम को यह सुनिश्चित करना है कि कहीं भी कचरा न जलाया जाए और उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाए।

साथ ही, सड़कों की 'मैकेनाइज्ड स्वीपिंग' (मशीनी सफाई) करना और कच्ची सड़कों पर हर दो दिन में पानी का छिड़काव करना अनिवार्य है।

पुलिस और निर्माण कार्य: ट्रैफिक पुलिस और जीएचएमसी को निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण मानकों को लागू करना होगा। ट्रैफिक पुलिस को व्यस्त सड़कों की पहचान करनी होगी, ताकि वहां जाम और उससे होने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सके।**प्रदूषणकारी इकाइयां:** टीजीपीसीबी को ईंट भट्ठा उद्योगों और प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों को या तो बंद करना होगा या नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा।**वाहन प्रदूषण:** अधिकारियों को अत्यधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों को जब्त करना या उन पर जुर्माना लगाना अनिवार्य है।

सार्वजनिक चर्चा से गायब: जवाबदेही पर बड़ा सवाल

हैरानी की बात यह है कि हैदराबाद के इस एक्शन प्लान पर न तो आधिकारिक हलकों में चर्चा होती है और न ही पिछली सरकारों ने इसे सार्वजनिक पटल पर रखा। जनता इस बात से पूरी तरह अनजान है कि उनके पास एक ऐसी नियमावली है जिसके आधार पर वे प्रशासन से जवाब मांग सकते हैं।चूंकि वायु गुणवत्ता अक्सर 'मध्यम' और 'खराब' श्रेणी में पहुंच रही है, ऐसे में इस 'गुप्त' योजना को सख्ती से जमीन पर उतारने की तत्काल आवश्यकता है ताकि शहर को एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर बढ़ने से रोका जा सके।

विजयवाड़ा...

सूर्यापेट जिले के टेकुमतला से नल्लाबंडागुडेम तक के खतरनाक यू-टर्न को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है ताकि तेज रफ्तार वाहनों के बीच टकराव न हो।पुलिस विभाग ने नलगोंडा और सूर्यापेट जिलों में 8 सीआई, 14 एसआई, 80 कांस्टेबल और 4 हाईवे पेट्रोलिंग टीमों को तैनात किया है। किसी भी दुर्घटना की स्थिति में सड़क से वाहनों को तुरंत हटाने के लिए चार भारी क्रेन तैयार रखी गई हैं।

24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम और फील्ड स्टाफ

प्रशासन ने राजस्व, पुलिस, हाईवे, आरएंडबी और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ एक 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया है। **इसके अतिरिक्त:**

डायवर्जन बिंदुओं पर 30 कर्मियों को शिफ्ट के आधार पर 'फ्लैग लाइन' ड्यूटी के लिए तैनात किया गया है जो वाहन चालकों को सही रास्ता दिखाएंगे।कंट्रोल रूम में शिकायत मिलते ही तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।ब्लैक स्पॉट्स के पास सड़क मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर जारी है ताकि यात्रियों को असुविधा न हो।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 08 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बावलिया बाबा मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य निमंत्रण अभियान

राजस्थान के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर दिया गया आमंत्रण

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बावलिया बाबा के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर राजस्थान के सभी प्रमुख मंदिरों के ट्रस्टी एवं सदस्यों को विधिवत निमंत्रण प्रदान किया गया। इस क्रम में चिड़ावा, राणीसती मंदिर, खाटू श्यामजी, सालासर, केढसती मंदिर तथा बुगाला धाम सहित अनेक प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों पर जाकर निमंत्रण सौंपा गया।

श्री गणेश फाउंडेशन हैदराबाद की सक्रिय सहभागिता

इस निमंत्रण यात्रा के दौरान श्री गणेश फाउंडेशन, हैदराबाद के मंत्री विकास मोदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ विकास केडिया, शिशिर केडिया, आशीष केडिया, आशीष नेमानी, गोपाल भालोटिया, कृष्णा केडिया, मनीष शर्मा सहित अन्य गणमान्य सदस्य भी साथ थे। सभी ने मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के इस शुभ आयोजन को लेकर श्रद्धा एवं उत्साह व्यक्त किया।

धार्मिक एकता और सहभागिता का संदेश

प्राण प्रतिष्ठा के इस निमंत्रण अभियान के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न धार्मिक केंद्रों के बीच आपसी संवाद, एकता और सहभागिता का संदेश दिया गया। मंदिर ट्रस्टियों एवं सदस्यों ने भी इस आयोजन में शामिल होने की सहमति जताते हुए इसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

ईसीआईएल को एनपीसीआईएल से मिला 1600 करोड़ का मेगा ऑर्डर

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के तहत आने वाले मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। कंपनी को न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) से रु.1,599.38 करोड़ का प्रतिष्ठित ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (केकेएनपीपी) की इकाई 5 और 6 के कंट्रोल एंड इंस्ट्रुमेंटेशन (सीएंडआई) पैकेज के लिए दिया गया है।

रणनीतिक साझेदारी और स्वदेशी तकनीक का प्रदर्शन

यह महत्वपूर्ण ऑर्डर ईसीआईएल ने मुंबई स्थित मैसर्स टेमा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक कंसोर्टियम (संघ) के तहत हासिल किया है। यह उपलब्धि स्वदेशी कंट्रोल एंड इंस्ट्रुमेंटेशन क्षेत्र में ईसीआईएल की विशेषज्ञता और तकनीकी पकड़ को एक बार फिर साबित करती है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में स्कोप एमिनेंस अवार्ड्स 2025 में भारत की राष्ट्रपति द्वारा ईसीआईएल को देश के रणनीतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया था, और यह नया ऑर्डर उसी सफलता की कड़ी है।

ऊर्जा सुरक्षा और 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम

इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अनुराग कुमार ने कहा कि यह ऑर्डर ईसीआईएल की तकनीकी क्षमता और एनपीसीआईएल के साथ हमारी स्थायी साझेदारी का प्रमाण है।

भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है। ईसीआईएल राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विश्व स्तरीय स्वदेशी समाधान प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मिधानि में हिंदी टंकण पर हिंदी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के रक्षा उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में दि. 07 जनवरी 2026 को उद्यम के कर्मचारियों के लिए हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टंकण) पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) के उद्घाटन सत्र में हिंदी टंकण की मौलिक जानकारी देते हुए केंद्रीय सरकार की प्रोत्साहन योजना के संबंध में कर्मचारियों को बताया। नामित कर्मचारियों को टंकण के महत्व को समझाते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की राजभाषा है। इसमें काम करना केंद्र सरकार के प्रत्येक कर्मचारी का दायित्व है। उस दायित्व के सुचारू निर्वहन के लिए हिंदी भाषा, टंकण व आशुलिपिक का प्रशिक्षण दिया जाता है। राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी को लोकतांत्रिक रूप से लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। राजभाषा विभाग ने सदैव प्रेरणा और प्रोत्साहन से ही हिंदी का प्रचार-प्रसार किया है।

हिंदी टंकण पर केंद्रित हिंदी कार्यशाला का संचालन हिंदी अनुभाग के डॉ. विकास कुमार आज़ाद, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को कंप्यूटर पर लिप्यंतरण (ध्वन्यात्मक) पद्धति का उपयोग करने की जानकारी दी और अभ्यास करवाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने हिंदी कार्य करने की शपथ ली और हिंदी टंकण के कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त करने संबंधी स्वीकृति दी। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी अनुभाग की गैर-कार्यपालक (एनयूएस) डी.वी. रत्नाकुमारी और डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल का सक्रिय सहयोग रहा।

एचएमडीए मास्टर प्लान से प्रभावित किसानों से मिले बंडारू दत्तात्रेय

मुख्यमंत्री से चर्चा कर न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार, 07 जनवरी 2026 को रंगा रेड्डी जिले के तुर्कयमजाल नगर पालिका के अंतर्गत कोहेड़ा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के मास्टर प्लान में लैंड यूज जोन (भूमि उपयोग क्षेत्र) के कारण प्रभावित हो रहे स्थानीय किसानों से विस्तृत बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना।मुलाकात के दौरान किसानों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि एचएमडीए के नए मास्टर प्लान में उनकी कृषि भूमि को अलग-अलग जोन (जैसे ग्रीन जोन या इंडस्ट्रियल जोन) में वर्गीकृत किए जाने से उनकी आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। किसानों ने मास्टर प्लान की विसंगतियों को दूर करने और अपनी जमीन के मालिकाना हक व उपयोग को लेकर आ रही चुनौतियों से उन्हें अवगत कराया।किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि वह इस संवेदनशील मामले को व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री के संज्ञान में ले जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सरकार से इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि मास्टर प्लान के कारण किसी भी किसान के साथ अन्याय न हो और उन्हें उचित समाधान मिले।

राज्य में गोवंश की दुर्दशा के लिए रेवंत रेड्डी जिम्मेदार : महेश अग्रवाल

इमलीबन गोशाला में नि:शुल्क मिनरल मिक्सचर वितरण

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस इंटरनेशनल 320डी के जीव-जंतु कल्याण विभाग द्वारा आज गौलीगुड़ा स्थित इमलीबन गोशाला में गोमाता के सर्वांगीण शारीरिक विकास हेतु मिनरल मिक्सचर का नि:शुल्क वितरण किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य गोवंश के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा गौशालाओं को सहयोग प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में गोवंश की दुर्दशा के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गोमाता की रक्षा करने में पूर्ण रूप से विफल हो गई है और वर्तमान में केवल गौशालाओं में ही गोमाता की समुचित देखभाल हो पा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा जब्त किए गए एवं न्यायालय द्वारा गौशालाओं को सुपुर्द किए गए गोवंश के भरण-पोषण का दायित्व राज्य सरकार का है, लेकिन इसके बावजूद गौशालाओं को सरकार की ओर से एक पैसे का भी अनुदान नहीं दिया जा रहा है। जबकि अन्य राज्यों में सरकारें गौशाला संचालन के लिए नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर रही हैं।

डी अग्रवाल ने आगे कहा कि गौशालाओं के लिए आवंटित 1962 एम्बुलेंस गायब हो चुकी हैं और सरकारी पशु चिकित्सक भी शायद ही कभी गौशालाओं में पहुंचते हों। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राज्य में जीव-जंतुओं के प्रति सबसे अधिक अन्याय हो रहा है।

विशेष अतिथि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने भी सरकार से कड़े शब्दों में मांग की कि वह तुरंत आगे आकर गौशालाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करे। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को नि:शुल्क पेयजल, बिजली एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

लायंस इंटरनेशनल 320डी के जीव-जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन प्रेमचंद मुनोत ने जानकारी दी कि विगत तीन वर्षों से लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण एवं लायंस इंटरनेशनल द्वारा नगर की विभिन्न गौशालाओं को नि:शुल्क पशु चारा, दवाइयां एवं मिनरल मिक्सचर निरंतर प्रदान किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता इमलीबन गोशाला के प्रबंधक अजय राज शर्मा ने की। इस अवसर पर गोशाला में कार्यरत गोपालकों को उनके सेवा कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया।

राजस्थानी फाउंडेशन का पाँच दिवसीय कंप्यूटर शिविर का शुभारंभ

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी फाउंडेशन का आज पाँच दिवसीय कंप्यूटर शिविर का भव्य शुभारंभ मास्टर टेक अकैडमी, चूड़ी बाजार स्थित कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप जायलवाल तथा मास्टर टेक अकैडमी की ओनर श्रीमती ललिता आसोपा, उनके पतिअभिषेक आसोपा के सान्निध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शिविर के अंतर्गत कुल 24 विद्यार्थियों ने कंप्यूटर कोर्स में नामांकन किया। इन कोर्सों में बेसिक कंप्यूटर, टैली, एमएस ऑफिस तथा पाइथन जैसे आधुनिक एवं उपयोगी विषय शामिल हैं। ललिता मैडम ने शिविर के दौरान सभी विद्यार्थियों को विभिन्न कंप्यूटर कोर्स की विस्तृत जानकारी दी और उनके महत्व पर प्रकाश डाला।

इस पाँच दिवसीय शिविर में सभी 24 छात्र-छात्राएं प्रतिदिन सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे तक नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे।

शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा के माध्यम से तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है।

उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, भगवान दास, कौशिक, विट्ठल शर्मा, कमल उपाध्याय, प्रेमलता व्यास, मंजू शर्मा, सपना शर्मा, दुर्गा शर्मा सहित कई सम्मानित शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बने तिलायचा सोनाराम कुमावत

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज तेलंगाना की आम सभा में सर्वसम्मति से तिलायचा सोनाराम कुमावत को पुनः प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। सभा की अध्यक्षता सभापति सुखराज घोड़ावड़ ने की। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया।

इस आम सभा में तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों से कुमावत समाज की अलग-अलग शाखाओं के पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने भाग लिया।

सभा में कुमावत समाज ज्ञानबाग कॉलोनी, बेगम बाजार के अध्यक्ष रुपाराम भोबरिया, कुमावत समाज किसरा के अध्यक्ष पप्पुलाल बाकरेचा, कुमावत समाज गच्चीबावली के अध्यक्ष लुम्बाराम जालोरा, श्रीकृष्णा कुमावत समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश भोबरिया, कुमावत समाज काचवानी सिंगाराम के अध्यक्ष भीयाराम मंगलोड़ा, कुमावत सेवा समिति चेंगीचेरला के अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया, कुमावत समाज बोराबंडा के अध्यक्ष राजूराम बाकरेचा, कुमावत समाज बिरमगुड़ा के उपाध्यक्ष महेन्द्रकुमार मालीवाड़, कुमावत समाज बोलारम के अध्यक्ष रमेशकुमार मोटावत, कुमावत समाज बालाजीनगर के सचिव चेतन पटेल, कुमावत सेवा संघ मलकाराम के अध्यक्ष गोविंदराम बाकरेचा, कुमावत समाज कालीमंदिर के अध्यक्ष पोकरराम गोयल, कुमावत समाज संगारेड्डी के अध्यक्ष कानाराम दुबलदिया, कुमावत समाज देवेंद्रनगर कुकटपल्ली के उपाध्यक्ष बाबुलाल घोड़ावड़ (डाला), कुमावत समाज अलवाल के उपाध्यक्ष श्यामलाल चांदोरा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने कहा कि तिलायचा सोनाराम कुमावत का पिछला कार्यकाल अत्यंत सराहनीय रहा है तथा उन्होंने पधारे हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

सोहनलाल मानणिया ने संगठन की एकता को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया, जबकि धर्माराम डैय्या ने आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत ने अपने उद्बोधन में कुमावत समाज तेलंगाना में पधारे सभी स्वजातीय बंधुओं का आभार प्रकट किया और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

सभा में ओमप्रकाश हांगर, बशीलाल रेणवाल, सुनील मोरवाड़िया, राकेश हिन्दड़, तेजाराम मेरोता, नारायणलाल घोड़ावड़, अशोक पटेल, अशोक मावर, प्रकाश होतवाल, अंडाराम मनावत, मोहनलाल मावर, राजूराम बाकरेचा, मोतीलाल बाकरेचा, बुद्धाराम होतवाल, कन्हैयालाल घोड़ावड़, श्रवणलाल मालीवाड़, श्रवणलाल दुबलदिया, प्रकाश चांदोरा, कालूराम मावर, सोहनलाल मोटावत, सोहनलाल मानणिया, भंवरलाल आलोदिया, रामचंद्र रेणवाल, विनोद आलोदिया, रामकिशोर भड़लीवाल, मोतीलाल भोमावत, कालूराम ईटाड़ा, जगदीश रोहिवाल, पारस करोलिया, रमेश खेडावत, छेलाराम दुबलदिया, शिम्भूराम मोटावत, माणिकचंद मेड़तिया, कन्हैयालाल चांदोरा, मदनलाल अडाणिया, श्यामलाल मोटावत, हनुमान ईटाड़ा, देवाराम रेणवाल, धर्माराम रेड़, पुखाराम अडाणिया, रमेश अडाणिया, केसाराम दुबलदिया, ओमाराम गोढवाल, ओमकार दुबलदिया, वासुदेव दुबलदिया, सुरेश बोड़ावड़, सुरेश दुबलदिया, कानाराम सांगर, मांगीलाल बांवलेचा, हनुमान पिपावत, नेमीचंद्र मावर, चेनाराम रेणवाल, सी.आर. कुमावत सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

विशाखापत्तनम में बिम्सटेक देशों के कैंसर केयर विशेषज्ञों की ट्रेनिंग शुरू

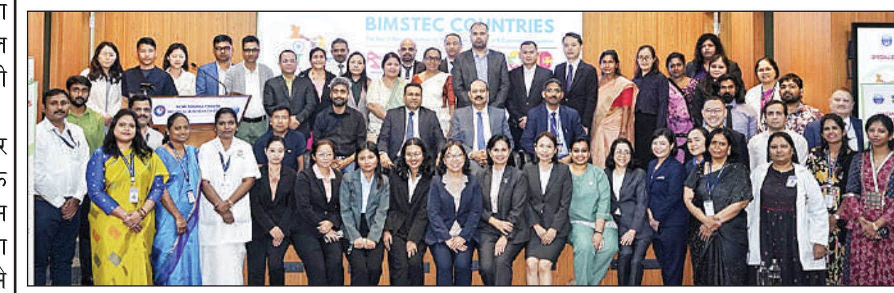

विशाखापत्तनम, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिम्सटेक देशों के लिए विशेषीकृत कैंसर केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण का औपचारिक शुभारंभ यहां टाटा मेमोरियल सेंटर के होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में किया गया। विदेश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बिम्सटेक देशों के 35 कैंसर केयर विशेषज्ञों को ट्रेनिंग दी जाएगी। यह कदम भारत की क्षेत्रीय स्वास्थ्य क्षमता निर्माण में बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

कार्यक्रम का उद्घाटन 5 जनवरी को विदेश मंत्रालय में बिम्सटेक एवं सार्क मामलों के संयुक्त सचिव सी. एस. आर. राम द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड और नेपाल सहित बिम्सटेक सदस्य देशों के कैंसर-केयर पेशेवर भाग ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कैंसर के बढ़ते मामलों और गुणवत्तापूर्ण उपचार तक असमान पहुंच को देखते हुए कौशल विकास और संस्थागत क्षमता निर्माण अत्यंत आवश्यक हो गया है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस क्षेत्र में क्षमता निर्माण की दिशा में विदेश मंत्रालय की इस पहल की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में की थी। यह चार हफ्ते का ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन्को-पैथोलॉजी, ऑन्को-नर्सिंग, पैलिएटिव मेडिसिन, प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में कैंसर देखभाल के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित है और इसमें अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक और थेराप्यूटिक तकनीकों पर एडवांस्ड हैंड्स-ऑन वर्कशॉप शामिल हैं। इस कार्यक्रम में बिम्सटेक देशों के कुल 35 कैंसर देखभाल विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

यह पहल बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में कैंसर देखभाल सेवाओं को सुदृढ़ करने और संरचित प्रशिक्षण व सहयोग के माध्यम से ऑन्कोलॉजी क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीतियों के अनुरूप यह पहल बिम्सटेक देशों के बीच स्वास्थ्य सहयोग को और मजबूत करेगी।

केबीआर पार्क में नववर्ष के प्रथम बुधवार को इच्छापूर्ति गणेश पूजा आयोजित

हैदराबाद, 07 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की विशेष पूजा-आरती व प्रसाद वितरण हुआ। साल के प्रथम बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे।

उपस्थित भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अशोक रूंगटा, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़ेगांव वाले), प्रमोद कुमार सरायवाला, अशोक कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार लाखोटिया, विनोद कुमार टिकमानी, विजय कुमार थंबी, प्रवीण कुमार अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, एडवोकेट पी.वी.आर. मूर्ति, संध्या रानी अग्रवाल, दिव्या अग्रवाल, राजश्री अग्रवाल, संतोष अग्रवाल व सभी केबीआर वॉकर शामिल हुए।

साहित्य सेवा समिति की 131वीं मासिक गोष्ठी का सफल आयोजन

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य सेवा समिति की 131वीं मासिक गोष्ठी का सफल आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. दया कृष्ण गोयल एवं महामंत्री ममता जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। गोष्ठी का विषय दुष्यंत कुमार और राहत इंदौरी की ग़ज़लों की विशेषताओं का आंकलन रहा, जिस पर विद्वानों ने गहन एवं विचारोत्तेजक विमर्श प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में नीमा रवि ने अपनी मधुर वाणी में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्-पश्चात हैदराबाद साहित्य जगत की महान विदुषी स्वर्गीय अहिल्या मिश्रा की श्रद्धा स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया तथा अध्यक्ष डॉ. दया कृष्ण गोयल द्वारा साधुवाद ज्ञापित किया गया।

दो सत्रों में आयोजित गोष्ठी के प्रथम सत्र का शुभारंभ डॉ. दया कृष्ण गोयल के स्वागत भाषण से हुआ। विषय पर अपने प्रवेशिका उद्बोधन में डॉ. अर्चना पांडे ने दुष्यंत कुमार एवं राहत इंदौरी की ग़ज़लों को आम आदमी और पीड़ित जनमानस की वेदना को स्वर देने वाली बताया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया कि इन दोनों शायरों की ग़ज़लें मानवीय चेतना को झकझोरते हुए कुव्यवस्थाओं पर प्रहार करती हैं और सुधार की अपेक्षा व्यक्त करती हैं।

विषय की प्रमुख वक्ता के रूप में सुनीता लुल्ला ने दुष्यंत कुमार एवं राहत इंदौरी की समीक्षात्मक विवेचना करते हुए दुष्यंत कुमार को अपना प्रिय ग़ज़लकार बताया।अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. दया कृष्ण गोयल ने ग़ज़ल के मूल तत्वों से श्रोताओं को परिचित कराया तथा दुष्यंत कुमार और राहत इंदौरी के लेखन काल की विविधता एवं सामयिकता पर प्रकाश डाला। इस सत्र का संचालन रचना चतुर्वेदी ने किया।

द्वितीय सत्र की काव्य गोष्ठी का संचालन महामंत्री ममता जायसवाल ने किया। इस सत्र में श्रुति कांत भारती, गिरधारी लाल गुप्ता, सुषमा सिंह, सरिता दीक्षित, डॉ. सुपर्णा मुखर्जी, सी.पी. दायमा, नीमा रवि, उमेश श्रीवास्तव, तृप्ति मिश्रा, डॉ. अर्चना पांडे की उपस्थिति में बैजनाथ सुनहरे, दर्शन सिंह, उमेश चंद्र यादव, इंदू सिंह, रचना चतुर्वेदी, रफिया नौशीन, वर्षा, सुनीता लुल्ला, ममता जायसवाल एवं डॉ. दया कृष्ण गोयल सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी स्वरचित ग़ज़लों की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे गोष्ठी का वातावरण अत्यंत रसपूर्ण और आनंददायक हो गया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. दया कृष्ण गोयल के अध्यक्षीय भाषण एवं ममता जायसवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन में उमेश चंद यादव का विशेष सहयोग रहा।

प्रगति नगर सीनियर सिटिजन्स एसोसिएशन में नया कैलेंडर जारी

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नए साल 2026 का कैलेंडर मंगलवार शाम को प्रगति नगर सीनियर सिटिजन्स एसोसिएशन में जारी किया गया।

एसोसिएशन के सीनियर सिटिजन मेंबर एस. शेषगिरिराव ने कैलेंडर जारी किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सी.एच. कामैया, जनरल सेक्रेटरी आई.वी. मोहनराव, ट्रेजरर रमनमूर्ति, एसोसिएशन की एग्जीक्यूटिव कमिटी के मेंबर और दूसरे मेंबर मौजूद थे।

9वें सिद्धा दिवस पर एनआईआईएमएच में परंपरा ज्ञान और सिद्ध चिकित्सा का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 9वें सिद्धा दिवस के उपलक्ष्य में 6 जनवरी 2026 को सीसीआरएएस–राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद में परंपरा, ज्ञान और सिद्धरों की प्राचीन चिकित्सा परंपरा को समर्पित एक पावन एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का शुभारंभ सिद्ध चिकित्सा परंपरा के मूल स्तंभ महर्षि अगस्त्य के प्रति गहन श्रद्धा भाव के साथ किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक द्वारा महर्षि अगस्त्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई, तत्पश्चात पवित्र एवं ऊर्जावान वैदिक मंत्रोच्चार किया गया। इसके उपरांत भगवान धन्वंतरि की विधिवत पारंपरिक पूजा-अर्चना संपन्न हुई, जिसमें आरोग्य एवं सर्वकल्याण हेतु दिव्य आशीर्वाद की कामना की गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. साकेत राम, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) द्वारा सिद्धा दिवस के महत्व पर एक संक्षिप्त किंतु सारगर्भित परिचय प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात डॉ. सुभिक्षा जवहर, परामर्शदाता (सिद्धा) ने आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में सिद्धा सिद्धांतों के प्रभावी अनुप्रयोग पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित जनों ने सराहना के साथ सुना।

इसके बाद प्रभारी सहायक निदेशक द्वारा सिद्धा चिकित्सा पद्धति के ऐतिहासिक विकासक्रम, उसकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता एवं वैश्विक महत्व पर एक विस्तृत एवं विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। औपचारिक सत्र का समापन डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) द्वारा भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी वक्ताओं, अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान तथा सीसीअ-ारएएस तराना के गौरवपूर्ण सामूहिक गायन के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अनुसंधान अधिकारी, वरिष्ठ शोध अध्येता (एसआरएफ) एवं समस्त कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम और भी प्रेरणादायी एवं स्मरणीय बन गया।

अखिल भारतीय पेंशनभोगी दिवस मनाया गया

पेंशनभोगियों के अधिकार और सुविधाओं पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चंद्रायनगुट्टा क्षेत्र में ए.पी.पी.ओ. चंद्रायनगुट्टा इकाई द्वारा अखिल भारतीय पेंशनभोगी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हैदराबाद जिला महासचिव श्री एन. नरसिम्हाचारी ने पेंशनभोगियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे तथा स्वास्थ्य कार्ड और वरिष्ठ नागरिक कार्ड के महत्व एवं उपयोगिता की जानकारी दी।

कार्यक्रम में चंद्रायनगुट्टा इकाई के अध्यक्ष श्री सुभाक चंद मारवाड़ी, सचिव किशन कपूर, कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध साठे, उपाध्यक्ष श्रीमती मालती कपूर तथा उपाध्यक्ष जी. कृष्णा ई.टी.सी. ने भी पेंशनभोगियों की समस्याओं एवं उनके समाधान पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर जी. कृष्णा, मोहन जाधव, गीता रानी, विजया बाई, जगदीश, मेने बाई, शेष सहित अनेक पेंशनभोगी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान शुभ लाभ पेपर से जुड़े श्री अभिनंदन शंकर का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके उपरांत सभी उपस्थितजनों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी की गई, जिससे आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल व स्वीट फेस्टिवल 13 से

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पर्यटन व सांस्कृतिक राज्य मंत्री जुपल्ली कृष्णाराव ने 13-15 जनवरी को परेड ग्राउंड में आयोजित इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल, स्वीट फेस्टिवल, हॉट एयर बैलून शो व ड्रोन शो की तैयारियों पर सचिवालय में प्रेस मीट की। उन्होंने महिलाओं को अपनी मिठाइयों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया।प्रेस मीट में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने घरेलू मिठाई-नमकीन प्रदर्शित की। उत्तर प्रदेश की ओर से अरुणा गुप्ता, बीना गुप्ता व रचना गुप्ता ने यूपी की विशेष मिठाई मंत्री को खिलाई तथा मथुरा-वृंदावन से लाए राधे-राधे पटुका ओढ़ाकर सम्मानित किया।

हिंदू संरक्षण समिति एवं व्यापारी प्रकोष्ठ–भाग्यनगर के तत्वावधान में

पंकज कुमार अग्रवाल का भव्य स्वागत एवं भंडारा आयोजित

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू संरक्षण समिति तथा व्यापारी प्रकोष्ठ–भाग्यनगर के तत्वावधान में बुधवार को भंडारा चौक, रिकाबगंज में पंकज कुमार अग्रवाल का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह स्वागत समारोह दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर पंकज कुमार अग्रवाल की भारी मतों से विजय के उपलक्ष्य में रखा गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात बहु-प्रतिभाशाली उद्य-ोगपति, कुशल रणनीतिकार, समाजसेवी एवं लेखक पंकज कुमार अग्रवाल का श्रीराम धुन के बीच पुष्पमालाओं, शॉल एवं हार पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

समारोह में उपस्थित जनसमूह ने उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर पंकज कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह विजय उनके परिश्रम, व्यापारियों के विश्वास और प्रभु की कृपा का प्रतीक है। उन्होंने सभी सहयोगियों, मतदाताओं एवं शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

स्थानीय नागरिकों ने भी धर्म के जयघोष एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में पंकज कुमार अग्रवाल को जीत की शुभकामनाएं दीं। समारोह के समापन पर स्थानीय लोगों के लिए भव्य भंडारे एवं प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेंद्र नारनौली, अभिषेक गुप्ता, महेश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, चेतन, सुनील शर्मा, श्रीनिनवास, गोवर्धन, नीलेश, राजकमल भट्टड सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। साथ ही आर्ट सिल्क एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सह मंत्री सुनील शर्मा एवं कोषाध्यक्ष कमल आहूजा का भी स्वागत एवं सम्मान किया गया।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव आज

श्रद्धा का फल निश्चित मिलता है : बोधायन जी

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्रृंग ऋषि भवन, बेगमबाजार (श्री राधाकृष्ण धाम) में गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी की पावन स्मृति में मोतीलाल विष्णु गोपाल तिवारी परिवार द्वारा जारी श्रीमद् भागवत् कथा के अंतर्गत गुरुवार, 8 जनवरी को श्री कृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

इससे पूर्व कथा वाचक पू. त्रिदण्डी स्वामी भक्ति भूषण श्री बोधायन महाराज जी, वृंदावन ने सात्विक और तामसिक मनुष्यों के बीच फर्क बताते हुए कहा कि सात्विक भगवत् प्रेमी होता है और हमेशा प्रभु भक्ति में लीन रहना चाहता है, जबकि तामसिक गुण वाला भगवान को न मानने वाला और मोह माया तथा गलत प्रवृत्तियों में उलझा रहता है। महाराज ने कहा कि बिना विश्वास भक्ति जागृत नहीं होती, इसलिए शरणागति का प्रथम कदम है विश्वास। इसलिए प्रेतात्मा धुंधकारी के अंदर न तो श्रद्धा थी न कोई संकल्प था और न ही वह संस्कार था पर उसके भाई गौकरण के श्रीमुख से सात दिन तक कथा सुनी, जिसके कारण कथा के अंतिम दिन उस प्रेतात्मा का कल्याण भी हो गया, उसको लेने के लिए वैकुंठ से विमान आया। यह चमत्कार केवल श्रीमद् भागवत कथा के कारण ही हुआ ह। तक चित्त में पाप है और पापों से चित्त मलिन हो चुका है ऐसे जीवों के हृदय में कभी सद्गुरु. सद् शास्त्र और सदमार्ग और सदाचार के प्रति कभी श्रद्धा जागृत नहीं होगी। असंस्कारी मानव का कल्याण तभी हो सकता है जब उसने अपने जीवन में कभी किसी वैष्णव संत की सेवा की है यहां तक के पानी भी पिलाया है तो यह भी किसी पुण्य से कम नहीं है। जिसने भगवान को हृदय में धारण कर लिया है और संतों के जीवन में अज्ञात सेवा आराधना हो गई है तो उसका भाग्योदय निश्चित हो जाता है। दासी पुत्र नारद भी संतों की सेवा कर ही ब्रह्मपुत्र कहलाये। नारदजी ने संकल्प लेकर ही धरती पर घर-घर में और जनपद में भक्ति की स्थापना की। नारदजी की वीणा इसलिए दी ताकि वे लोगों को जागृत कर उनके हृदय में भगवान का नाम रोपण किया। नारदजी ने दानव को भी अपना शिष्य बनाया। जीवन में यदि श्रद्धा है तो फिर उसका फल निश्चित रूप से मिलता है। अवसर पर नरसिह व वराह अवतार की झाँकियों ने उपस्थितों का मन मोह लिया। कथा में रामप्रकाश नागला,हरिकिशन ओझा, महेंदर व्यास, मैक ओझा, रामदेव व्यास डान, रामदेव व्यास, विजय उपाध्याय, राधेश्याम व्यास, श्रीराम व्यास, रंगलाल ओझा, राजेश व्यास, महेश तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, नारायणलाल व्यास, हंसराज व्यास, सीए राजेन्द्र नागला, चंद्रभान व्यास, बजरंग तिवाडी, हरिश व्यास, लक्ष्मीनारायण राठी, नंदकिशोर उपाध्याय, शेषमल कायत, श्यामसुंदर नागला, पवन उपाध्याय, राजेंद्र उपाध्याय, सोहनलाल जोशी, सतवीर उपाध्याय, जुगल किशोर पांडे, ईंदर व्यास, सुधीर सिंह, नंदकिशोर तिवाडी आदि बडी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

IN THE COURT OF THE XX JUNIOR CIVIL JUDGE: CITY CIVIL COURT: AT: HYDERABAD

O.S. No. 5430 of 2025

BETWEEN:-
Suresh Vyas & Others ...Plaintiffs

AND

All Concerned & Another ...Defendants

To,
All Concerned ...Defendant No.1

Sir,

Please take notice that the plaintiffs herein have filed the above suit seeking for Declaration to declare the as legal heir of deceased Late Sri Satyanarayan Sharma and his wife Late Smt. Padma Devi Sharma @ Padma Bai. The Person/s who are interested in the above matter hereby summoned to appear before the Hon'ble Court in person or by a pleader duly instructed and able to answer all the material questions on 05/02/2026 at 10.30. A.M. to answer, support or object the claim of the Plaintiffs.

Take notice that in default of your appearance the suit will be heard and determined in your absence.

(BY ORDER OF THE COURT)

VARSHA SARDA
(ADVOCATE)
H.No.20-2-440,
Yashica Tech Solutions,
Kabutar Khana, Hyderabad, T.S.
(9100286672)

श्री कच्छी मित्र मंडल की कार्य समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में कच्छी समाज की प्रमुख संस्था श्री कच्छी मित्र मंडल की कार्य समिति की बैठक मंडल के अध्यक्ष हेमांग मोमाया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों तथा सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संस्था द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में श्री कच्छी मित्र मंडल के मंत्री पंकज सावला एवं प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने जानकारी दी कि इस कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्ष हेमांग मणीकांत मोमाया, मैनेजिंग ट्रस्टी सुशील धीरजलाल कापडिया, मानद मंत्री पंकज हीरजी सावला, कोषाध्यक्ष मनोज हंसराज नागडा, सह मंत्री पराग तलकशी मारू, सह कोषाध्यक्ष लहेरचंद टोकरशी लोडाया सहित कार्यकारिणी सदस्य दिनेश कल्याणजी गोसर, राजीव खीमजी मामणिया, पूनम निकेश देढिया, अंकीत नीतिन वोरा, दिपेन दामजी सावला, रिद्धीश रमेश लोडाया (जागीरदार), हितेन संगोई, निलेश छेड़ा आदि उपस्थित रहे।

बैठक में हाल ही में दिवंगत श्री कच्छी मित्र मंडल की ट्रस्टी स्व. लिलमबेन धीरजलाल कापडिया को दो मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात विभिन्न समितियों के संयोजकों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

बैठक से पूर्व सभी सदस्यों ने हाल ही में पुनर्निर्मित कच्छी भवन के साइड हॉल का अवलोकन किया और इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली निर्माण समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त श्री कच्छी मित्र मंडल के ट्रस्टी श्री निलेशभाई छेड़ा के जन्मदिवस के अवसर पर उनका अभिनंदन भी किया गया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15813342A Hav LAVKUSH KUMAR VISHWAKARMA of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is to be changed from BUDHILIYA DEVI, DOB:16-04-1972 to BUDHULIYA, DOB:01-01-1968 and my father name and DOB is to be changed from RAM RAJ VISWAKARMA, DOB:05-01-1968 to RAMRAJ, DOB:01-06-1968.

CHANGE OF NAME
I, SREELEKSHMI MANESH Spouse of Service No. 15820218F L/Nk MANESH MOHANAN of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO have changed my name from SREELEKSHMI MANESH to SREELEKSHMI SREEKUMAR vide affidavit dt:07-01-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, GIRAJA Mother of Service No. 15211195M Hav (OPR) RACHAYYASWAMI CHIKKAYYANAVARAMATH, Resident of Vill:Kalakeri, P.O:Herur, Teh:Hanagal, Dist:Haveri, Karnataka-581148 have changed my name from GIRAJA to GIRIJAVVA MAHADEVAYYASWAMI CHIKKAYYANAVARAMATH vide affidavit dt:07-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15702158A Nk KONDAL REDDY GUMMI, Resident of H.No.3-68, Sundariah Colony, Teh:Choutuppal, Nalgonda, Dist:Bhuvanagiri, Telangana - 508252 hereby declare that my daughter name is to be changed from G THANVITHA REDDY to GUMMI THANVITHA REDDY vide affidavit dt:07-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, G SUMALATHA Spouse of Service No. 15702158A Nk KONDAL REDDY GUMMI, Resident of H.No.3-68, Sundariah Colony, Teh:Choutuppal, Nalgonda, Dist:Bhuvanagiri, Telangana - 508252 have changed my name from G SUMALATHA to GUMMI SUMALATHA vide affidavit dt:07-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, NARSI REDDY Father of Service No. 15702158A Nk KONDAL REDDY GUMMI, Resident of H.No.3-68, Sundariah Colony, Teh:Choutuppal, Nalgonda, Dist:Bhuvanagiri, Telangana - 508252 have changed my name and DOB from NARSI REDDY, DOB:01-07-1958 to GUMMI NARSI REDDY, DOB:15-08-1964 vide affidavit dt:07-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, G LALITA Mother of Service No. 15702158A Nk KONDAL REDDY GUMMI, Resident of H.No.3-68, Sundariah Colony, Teh:Choutuppal, Nalgonda, Dist:Bhuvanagiri, Telangana-508252 have changed my name and DOB from G LALITA, DOB:01-07-1967 to GUMMI LALITHA, DOB:01-01-1971 vide affidavit dt:07-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SANJEEV SINGH legal father of RYANSHI SINGH, Resident of Flat No.A-304, Patel's Bright View, Hislop Road, Kowkoor, Alwal Mandal, Medchal Malkajgiri Dist, Telangana - 500010 hereby declare that my daughter name is to be changed from RYANSHI SINGH to RYANNA SINGH vide Affidavit dt:07-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SOMA DHAR legal mother of RYANSHI SINGH, Resident of Flat No.A-304, Patel's Bright View, Hislop Road, Kowkoor, Alwal Mandal, Medchal Malkajgiri Dist, Telangana-500010 hereby declare that my daughter name is to be changed from RYANSHI SINGH to RYANNA SINGH vide Affidavit dt:07-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

तेलंगाना हाईकोर्ट ने ब्रह्मोस महानिदेशक की नियुक्ति रद्द करने वाले सीएटी के आदेश पर लगाई रोक

जैतीर्थ आर. जोशी को राहत, नियुक्ति फिलहाल बरकरार

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें जैतीर्थ आर. जोशी को ब्रह्मोस एयरोस्पेस के महानिदेशक पद से हटाने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट का यह आदेश जोशी द्वारा दायर उस याचिका पर आया, जिसमें उन्होंने सीएटी के आदेश के संचालन पर रोक लगाने की मांग की थी।गौरतलब है कि बीते वर्ष 29 दिसंबर को सीएटी ने भारत-रूस के संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस एयरोस्पेस के महानिदेशक के रूप में जैतीर्थ आर. जोशी की नियुक्ति को रद्द कर दिया था। साथ ही न्यायाधिकरण ने केंद्र सरकार और अन्य प्रतिवादियों को निर्देश दिया था कि वे आवेदक शिवसुब्रमण्यम नम्बी नायडू के इस पद पर नियुक्ति के दावे पर पुनर्विचार करें।तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा सीएटी के आदेश पर अंतरिम रोक लगाए जाने के बाद फिलहाल जैतीर्थ आर. जोशी की महानिदेशक पद पर नियुक्ति बरकरार रहेगी। मामले की आगे की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय इस विवाद पर विस्तृत निर्णय देगा।

तेलंगाना फोन टैपिंग : मुख्यमंत्री रेवंत के भाई को एसआईटी द्वारा तलब किया गया

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के भाई कोंडल रेड्डी को गवाह के तौर पर तलब किया है। उन्हें 8 जनवरी, गुरुवार को सुबह 11 बजे जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में एसआईटी अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।कोंडल रेड्डी उन व्यक्तियों में शामिल थे जिनके फोन कथित तौर पर राज्य में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के शासनकाल के दौरान टैप किए गए थे। उस समय रेवंत रेड्डी तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

एसआईटी ने बीआरएस के दो और नेताओं को भी पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। पूर्व विधायक जी. जयपाल यादव और चिरुमुराथी लिंगैया को गुरुवार को पेश होने का निर्देश दिया गया है।

एसआईटी ने दूसरी बार बीआरएस के दोनों नेताओं को तलब किया है। दोनों पूर्व विधायक नवंबर 2024 में भी एसआईटी के सामने पेश हुए थे।उन पर आरोप है कि वे निलंबित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और इस मामले में आरोपी मेकाला थिरुपाथन्ना के संपर्क में थे।एसआईटी ने बुधवार को बीआरएस एमएलसी के. नवीन राव के पिता कोंडल राव और बीआरएस विधायक माधवराम कृष्ण राव के बेटे संदीप राव को तलब किया था। हालांकि, वे एसआईटी के सामने पेश नहीं हुए।

कोंडल राव ने एसआईटी को बताया है कि खराब स्वास्थ्य के कारण वे उसके समक्ष उपस्थित नहीं हो सकते। उन्होंने अपने आवास पर बयान दर्ज कराने की पेशकश की है।कोंडल राव और संदीप राव के फोन भी टैपिंग किए जाने की खबरें थीं। तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस के भीतर असंतुष्टों के फोन भी टैपिंग किए गए थे। एमएलसी नवीन राव 4 जनवरी को एसआईटी के सामने पेश हुए थे। अधिकारियों ने उनसे करीब आठ घंटे तक पूछताछ की थी।पिछले महीने, एसआईटी ने फोन टैपिंग मामले के मुख्य आरोपी पूर्व विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) प्रमुख टी. प्रभाकर राव से पूछताछ की । सुप्रीम कोर्ट द्वारा आत्मसमर्पण का आदेश दिए जाने के बाद एसआईटी द्वारा दो सप्ताह तक पूछताछ किए गए पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी को 26 दिसंबर को रिहा कर दिया गया।

एसआईटी को राव से हिरासत में हुई पूछताछ पर अपनी रिपोर्ट 16 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में जमा करनी है। तेलंगाना सरकार द्वारा 18 दिसंबर को गठित नौ सदस्यीय नई एसआईटी ने प्रभाकर राव से पूछताछ की थी।

फोन टैपिंग का मामला मार्च 2024 में सामने आया। सबसे पहले पुलिस उपाधीक्षक डी प्रणीत राव को गिरफ्तार किया गया। आगे की जांच में पता चला कि यह एक बड़े पैमाने पर निगरानी अभियान था जिसमें राजनीतिक विरोधियों, व्यापारियों, पत्रकारों और यहां तक कि न्यायाधीशों सहित विभिन्न व्यक्तियों को निशाना बनाया गया था।पुलिस ने इस मामले में पूर्व एसआईबी प्रमुख प्रभाकर राव, डीएसपी प्रणीत राव, अतिरिक्त एसपी तिरुपथन्ना और एन. भुजंगा राव और पूर्व डीसीपी राधा किशन राव सहित छह आरोपियों के नाम शामिल किए हैं, इनके अलावा टेलीविजन चैनल के मालिक श्रवण कुमार भी शामिल हैं।

चुनावी कमान: उत्तम कुमार रेड्डी तमिलनाडु और पुडुचेरी चुनावों के लिए कांग्रेस पर्यवेक्षक नियुक्त

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस पार्टी का चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के माध्यम से इस नियुक्ति की घोषणा की गई।एक पर्यवेक्षक के रूप में, उत्तम कुमार रेड्डी इन दोनों राज्यों में पार्टी की चुनावी रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में- पार्टी कैडरों के साथ समन्वय स्थापित करना। संगठनात्मक तैयारियों को मजबूत करना। जमीनी स्तर पर चुनावी अभियान की निगरानी करना शामिल है।

उत्तम कुमार रेड्डी के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक और काजी मोइनुद्दीन निजामुद्दीन को भी तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह पर्यवेक्षक टीम स्थानीय नेतृत्व के साथ मिलकर काम करेगी ताकि चुनावों से पहले अभियान को सही दिशा दी जा सके और कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जा सके।तमिलनाडु और पुडुचेरी के चुनावों में कांग्रेस अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अनुभवी नेताओं पर दांव लगा रही है।

चारमीनार डिवीजन कांग्रेस पार्टी कार्यालय में विधायक प्रत्याशी मुजीबुल्ला शरीफ ने दी हैदराबाद आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष पद भारी मतों से विजय प्राप्त करने पर पुरुषोत्तम गुप्ता को सम्मानित किया। इस अवसर पर सभी पार्टी सदस्यों ने एकजुट होकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया।

प.पू. डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आगामी 15 फरवरी को आयोजित संत शिरोमणी पूज्य रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव के विशाल कार्यक्रम मे पधारने हेतु प. पू. चिन्न जियर स्वामी, अहोबीलम जीयर स्वामी से निवेदन करते हुए संयोजक जसमत पटेल एवं अन्य।

नालगोंडा में आज से हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं : शरथ चंद्र पवार

नालगोंडा, 7 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नालगोंडा जिले में बृहस्पतिवार से 'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' नियम सख्ती से लागू होगा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत दोपहिया चालकों से जुड़े हादसों को रोकने का यह कदम है।जिला एसपी शरथ चंद्र पवार ने सभी पेट्रोल पंपों को निर्देश दिए कि बिना हेलमेट वाले दोपहिया वाहनों को ईंधन न दें। नियम शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में बिना अपवाद लागू होगा। उल्लंघन पर पंप मालिकों पर कार्रवाई होगी।पहले जागरूकता अभियान, परामर्श व सड़क सुरक्षा कार्यक्रम चलाए गए। आंकड़ों से 90% दोपहिया दुर्घटनाओं में हेलमेट की कमी प्रमुख कारण।एसपी ने अपील की कि हेलमेट अनिवार्य पहनें, नियम पालन करें। सड़क सुरक्षा जन सहयोग से ही संभव।

बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स के धमाका ऑफर के विजेताओं का एलान

50 लाख का नकद पुरस्कार और 30 ऑल्टो कारें बांटी गईं

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे बड़े फेस्टिव ऑफर के ग्रैंड फिनाले का समापन बेहद रोमांचक रहा। बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपने बंपर लकी ड्रा के विजेताओं की घोषणा कर दी है। इस भव्य आयोजन में फिल्मी सितारों की मौजूदगी ने चार चाँद लगा दिए। मशहूर अभिनेता हर्षवर्धन राणे, अभिनेत्री वर्षिणी सुंदरराजन, सांची राय और श्रवंती चोकारापू ने भाग्यशाली कूपन चुनकर विजेताओं के नाम घोषित किए।

इस मेगा इवेंट का सबसे बड़ा आकर्षण 50 लाख का नकद पुरस्कार रहा। भाग्यशाली कूपन नंबर 251811153 को ग्रैंड बंपर ड्रा में 50 लाख के नकद इनाम का विजेता घोषित किया गया। सितारों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से कूपन निकालकर इस विजेता का चयन किया गया।

नकद पुरस्कार के अलावा, बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपने ग्राहकों की खुशियों को दोगुना करते हुए 30 ऑल्टो के10 कारों का वितरण किया। ड्रा के दौरान 30 अलग-अलग भाग्यशाली विजेताओं के नाम चुने गए, जिन्हें उत्सव के उपहार के रूप में नई कारें भेंट की गईं। ग्रैंड फिनाले के दौरान अभिनेता हर्षवर्धन राणे और अन्य अभिनेत्रियों ने विजेताओं को बधाई दी। कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह ऑफर ग्राहकों के भरोसे और त्यौहारों के उल्लास को मनाने का एक तरीका था। बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स के इस इवेंट ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल के क्षेत्र में ग्राहकों की पहली पसंद बना हुआ है।

समाजसेवी कीर्तिभाई मोमाया के निधन से कच्छी एवं समस्त जैन समाज में शोक की लहर

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कच्छी समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता, प्रमुख समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी श्री कीर्तिभाई नरशी वेलजी मोमाया का आज बुधवार प्रातः 9:01 बजे निधन हो गया। 69 वर्षीय कीर्तिभाई मोमाया लंबे समय से धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे और समाज सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय माना जाता है। उनके निधन से कच्छी एवं समस्त जैन समाज में शोक की लहर व्याप्त हो गई है।

धार्मिक एवं सामाजिक योगदान की बात करें तो कीर्तिभाई मोमाया श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर, चैतन्यपुरी की स्थापना से जुड़े रहे। इसके पश्चात मोइनाबाद स्थित देश के प्रथम नवग्रह जैन मंदिर के निर्माण में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हाल ही में वारापधर, कच्छ में प्रतिष्ठित जैन मंदिर की गतिविधियों में भी उनका विशेष सहयोग रहा। वे विभिन्न

धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े रहे और समाज में परोपकार, सेवा एवं धर्म की भावना को सदैव जीवंत रखा।

वे अपने पीछे धर्मपत्नी, एक पुत्र, पुत्रवधु, एक पुत्री, दामाद तथा पौत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके आकस्मिक निधन से परिवार के साथ-साथ संपूर्ण कच्छी जैन समाज में गहरा शोक व्याप्त है।उनके निधन पर समाज के अनेक अग्रणी व्यक्तियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया।श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर के ट्रस्टी श्री केशवजीभाई छेड़ा ने कहा कि कीर्तिभाई का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।कच्छी दशा ओसवाल समाज के श्री लहरचंद लोडाया ने उन्हें समाज का मजबूत स्तंभ बताया।लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार ने कहा कि उनका जीवन परोपकार और धर्मसेवा का आदर्श रहा।

श्री गुजराती प्रगति समाज के श्री दिनेश गोसर ने भी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कीर्तिभाई मोमाया की स्मृति समाज को सदैव प्रेरणा देती रहेगी।भारत भर के कच्छी जैन समाज में उनके निधन की सूचना से शोक की लहर दौड़ गई। समाजजन उन्हें एक सच्चे धर्मप्रेमी, परोपकारी और समर्पित समाजसेवी के रूप में स्मरण कर रहे हैं। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार को विशाल जनसमूह की उपस्थिति में संपन्न हुई। सद्गत आत्मा के श्रेयार्थ प्रार्थना सभा का आयोजन आज दि. 8 जनवरी को रामकोट स्थित कच्छी भवन में सायं 5:00 से 5:30 बजे तक किया जाएगा।

91 वर्षीय दिग्गज पत्रकार एम.ए. रहीम का निधन

हैदराबाद, 7 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद प्रेस क्लब के सदस्य और अनुभवी पत्रकार एम.ए. रहीम का मंगलवार शाम लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। उनके निधन से शहर के पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। दिग्गत पत्रकार का अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर को एसी गार्ड्स स्थित महावीर अस्पताल के पास जामा मस्जिद में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुँचे।हैदराबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष विजय कुमार रेड्डी, महासचिव रमेश वरीकुपला और अन्य पदाधिकारियों ने रहीम के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने रहीम को याद करते हुए कहा कि वे अपने मिलनसार स्वभाव और पत्रकार के रूप में समाज के प्रति अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए हमेशा जाने जाएंगे।रहीम ने अपने लंबे करियर के दौरान पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखा और कई युवा पत्रकारों के लिए प्रेरणा स्रोत रहे।

संतोषी माता मंदिर, सिप्लीगंज में कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

हैदराबाद, 07 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संतोषी माता मंदिर, सिप्लीगंज (कबूतर खाना) में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर शक्तिपीठ मां शारदा धाम (मध्य प्रदेश) से पधारे कथा व्यास आचार्य कौशलेंद्र शास्त्री जी के श्रीमुख से भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा।

इस अवसर पर विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, पुष्पेंद्र शुक्ला, शिवनारायण त्रिपाठी, दिलीप कुमार गुप्ता, ललित कुमार गुप्ता, यज्ञनारायण द्विवेदी, भरतलाल तिवारी, नंदलाल तिवारी, सौरभ पाण्डेय, शिवम तिवारी, नितिन सुधीर त्रिपाठी, राजन शुक्ला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कलश यात्रा में महिलाओं एवं भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

आज की कथा में आचार्य कौशलेंद्र शास्त्री जी ने भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जब राजा परीक्षित को यह ज्ञात हुआ कि उनके जीवन के केवल सात दिन शेष हैं, तब उन्होंने अपने समस्त सांसारिक कार्यों का त्याग कर श्री शुकदेव जी से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया। उसी समय से श्रीमद् भागवत कथा की परंपरा का आरंभ हुआ, जो आज भी मानव जीवन को सद्मार्ग की ओर प्रेरित करती है। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक शांति एवं पुण्य लाभ प्राप्त किया।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.